खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विजयेंद्र राज्य भाजपा अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे!@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 03 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-33

दिल्ली में बदलाव का बसंत आ गया झाड़ू के तिनके बिखरने लगे : मोदी

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि दिल्ली में बदलाव का बसंत आ गया है और झाड़ू के तिनके बिखरने लगे हैं। इससे साफ हो गया है कि दिल्ली से 'आप-दा' जाने वाली है और गरीब एवं मध्यम वर्ग के जीवन को खुशहाल बनाने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार आने वाली है।

श्री मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए दक्षिणी दिल्ली के आर के पुरम में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बसंत पंचमी के साथ ही मौसम बदलना शुरू हो जाता है। तीन दिन बाद, पांच फरवरी को दिल्ली में विकास का नया बसंत आने वाला है। इस बार दिल्ली में भाजपा सरकार बनने जा रही है। इस बार पूरी दिल्ली कह रही है, अबकी बार भाजपा सरकार।

प्रधानमंत्री ने कहा,दिल्ली की आप-दा पार्टी ने यहां के 11 साल बर्बाद कर दिए हैं। मेरी दिल्ली के हर परिवार से प्रार्थना है कि राज्य में हमें आप सबकी, दिल्लीवासियों की सेवा का मौका जरूर दें। मैं गारंटी देता हूं कि आपकी हर मुसीबत, हर परेशानी को समाप्त करने के लिए खप जाऊंगा। गरीब हो या मध्यम वर्ग... हर परिवार का जीवन खुशहाल हो, ऐसी डबल इंजन सरकार दिल्ली को मिलेगी।

उन्होंने कहा, हमें ऐसी डबल इंजन सरकार बनानी है जो लड़ाई-झगड़े की बजाय, दिल्ली के लोगों की सेवा करे।जो बहाने बनाने की बजाय, दिल्ली को बनाने-

सजाने में ऊर्जा लगाए। उन्होंने कहा कि आपने आने वाले पांच साल के लिए केंद्र में भाजपा की पक्की सरकार बना ली है, अब गलती से भी यहां आप-दा सरकार नहीं आनी चाहिए, जो दिल्ली के पांच और साल बर्बाद कर दे।

श्री मोदी ने कहा कि आपदा के नेता पार्टी छोड़ रहे हैं क्योंकि वे जानते हैं कि लोग आपदा पार्टी से नफरत करते हैं। आपदा इतनी हैरान है कि वे झूठी घोषणाओं का सहारा ले रहे हैं। दिल्ली के सामने आपदा का पर्दाफाश हो गया है।

उन्होंने कहा, दिल्ली में वोटिंग से पहले ही झाड़ू के तिनके बिखर रहे हैं। आप-दा के नेता, उसे छोड़कर जा रहे हैं, ये जान चुके हैं कि ग्राउंड पर जनता आप-दा से कितना नाराज हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने विकसित भारत के निर्माण के लिए चार स्तंभों को मजबूत करने की गारंटी देश को दी थी। ये स्तंभ हैं- गरीब, किसान, नौजवान और नारीशक्ति। कल जो बजट आया है, वो मोदी की ऐसी ही गारंटियों को पूरा करने की गारंटी है।

उन्होंने कहा कि आप भी जानते हैं कि 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था 10वें नंबर से पांचवें नंबर पर पहुंच चुकी है, यानी देश की आर्थिक शक्ति बढ़ रही है, अर्थव्यवस्था का कद बढ़ रहा है, नागरिकों की कमाई भी बढ़ रही है। पहले की स्थिति होती तो देश की ये बढ़ती हुई कमाई घोटालों में चली जाती, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थी। लेकिन भाजपा की ईमानदार सरकार देशवासियों का एक-एक पैसा देश की भलाई, देशवासियों की भलाई के लिए लगा रही है। ▶10पर

भारत-इंडोनेशिया के रिश्ते हजारों साल पुराने : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और इंडोनेशिया के बीच रिश्ते सिर्फ भू-राजनीतिक नहीं हैं, बल्कि हजारों साल पुरानी साझा संस्कृति और इतिहास पर आधारित हैं और दोनों देशों में विविधता में एकता की परंपरा है। पीएम मोदी ने यह टिप्पणी इंडोनेशिया के जकार्ता में श्री सनातन धर्म आलयम के महाकुंभभिषेकम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए की। इस मौके पर उन्होंने कहा, यह मेरे लिए खुशी की बात है कि मैं जकार्ता में मुरुगन मंदिर के महाकुंभभिषेकम का हिस्सा बना हूं। ▶10पर

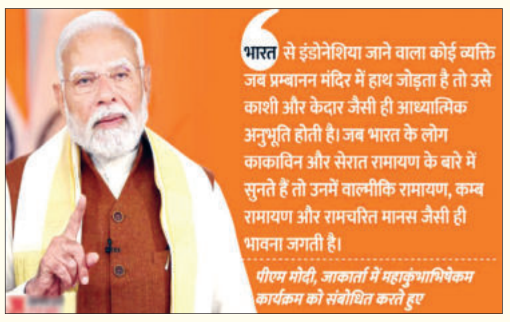

देश राजकोषीय मजबूती के साथ कर्ज कटौती के लक्ष्य की राह पर : सीतारमण

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

दो फरवरी (भाषा) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि भारत राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर आगे बढ़ने के साथ कर्ज में कटौती के लक्ष्य की ओर कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने इस बात को तवज्जो नहीं दी कि मूडीज जैसी एजेंसियों ने इन सबके बावजूद भारत की साख को नहीं बढ़ाया है।

सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025-26 के अपने बजट में राजकोषीय सूझबूझ के साथ आर्थिक वृद्धि को गति देने के बीच बेहतर संतुलन साधा है। उन्होंने न केवल मध्यम वर्ग को बड़ी कर राहत दी है, बल्कि अगले साल राजकोषीय घाटे को कम करने तथा 2031 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत रूप में कर्ज में कमी लाने का खाका भी पेश किया।

उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक चुनौतियों, आपूर्ति व्यवस्था के स्तर पर समस्याओं और दुनिया में संघर्षों के बीच अर्थव्यवस्था की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए महामारी के दौरान अधिक कर्ज लेना पड़ा।

सीतारमण ने एक समाचार एजेंसी के साथ साक्षात्कार में कहा, इन सबके बावजूद हमने प्रतिबद्धता दिखाई है और राजकोषीय घाटे के संबंध में हम अपनी कही बातों का पालन कर रहे हैं। एक भी साल ऐसा नहीं है, जब हम अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में विफल रहे हों।

मूडीज रेटिंग्स ने शनिवार को सरकार द्वारा अपने वित्त को विवेकपूर्ण ढंग से प्रबंधित करने के प्रयासों के बावजूद भारत की साख को तत्काल बढ़ाने की बात से इनकार किया था।

मूडीज ने फिलहाल भारत की रेटिंग को स्थिर परिदृश्य के साथ बीएए3 पर बरकरार रखा है। यह निवेश के लिहाज से निम्न स्तर की रेटिंग है।

भारत राजकोषीय अनुशासन और मुद्रास्फीति नियंत्रण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन मूडीज का कहना है कि साख बढ़ाने के लिए ऋण के बोझ में पर्याप्त कमी और अधिक महत्वपूर्ण राजस्व उत्पन्न करने वाले उपाय आवश्यक हैं।

हाल के सुधारों के बावजूद, राजकोषीय घाटा और कर्ज-जीडीपी अनुपात महामारी-पूर्व के स्तर की तुलना में व्यापक बना हुआ है। कर्ज पर ब्याज अदायगी की लागत बजट में सबसे बड़ा हिस्सा बनी हुई है।

सीतारमण ने शनिवार को संसद में पेश अपने आठवें बजट में कहा कि पिछले साल किये गये वादे के अनुसार चालू वर्ष के लिए राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 4.8 प्रतिशत होगा इसे वित्त वर्ष 2025-26 तक घटाकर 4.4 प्रतिशत पर लाया जाएगा।

उन्होंने कहा, हमने कहा है कि दीर्घकालीन स्तर पर हम अपने कर्ज का प्रबंधन इस तरह से करेंगे कि ऋण-जीडीपी अनुपात लगातार कम हो। हम ठीक वैसे ही आगे बढ़ रहे हैं, जैसा कि एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में बताया गया है। कर्ज को नीचे लाया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने ऐसे कदम उठाये हैं, जो कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं द्वारा भी नहीं उठाए गए हैं।

उन्होंने कहा, मैं किसी भी विकसित देश के साथ अपने आकार की तुलना नहीं कर रही हूं। लेकिन सिद्धांत के तौर में, सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में कर्ज में कटौती करना, राजकोषीय घाटे को लक्ष्य के अनुरूप बनाए रखने पर काम किया जा रहा है। ▶10पर

दक्षिण अफ्रीका को हराकर भारतीय महिला अंडर-19 टीम बनी दूसरी बार विश्वकप चैंपियन

क्वालालंपुर, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

निकी प्रसाद की कप्तानी वाली भारत की महिला टीम दक्षिण अफ्रीका को अंडर-19 टी-20 विश्वकप में नौ विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार चैंपियन बनी है। जी तृषा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' के पुरस्कार से नवाजा गया।जी तृषा (तीन विकेट/नाबाद 44 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने आज दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से पराजित कर अंडर-19 टी-20 विश्वकप का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले वर्ष 2023 में शेफाली वर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम ने यह चैंपियनशिप जीती थी।

दक्षिण अफ्रीका के 82 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी जी कमालिनी और जी तृषा की भारतीय सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 36 रन जोड़े। पांचवें ओवर की तीसरी गेंद पर कायला रेनेके ने जी कमालिनी(आठ) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने सनिका चलके ने जी तृषा के शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए भारत को जीत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच 48 रनों की अवजित साझेदारी हुई। जी तृषा ने 33 गेंदों में आठ चौके लगाते हुए (नाबाद 44) रनों की पारी खेली। वहीं सनिका चलके ने 22 गेंदों में चार चौके लगाते हुए (नाबाद 26) रन बनाये। सनिका चलके ने 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर भारत के लिए विजयी चौका लगाया। भारत ने 12.2 ओवर में एक विकेट पर 84 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया। ▶10पर

दिल्ली में कांग्रेस ने बनाई 'ईगल' टीम

फ्री और फेयर चुनाव के लिए खड़गे ने इन नेताओं को दिया अहम टास्क

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए ईगल नाम की एक टीम का गठन किया है। ईगल का मतलब है नेताओं और विशेषज्ञों का सशक्त कार्य समूह (Empowered -ction Group of Leaders and Experts)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस टीम का गठन किया है। यह टीम चुनाव दर चुनाव नतीजों और मतदाता सूची का विश्लेषण कर पार्टी नेतृत्व को रिपोर्ट सौंपेगी।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी की इस अधिसूचना को जारी किया। इसमें उन्होंने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के संचालन की निगरानी के लिए तत्काल प्रभाव से नेताओं और विशेषज्ञों का एक सशक्त कार्य समूह (ईगल) गठित किया है, जिसमें आठ सदस्यों को शामिल किया गया है। ▶10पर

डोनाल्ड ट्रंप ने पेश की दोस्ती की मिसाल

नए टैरिफ सेट में नहीं लिया भारत का नाम

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के दोस्ती के चर्चे दुनिया भर में होते है। एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दोस्ती की मिसाल पेश की हैव जिसकी जमकर तारीफ हो रही है। ट्रंप ने नए टैरिफ सेट में भारत का नाम नहीं लिया। वहीं मैक्सिको और कनाडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ और चीन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। व्यापार घाटे का हवाला देते हुए ट्रंप ने टैरिफ लगाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया है कि चीन, मैक्सिको और कनाडा अमेरिकी व्यापार घाटे में सबसे ऊपर योगदानकर्ता हैं, जिसमें चीन 30.2 प्रतिशत, मैक्सिको 19 प्रतिशत और कनाडा 14 प्रतिशत है, जबकि भारत, जो केवल 3.2 प्रतिशत का योगदान देता है और नौवां सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। ट्रंप ने एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, कनाडा के साथ 200 बिलियन डॉलर का घाटा और मैक्सिको के साथ 250 बिलियन डॉलर का व्यापार घाटा है।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार उन्होंने कहा कि भारत की आयात शुल्क नीति समय के साथ आगे बढ़ी है, जिसने घरेलू उद्देश्यों को वैश्विक आर्थिक

एकीकरण की आवश्यकता के साथ प्रभावी रूप से संतुलित किया है।

उन्होंने ये भी बताया कि भारत ने यह सुनिश्चित किया है कि उसकी शुल्क नीतियां विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) के नियमों और विनियमों के अनुरूप हों। समय के साथ, भारत ने शुल्कों को और अधिक उचित बनाने और उलझे हुए शुल्क संरचनाओं को ठीक करने के कई प्रयास किए हैं। पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स की रिपोर्ट में 17 जनवरी को बताया गया कि अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए गए 10 प्रतिशत शुल्क और चीन की प्रतिक्रिया के कारण चार वर्षों में अमेरिका के जीडीपी में 55 बिलियन डॉलर की कमी आएगी, और चीन को 128 बिलियन डॉलर का नुकसान होगा।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अमेरिका में मुद्रास्फीति 20 आधार अंकों तक बढ़ सकती है, और चीन में यह 30 आधार अंकों तक बढ़ सकती है। चीन में मुद्रास्फीति का शुरुआती घटाव चीनी मुद्रा के अवमूल्यन को संभालने के लिए चीनी मौद्रिक नीति में किए गए अस्थायी बदलावों का परिणाम था। इसके अलावा, दिसंबर में नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की व्यापार नीतियों से भारत में आर्थिक वृद्धि हो सकती है, क्योंकि इससे वैश्विक व्यापार में बड़े बदलाव हो सकते हैं। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 84,140/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 95,330/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 21^0

दुनिया की सबसे मजबूत सेनाओं की लिस्ट में चौथे नंबर पर भारत

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

दुनियाभर के देशों की सैन्य शक्ति के आधार पर रैंकिंग तय करने वाली संस्था ग्लोबल फायरपावर ने नई लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में भारत चौथे नंबर पर है। जबकि, पाकिस्तान की स्थिति पहले की तुलना में काफी कमजोर हुई है। पाकिस्तान पिछले साल यानी 2024 में 9वें स्थान पर था, जो फिसलकर 12वें नंबर पर पहुंच गया है। इसके साथ ही पहले नंबर पर अमेरिका, दूसरे पर रूस और तीसरे नंबर पर चीन है।

ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं का मूल्यांकन 60 से ज्यादा मापदंडों के आधार पर करता है। इनमें सैन्य इकाइयां, वित्तीय स्थिति, लॉजिस्टिक क्षमता, भौगोलिक स्थिति और तकनीकी प्रगति शामिल हैं।

2025 की टॉप-10 सैन्य शक्तियां

✻ अमेरिका : अपनी अत्याधुनिक क्षमताओं, वित्तीय शक्ति और वैश्विक प्रभाव के कारण शीर्ष स्थान पर कायम है। अमेरिका का पावर इंडेक्स स्कोर- 0.0744 है।

✻ रूसः यूक्रेन से युद्ध के बावजूद रूस ने ईरान, उत्तर कोरिया और चीन के साथ रणनीतिक गठबंधन के कारण मजबूती बनाए रखी। रूस का पावर इंडेक्स स्कोर 0.0788 है।

भारत की सैन्य शक्ति पर एक नजर

थल सेना
- 14.5 लाख सक्रिय सैनिक और 11.5 लाख आरक्षित सैनिक
- 25 लाख से अधिक अर्धसैनिक बल
- प्रमुख हथियार : टी -90 भीष्म और अर्जुन टैंक, ब्रह्मोस मिसाइल, पिनाका रॉकेट सिस्टम और होवित्जर तोपें

वायु सेना
- 2,229 विमान। जिनमें 600 फाइटर जेट, 899 हेलीकॉप्टर और 831 सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं
- प्रमुख लड़ाकू विमान: राफेल, एसयू -30 एमकेआई, नेट्रा सर्विलांस प्लेन
- मिसाइल सिस्टम: रुद्रम, अस्त्र, निर्भय, ब्रह्मोस और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम

नौसेना
- 1,42,251 नौसैनिक
- प्रमुख रणनीतिक संपत्तियां: परमाणु पनडुब्बियां, आई.एन.एस. विक्रमादित्य और आई.एन.एस. विक्रांत विमानवाहक पोत
- बेड़ा: 150 युद्धपोत और पनडुब्बियां, 50 से ज्यादा नए जहाज निर्माणाधीन
- उन्नत टोही और पनडुब्बी रोधी विमान: PA8i, MHA60R हेलीकॉप्टर

✻ चीनः रक्षा और तकनीकी निवेश में भारी वृद्धि के चलते चीन टॉप थ्री में शामिल है। चीन का पावर इंडेक्स स्कोर 0.0788 है।

✻ भारतः उन्नत सैन्य उपकरणों, आधुनिक हथियारों और रणनीतिक स्थिति के कारण हमारी सैन्य ताकत में वृद्धि हुई है। भारत का पावर इंडेक्स स्कोर 0.1184 है।

✻ दक्षिण कोरियाः रक्षा क्षेत्र में बड़े निवेश और वैश्विक साझेदारियों से मजबूत स्थिति के चलते साउथ कोरिया टॉप-5 शामिल है। इस देश का पावर इंडेक्स स्कोर 0.1656 है।

✻ यूनाइटेड किंगडम का पावर इंडेक्स स्कोर 0.1785 है।

✻ फ्रांस का पावर इंडेक्स स्कोर 0.1878 है।

✻ जापान का पावर इंडेक्स स्कोर 0.1839 है।

✻ तुर्की का पावर इंडेक्स स्कोर 0.1902 है।

✻ इटली का पावर इंडेक्स स्कोर 0.2164 है।

पाकिस्तान 2024 में ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स में 9वें स्थान पर था जो 2025 में 12वें स्थान पर खिसक गया है।

ये गिरावट उसकी कमजोर सैन्य स्थिति और रक्षा आधुनिकीकरण में आ रही चुनौतियों को दर्शाती है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY

सुशीलधाम में उपधान तप पूर्णाहूति पर मोक्षमालारोपण समारोह संपन्न

सुराणा परिवार ने की चातुर्मास एवं उपधान की विनंती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पार्श्व सुशीलधाम में आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में 47 दिवसीय उपधान तप की पूर्णाहूति के अवसर पर रविवार को मोक्षमालारोपण समारोह में आराधकों को मोक्षमाला पहनाई गई। आचार्य ने कहा कि हालांकि उपधान का मुख्य उद्देश्य तो ज्ञान प्राप्ति हेतु आत्मा को योग्य बनाने का है फिर भी उपधान के दौरान अपनाई जाने वाली प्राकृतिक जीवनशैली पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि आधुनिक विज्ञान जिसे सिर्फ पर्यावरण या प्राकृतिक संसाधन के रूप में पहचानता है उन पृथ्वी, पानी, अग्नि, वायु और वनस्पति में निहित जीवन की मान्यता के आधार पर रचित भारतीय जीवनशैली में पर्यावरण सुरक्षा का कार्य सहज ही हो जाता है, जो अरबों रुपयों के सरकारी खर्च से भी संभव नहीं हो पाता। बचपन से ही पानी का इस्तेमाल घी की तरह करने की देहाती दादी द्वारा दी जाने वाली सीख आधुनिक पर्यावरण प्रेमियों द्वारा चलाए जाते जल संरक्षण अभियान के नारों से कई गुना ज्यादा असरकारक हुआ करती थी। उपधान की लाइफस्टाइल याने संपूर्णतया इकोफ्रेंडली लाइफस्टाइल। उपधान द्वारा भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच भीतर उतरने का अवसर प्राप्त होता है। उपधान श्रावक जीवन का कर्तव्य है और प्रत्येक साधक को इसका अवश्य आस्वाद लेना चाहिए। आर्य संस्कृति में योग्यता के आधार पर ज्ञानदान करने की उत्तम प्राचीन परंपरा की झलक उपधान में देखने को मिलती है जहां नमस्कार महामंत्र और शास्त्रज्ञान को गुरुमुख से प्राप्त करने की पूर्वभूमिका के रूप में आत्मा को तप, विनय और क्रिया के माध्यम से तैयार कर उसमें योग्यता प्रगट की जाती है। विनय द्वारा ही सच्चा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है, जो स्व-पर के लिए हितकारी होता है। अयोग्य व्यक्ति के हाथ में गया ज्ञान स्व-पर के लिए नुकसानकारी होता है। यहां गुरुभगवंतों के साथ रहने से अनुशासन, खुद का काम खुद करने के कारण स्वावलंबन, समूह में रहने से परिवार भावना, व्यस्त दिनचर्या से समयबद्धता, मोबाइल-सोशल मीडिया से दूर रहने से आंतरिक शांति, घर-परिवार से अलग रहने से आत्म निरीक्षण का अवसर, स्वेच्छा से समझपूर्वक आरामदायक जीवनशैली को छोड़ छोटे-छोटे कष्टों को अपनाने से सहिष्णुता आदि ढेर सारे गुणों का विकास होता है। इस अवसर पर तीर्थ निर्माता भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा परिवार द्वारा सुशीलधाम में वर्ष 2026 के समर वेकेशन उपधान एवं कुमारापार्क में स्वद्रव्य से निर्मित नूतन आराधना भवन में वर्ष 2026 के चातुर्मास की विनंती की गई, जिसके प्रत्युत्तर में आचार्यश्री ने अनेक संघों की विनंतियों के मद्देनजर अपने गच्छाधिपति श्री युगभूषणसूरीश्वरजी से दिशा-निर्देश मिलने पर निर्णय घोषित करने की बात कही। पहली मोक्षमाला 12 वर्षीय आराधक रेयांश सोनेगरा ने पहनी। गुरुपूजन का लाभ तारा देवी अशोक भुरट परिवार ने किया। मुंबई निवासी मुमुक्षु भव्य शाह का दीक्षा मुहूर्त 6 फरवरी को आचार्य युगभूषणसूरीश्वरजी की निश्रा में आयोजित 4 दीक्षाओं के अवसर पर प्रदान किए जाने की भी घोषणा की गई। जैन यूनिवर्सिटी के चेयरमैन चेनराज जैन ने आचार्यश्री की प्रेरणा स्वीकार कर प्रति वर्ष उपधान में शामिल होने वाले छात्रों को कॉलेज से सहर्ष अवकाश प्रदान करने की घोषणा की।

मानव तस्करी को रोकने और उसका मुकाबला करने को लेकर प्रशिक्षण आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के आरपीएफ और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) की मानव तस्करी विरोधी (एएचटी) इकाइयों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम, बेंगलूरु डिवीजन के रेलवे सुरक्षा बल द्वारा, बच्चों के अधिकारों के लिए समर्पित एक अग्रणी गैर-लाभकारी संगठन बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के समन्वय में आयोजित किया गया। बेंगलूरु, मैसूरु और हुब्बल्ली डिवीजनों के आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों ने कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ मानव तस्करी को रोकने और उसका मुकाबला करने के बारे में कौशल बढ़ाना और जागरूकता बढ़ाना था। आरएसपी सिंह, आईजी और प्रिंसिपल चीफ सिक्योरिटी कमिश्नर, एसडब्ल्यूआर ने मुख्य भाषण दिया। डॉ. श्रेयांस चिंचवड़े, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ, बेंगलूरु और पुरुषोत्तमन एम एल, पुलिस अधीक्षक, मानव तस्करी विरोधी इकाई, सीआईडी, बेंगलूरु ने प्रतिभागियों के साथ अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और विशेषज्ञता साझा की। प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व बीबीए/दिल्ली के विषय विशेषज्ञ बबन प्रकाश और कर्नाटक के बीबीए राज्य समन्वयक बीनू वर्गीस ने किया। मानव तस्करी से निपटने में उनके व्यापक अनुभव ने प्रतिभागियों को तस्करी किए गए बच्चों की पहचान करने, उन्हें बचाने और उनकी सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण कौशल प्रदान किए। दिन भर चले कार्यक्रम में इंटरैक्टिव प्रशिक्षण सत्र, आरपीएफ और जीआरपी की भूमिका पर एक व्याख्यान और एक प्रश्नोत्तर खंड शामिल था। आकर्षक माहौल ने प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से योगदान करने, अपने अनुभव साझा करने और मानव तस्करी से निपटने के लिए प्रभावी रणनीतियों पर चर्चा करने का अवसर दिया।

कांग्रेस सरकार मेंगलूरु में कुद्रेमुख संयंत्र को बंद करने की साजिश रच रही: एच डी कुमारस्वामी

उन्हें आलोचना करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार उनके खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध के कारण मेंगलूरु में कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड (केआईओसीएल) संयंत्र को बंद करने की साजिश कर रही है। रविवार को हासन जिले के चन्नारायपटना में मीडिया कर्मियों से बात करते हुए, जेडीएस नेता ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री बनने के बाद से, उन्होंने अपने मंत्रालयों के तहत सभी उद्योगों और संयंत्रों का व्यक्तिगत रूप से दौरा किया है। उन्होंने दावा किया, मेरे प्रस्तावों को मोदी ने अच्छी तरह से स्वीकार किया है, जिन्होंने हमेशा कर्नाटक के विकास का समर्थन किया है। हालांकि, कर्नाटक सरकार के एक भी अधिकारी या नेता ने राज्य की जरूरतों पर चर्चा करने के लिए मुझसे संपर्क नहीं किया है। जेडी(एस) नेता ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के तौर पर उन्होंने जिस पहली आधिकारिक फाइल पर हस्ताक्षर किए, वह केआईओसीएल की सुरक्षा के लिए थी। उन्होंने कहा सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 2011 में संदूर में देवदरी खनन परियोजना को मंजूरी दी थी। इसके क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए मैंने वित्त मंत्रालय से वित्तीय सहायता की सिफारिश की थी। हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने इसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया और जानबूझकर राजनीतिक दुश्मनी के चलते मेरे प्रयासों में बाधा डाली। कांग्रेस सरकार पर केआईओसीएल के मेंगलूरु प्लांट को बंद करने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहार देवदरी खनन परियोजना में राज्य सरकार की बाधा के कारण कुद्रेमुख प्लांट में सैकड़ों श्रमिकों की नौकरी चली गई। उनमें से कई ने मुझसे संपर्क कर अपनी परेशानी बताई। उन्होंने कहा इस प्रतिष्ठित प्लांट को बंद होने से बचाने के लिए कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी का राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) में विलय करने का फैसला किया गया है। जहां राज्य सरकार राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण उद्योगों का गला घोंटने में व्यस्त है, वहीं मोदी सरकार उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रही है। जब मैंने एचएमटी को पुनर्जीवित करने की पहल की, तो कांग्रेस सरकार ने एक बार फिर प्रगति को बाधित करने के लिए हस्तक्षेप किया। अब, वे वन विभाग के भूमि विवाद का बहाना बना रहे हैं। कांग्रेस सरकार को विकास में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्हें बस राजनीति से मतलब है। लोगों के लिए स्थिर आजीविका सुनिश्चित करने के बजाय, वे अल्पकालिक चुनावी लाभ के लिए दीर्घकालिक प्रगति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार ने कभी उनसे चर्चा के लिए संपर्क नहीं किया और अब वे झूठा दावा कर रहे हैं कि कर्नाटक को केंद्रीय बजट में नजरअंदाज किया गया है। बजट पेश होने के बाद शिकायत करने का क्या मतलब है? उनके पास प्रधानमंत्री के सामने प्रस्ताव पेश करने का साहस भी नहीं है। लोगों द्वारा मुझे दी गई ताकत से मैंने विजाग स्टील प्लांट का अस्तित्व सुनिश्चित किया। कुमारस्वामी ने कहा मैं इस प्रयास के लिए मोदी द्वारा दिए गए समर्थन को कभी नहीं भूलूंगा। भद्रावती स्टील प्लांट के पुनरुद्धार की योजना उन्होंने कहा जिस उत्साह के साथ मैंने विजाग स्टील के लिए लड़ाई लड़ी, उसी उत्साह के साथ मैं मैसूरु महाराजाओं और सर एम विश्वेश्वरैया द्वारा निर्मित भद्रावती आयरन एंड स्टील प्लांट के लिए भी लड़ूंगा। यह प्लांट बंद हो गया था, लेकिन मैंने इसे पुनर्जीवित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें कर्नाटक सरकार से समर्थन के बारे में निश्चित नहीं है। उन्होंने कहा जब मैंने हाल ही में झारखंड में बोखारो स्टील प्लांट का दौरा किया, तो मैंने देखा कि केंद्र सरकार इसके विस्तार के लिए 20,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। अन्य राज्यों के नेता, पार्टी संबद्धता के बावजूद, औद्योगिक विकास के लिए मिलकर काम करते हैं। लेकिन कर्नाटक में, जब कुमारस्वामी राज्य के उद्योगों के लिए लड़ते हैं, तो कांग्रेस को केवल जलन होती है। जेडी(एस) नेता ने कहा कांग्रेस ने दशकों तक देश पर राज किया। उन्होंने कर्नाटक के लिए क्या किया? उन्हें केंद्रीय बजट की आलोचना करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

निर्मला सीतारमण ने एक व्यापक बजट पेश किया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक व्यापक बजट पेश किया है जिसका उद्देश्य एक विकसित भारत के सपने को साकार करना है। इसमें सभी राज्यों की जरूरतों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा विशिष्ट जिलों या राज्यों के लिए योजनाओं की घोषणा करने के बजाय, बजट एक समग्र राष्ट्रीय दृष्टिकोण अपनाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि लाभ भारत के हर कोने तक पहुंचे। उन्होंने चुनौती दी, मार्च तक इंतजार करें जब कर्नाटक अपना बजट पेश करेगा। देखते हैं कि कितने जिले और तालुक वास्तव में उनसे धन प्राप्त करते हैं। कुमारस्वामी ने कहा मैं सिद्धरामैया के बयानों का अनुसरण कर रहा हूं। भारत को 1947 में स्वतंत्रता मिली। 1983 तक, कांग्रेस ने कर्नाटक और देश पर शासन किया। फिर भी, उन्होंने हरंगी, हेमावती और काबिनी जलाशयों के निर्माण के लिए एक भी रुपया नहीं दिया। उन्होंने सवाल किया 50 साल तक कांग्रेस ने देश की संपत्ति पर कब्जा किया, लेकिन इन सिंचाई परियोजनाओं को कुछ नहीं मिला। जब देवेगौड़ा प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने त्वरित सिंचाई योजना लागू की, जिसके तहत उत्तरी कर्नाटक की सिंचाई परियोजनाओं के लिए 15,000 करोड़ रुपये से 20,000 करोड़ रुपये दिए गए। कांग्रेस ने क्या दिया? उन्होंने कहा आज तमिलनाडु को केआरएस, हरंगी और काबिनी जलाशयों से पानी मिलता है, जो या तो मैसूरु महाराजाओं द्वारा बनाए गए थे या देवेगौड़ा के संघर्ष के कारण। कांग्रेस नेताओं को दूसरों पर सवाल उठाने से पहले अपनी विफलताओं पर विचार करना चाहिए।

मुमुक्षु अर्पित की दीक्षा निमित्त तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रवीण शाह परिवार के कुल दीपक मुमुक्षु अर्पित की दीक्षा आजीवन अखंड आयंबिल के तपस्वी रत्न आचार्य श्री हेमवल्लभ सूरीश्वर जी एवं साधु साध्वीजी भगवंतों की पावन निश्रा में संपन्न हुई। प्रथम दिन गिरनार यात्रा एवं स्नात्र पूजा हुआ। दुसरे दिन समुहता, कुमकुम पत्रिका लेखन, शक्रसस्तव अभिषेक, दीक्षा का कपड़ा रंगवा- छाब बेठु वर्षीदान, अंतिम वायणा और भव्य विदाई समारोह आयोजित हुई। तीसरे दिन साधु- साध्वी, श्रावक- श्राविकाओं समेत सकल संघ की उपस्थिति में मुमुक्षु अर्पित की दीक्षा संपन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन मौलिक एवं प्रतिक ने किया। संगीतकार पारस गड़ा ने संगीत सुरावली दी। उपकरणों का चढ़ावा बोला गया। नूतन मुनिराज का नामकरण हुआ। जिसमें अर्पित का नाम नूतन मुनिराज लक्ष वल्लभ विजय जी घोषित किया गया।

दिव्यांगों के आत्मनिर्भर जीवन निर्माण में निजी संगठनों की भूमिका अद्वितीय: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने

कहा कि दिव्यांगों को आत्मनिर्भर जीवन जीने में मदद करने में निजी संगठनों की भूमिका अद्वितीय है। शहर के जयनगर स्थित चंद्रसागर कल्याण मंडप में नारायण अंग एवं कैलीपर मापन एवं शल्य चिकित्सा के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए दिनेश गुंडू राव ने कहा कि सरकार ने दिव्यांगों के कल्याण के लिए कई कार्यक्रम लागू किए हैं और समाज में उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने दिव्यांगों को शारीरिक, सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक रूप से सशक्त बनाने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता की सराहना की।

अंग मापन शिविर में नारायण सेवा संस्थान के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दिव्यांगों का माप लिया। दिव्यांग न केवल राज्य से बल्कि दक्षिण भारत से भी आए थे। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, बल्लारी, विजयनगर, रायचूर, बीदर, बेलगावी, कोडागु, मैसूरु, मांड्या, कोलार, हासन, बेंगलूरु ग्रामीण, रामनगर, हावेरी, उडुपी, बागलकोट सहित दक्षिण भारत से 1050 दिव्यांग पहुंचे थे। नारायण सेवा संस्थान के ट्रस्टी और निदेशक देवेन्द्र चौबीसा ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान ने मुफ्त सर्जरी, अंग दान और 5,000 लोगों के लिए दैनिक भोजन सहित कई सार्वजनिक कार्यक्रम चलाए हैं।

बेंगलूरु स्पोर्ट्स क्लब नायनदहल्ली ने जीता आर एम एम वॉलीबॉल कप 2025

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पांच दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट में नायनदहल्ली ने यशवंतपुर तुलसी क्लब को हरा कर कप अपने नाम किया। इस मैच से पहले विजयनगर बॉयज ने महावीर वॉलीबॉल क्लब चिकपेट को हरा कर तृतीय स्थान हासिल की। रविवार को फाइनल मैच में दर्शकगण उत्साह के साथ मैच देखने पहुंचे।

मैच को रोमांचक बनाने के लिए मित्र मंडल के सदस्यों द्वारा बहुत शानदार व्यवस्था रखी गई। सर्वप्रथम राष्ट्रगान एवं कन्नड़ नाडे गीत से खेल का प्रारंभ हुआ। प्रायोजक परिवार से मदन लाल बोराणा ने मैच का शुभारंभ किया। समापन सत्र में सभी 12 टीमों को सम्मानित किया गया।

मंगलाचरण प्रकाश गांधी ने किया। महेंद्र टेबा ने सभी का स्वागत किया। संयोजक जयंती लाल बोहरा ने खेल आयोजन की रिपोर्ट रखी। मंत्री कैलाश बोहरा ने संस्था की जानकारी दी।

इस आयोजन में मैन ऑफ द मैच अनिल दक रहे। बेस्ट नेट प्लेयर यश सेठिया को मिला, मैन ऑफ द सीरीज मुकेश सिंह को मिला। बेस्ट सेंटर प्लेयर कैलाश बोराणा रहे, जबकि बेस्ट एनर्जीटिक प्लेयर मनोहर कोठारी को मिला। बेस्ट डिसिप्लीन प्लेयर महेंद्र कोठारी रहे। इस अवसर पर मदारिया ओसवाल साजनान संघ के मंत्री सुरेश गन्ना, मेवाड़ पैलेस से पुखराज मेहता, मारुति मेडिकल से महेंद्र मुणोत, तेरापंथ सभा बेंगलूरु के अध्यक्ष पारस मल भंसाली, मुख्य प्रायोजक मदन, कैलाश बोराणा का सम्मान मित्र मंडल द्वारा किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में विशेष कर सभी पदाधिकारी, कोर कमेटी टीम, भोजन समिती टीम, ग्राउंड व्यवस्था टीम, प्रचार प्रसार टीम, मीडिया टीम का विशेष योगदान रहा।

समापन समारोह में जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक प्रान्त के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, ट्रैफिक पुलिस आर सुरेश, जीतो नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया की उपस्थिति रही। इस टूर्नामेंट को सफल बनाने में सह कोषाध्यक्ष विनोद गांधी, राकेश मारू, सहमंत्री महावीर टेबा, निवर्तमान अध्यक्ष नेमीचंद दलाल, शांतिलाल मेहता, अशोक पितलिया, प्रेम चावत, सुरेश मांडोत, टूर्नामेंट सहसंयोजक मनीष देरासरिया, ग्राउंड समिति से हेमंत दलाल, रमेश मेहता, रमेश टेबा, भोजन समिति से कैलाश गांधी, तेजप्रकाश गांधी, मीडिया प्रभारी लाभेश कांसवा का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन उपाध्यक्ष राजेश चावत ने किया।

बसंत पंचमी पर हुआ सरस्वती पूजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण समाज के मुख्य आराध्य भगवान भास्कर के जे.पी. नगर स्थित सूर्यनारायण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने पर रविवार प्रातः मंदिर में विशेष अभिषेक एवं फूलों के श्रृंगार के साथ पूजा आयोजित किया गया। मंदिर शिखर पर प्रथम वार्षिक ध्वजारोहण लाभार्थी शर्मा परिवार के मुख्य सुनील शर्मा, नील, निखिल, युवराज, संतोष शर्मा एवं चंद्रा शर्मा द्वारा किया गया। वहीं बसंत पंचमी के अवसर पर मंदिर में सरस्वती पूजन हुआ। बच्चों ने मंत्रों व श्लोकों के साथ विभिन्न झांकियों की प्रस्तुति दी। महिला मंडल ने संतोष शर्मा एवं चंद्रा शर्मा के नेतृत्व में कई मनमोहक मंगलगीतों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर बाबूलाल पांचेटिया, महेंद्र शर्मा, गोविंद शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, रमेश शर्मा के.जी.एफ., हरीश शर्मा भद्रावती, वीरेंद्र शर्मा, भूपेश कश्यप, घनश्याम शर्मा, राजेश शर्मा, अरुण शर्मा, संदीप शर्मा, अविनाश शर्मा, सीपी शर्मा, अशोक शर्मा, सुरेश शर्मा, अनिल शर्मा, जयंतीलाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विभिन्न संप्रदायों के विरोध के बावजूद

विजयेंद्र राज्य भाजपा अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे!

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विभिन्न संप्रदायों के विरोध के बावजूद कर्नाटक में नई परंपरा शुरू करने के इच्छुक नहीं दिख रहे भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने मौजूदा अध्यक्ष बी.वाई.विजेंद्र को ही अध्यक्ष पद पर बनाए रखने का फैसला किया है। भाजपा के इतिहास में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए होड़ का उदाहरण पहले कभी नहीं रहा। इसलिए भाजपा ने इस परंपरा को न तोड़ने का फैसला किया है। भाजपा के अंदर विजयेंद्र के खिलाफ एक सक्षम नेतृत्व वाले उम्मीदवार को मैदान में उतारने पर चर्चा चल रही है। रमेश जारकीहोली और बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के गुट में इस मुद्दे को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई है। इस प्रकार, कर्नाटक में भाजपा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होने की संभावना दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है, और केंद्रीय नेतृत्व ने वर्तमान अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र को अगले तीन वर्षों तक पद पर बनाये रखने का निर्णय लिया है। कहा जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष के बदलाव के आह्वान को उनके वरिष्ठों ने रोक दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुनने पर सर्वसम्मति से सहमति जताने वाले भाजपा नेता मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र और तटस्थ गुट के बीच विवाद को सुलझाने के लिए उत्तरी क्षेत्र से किसी व्यक्ति को प्रदेश संगठन महामंत्री बनाने के पक्ष में हैं। यह लगभग तय है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति बिना चुनाव के ही होगी।

अन्यथा, इस बात की प्रबल संभावना है कि विजयेंद्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने रहेंगे। अब चूंकि नेता प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने के पक्ष में नहीं हैं, इसलिए सवाल यह उठ खड़ा हुआ है कि प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा। भाजपा के आंतरिक सूत्रों के अनुसार, विजयेंद्र के इस पद पर बने रहने की पूरी संभावना है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया इस महीने के अंत तक होगी। इसके भाग के रूप में चुनाव प्रक्रिया 50 प्रतिशत राज्यों में पूरी होनी चाहिए। कई राज्यों में जिला एवं प्रदेश अध्यक्षों की सूची प्रकाशित की जाएगी। इसकी आधिकारिक घोषणा फरवरी के अंतिम सप्ताह में की जाएगी, और यह बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और उनकी टीम के लिए झटका साबित हो सकता है, जो विजयेंद्र को हटाने के लिए दबाव बना रहे थे। नलिन कुमार कटील के बाद पूर्व सीएम येदियुरप्पा के बेटे बी.वाई.विजयेन्द्र को नवंबर 2023 में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस पद का कार्यकाल तीन वर्ष का है। विजयेंद्र को यह पद देने से भाजपा में गुटबाजी, आरोप-प्रत्यारोप को बढ़ावा मिला। कुछ ऐसे घटनाक्रम हुए जो पार्टी के लिए शर्मनाक थे।

शिकारीपुरा से विजयी विधायक विजयेंद्र के लिए प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी बहुत बड़ी बात थी। यह सोचने के बावजूद कि वह चुनौती का सामना करेंगे और अपनी जिम्मेदारी पूरी करेंगे, विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने खुले तौर पर विजयेंद्र की पदोन्नति का विरोध किया और उन्हें अंतरिम अध्यक्ष कहा। भाजपा के संगठनात्मक चुनाव इस महीने के अंत तक संपन्न होने वाले हैं। कई जिलों के अध्यक्ष पहले ही चुने जा चुके हैं। शेष जिलों के लिए भी जल्द ही घोषणा होने की संभावना है। पार्टी को अगले विधानसभा चुनावों में निर्णायक जनादेश के साथ सत्ता में लौटना चाहिए। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय आलाकमान ने कर्नाटक में भाजपा के संगठनात्मक चुनावों का प्रभारी नियुक्त किया है। विजयेंद्र द्वारा यह विश्वास व्यक्त किए जाने के कुछ ही समय बाद कि वह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने रहेंगे और सत्ता में बने रहेंगे, नेताओं ने चुनाव पर रोक लगाने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। गुटबाजी से बंटे प्रदेश भाजपा में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुआ है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुनाव की पृष्ठभूमि में बी.वाई. विजयेंद्र और बसनगौड़ा पाटिल यतनाल गुटों के बीच तीव्र प्रतिद्वंद्विता रही है। राज्य भाजपा पद के चुनाव के लिए यतनाल गुट से एक मजबूत उम्मीदवार खड़ा करने के लिए व्यापक तैयारी की गई थी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र को बदलने की मांग कर रहे यतनाल गुट ने चुनाव की मांग की है। इसने यह भी घोषणा की कि वह अपने गुट से एक उम्मीदवार मैदान में उतारेगा। प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र के खिलाफ जंग का ऐलान कर चुके यतनाल गुट ने अभी तक अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है। उन्होंने कहा कि विद्रोही टीम एक अन्य नेता रमेश जारकीहोली के साथ चर्चा करेगी और फिर उम्मीदवार की घोषणा करेगी। लेकिन अभी तक उनके नाम का कोई सुराग नहीं मिला है। यतनाल गुट में विधायक रमेश जारकीहोली, पूर्व विधायक अरविंद लिंबावली, पूर्व विधायक कुमार बंगारप्पा, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा, पूर्व केंद्रीय मंत्री जी एम सिद्धेश्वर, पूर्व सांसद अन्नासाहेब जोले, पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा, विधायक आर चंद्रप्पा, बीपी हरीश, पूर्व विधायक चंद्र नायक शामिल हैं।

अप्रत्यक्ष समर्थन प्राप्त

इसके अलावा यतनाल टीम को कुछ भाजपा विधायकों और पूर्व विधायकों का भी अप्रत्यक्ष समर्थन प्राप्त है। ऐसे में यह बड़ी उत्सुकता का विषय था कि यतनाल टीम प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए किसे अपना उम्मीदवार घोषित करेगी। प्रदेश भाजपा में अध्यक्ष पद के लिए हर तीन साल में चुनाव होते हैं। लेकिन अंततः हाईकमान निर्विरोध अध्यक्ष का चुनाव करेगा। यहां भ्रम की कोई गुंजाइश नहीं है। लेकिन इस बार कमल के दो गुटों के बीच की लड़ाई से यह उत्सुकता बढ़ गई है कि इससे किस तरह के हालात बनेंगे। अगर यतनाल प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार उतारते हैं तो विजयेंद्र गुट ने चुनौती दी है कि हम भी मुकाबला करने को तैयार हैं। पूर्व विधायक एमपी रेणुकाचार्य ने बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को चुनौती दी थी कि अगर उनमें ताकत है तो वे चुनाव लड़ें।

मौसम परिवर्तन से सर्दियों में तीव्र गर्मी का अनुभव

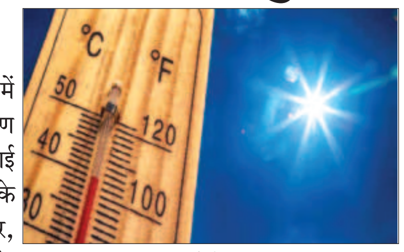

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मौसम की स्थिति में उतार-चढ़ाव के कारण तटीय क्षेत्र में गर्मी बढ़ गई है, यहाँ तक कि सर्दियों के दौरान भी। आमतौर पर, जनवरी के अंत और फरवरी में तटीय इलाकों में ठंड का मौसम रहता है। हालाँकि, हाल के दिनों में, मेंगलूरु, उडुपी और आसपास के जिलों में दोपहर के समय अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहा है। इस साल, सर्दी शुरू से ही कम रही। चीन और रूस से ठंडी हवाएँ आमतौर पर दिसंबर की शुरुआत में सर्दी शुरू होने के बाद तटीय क्षेत्र में पहुँचती हैं। हालाँकि, इस बार ठंडी हवाएँ देरी से आईं। इसके अलावा, तटीय क्षेत्र में बेमौसम मानसून की बारिश ने सर्दियों के पैटर्न को प्रभावित किया। मानसून अवधि के दौरान वर्षा के स्तर में महत्वपूर्ण बदलाव ने भी सर्दियों की तीव्रता को प्रभावित किया। हालाँकि, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में सामान्य मानसून की बारिश हुई। आदर्श रूप से, इससे ठंड की तीव्रता बढ़नी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तटीय क्षेत्र में अत्यधिक ठंड का अनुभव करने के लिए, उत्तर-पूर्वी हवाओं को ठंडी हवाएँ लानी चाहिए। हालाँकि, बादल छाए रहने से यह प्रक्रिया बाधित हुई है। हाल के सप्ताहों में, पूर्वी एशिया से बादलों की आवाजाही में वृद्धि ने विकिरण के पलायन में बाधा उत्पन्न की है, जिससे वायुमंडलीय तापमान में वृद्धि हुई है और गर्मी में योगदान मिला है। मौसम संबंधी विसंगतियों के परिणामस्वरूप अप्रत्याशित परिस्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। बादलों की आवाजाही बढ़ने के कारण सर्दी में खलल पड़ा है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, वर्तमान पूर्वानुमानों के अनुसार, आने वाले दिनों में ठंडी हवाएँ वापस आ सकती हैं, जिससे सर्दी की तीव्रता बढ़ सकती है।

मौसम में उतार-चढ़ाव संक्रामक रोगों के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बना रहा है। बैक्टीरिया और वायरल के बढ़ते प्रसार से प्रतिरक्षा कमजोर होती है, जिससे स्वास्थ्य जोखिम बढ़ता है। डॉक्टरों ने पिछले कुछ दिनों में सर्दी, खांसी, बुखार, गले में संक्रमण, सांस लेने में कठिनाई, नाक बंद होना, सीने में जकड़न, शुष्क त्वचा, एलर्जी और अस्थमा जैसी बीमारियों में वृद्धि की सूचना दी है।

माइक्रो फाइनेंस एक्ट को अमान्य न किया जाए इसके लिए सावधानियां बरती जा रही: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा ऋण वसूली में अपनाई जाने वाली अवैध प्रथाओं को रोकने के लिए बनाए जा रहे कानून को अदालतों द्वारा अमान्य नहीं किया जाए, यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न अध्ययन किए जा रहे हैं। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमने पहले ही कैबिनेट की बैठक में इस पर चर्चा कर ली है और मुख्यमंत्री को अधिकार दे दिए हैं। पहले से तैयार किए गए मसौदा विधेयक में कुछ संशोधन किए गए हैं। कुछ और हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि वे अदालत जाने और इसके कार्यान्वयन में बाधा डालने के खिलाफ चेतावनी दे रहे हैं। अध्यादेश को मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम सहित अन्य मौजूदा विधेयकों को मिलाकर अंतिम रूप देने को कहा गया।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिकारी शीघ्र ही सभी चर्चाएं पूरी कर लेंगे और राज्यपाल को भेज देंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा मुझे पूरा विश्वास है कि मैं दिल्ली आऊंगा। लेकिन आलाकमान कोई बैठक या राजनीति पर चर्चा करने नहीं जा रहा है। चूंकि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष यहीं से हैं, इसलिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव उनसे मिलने यहां आते हैं। उन्होंने कहा कि उनके साथ अपनी समस्याओं पर चर्चा करने के अवसर हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता

आर. अशोक के इस बयान पर कि सिद्धरामैया नवंबर के बाद मुख्यमंत्री नहीं होंगे, परमेश्वर ने कहा मुझे नहीं पता कि उन्होंने ज्योतिष करना कब शुरू कर दिया। हम सभी ने सोचा है कि सिद्धरामैया 5 साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

उन्होंने कहा कि जब उनका चयन हुआ तो कोई समय निर्धारित नहीं किया गया था। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में मतदान के बाद सिद्धरामैया को विधायकों द्वारा कांग्रेस विधायक दल का नेता घोषित किया गया है। आलाकमान ने अपने विवेक के आधार पर मुख्यमंत्री का चयन किया था। उस समय उन्होंने यह नहीं कहा था कि सिद्धरामैया ढाई साल तक सत्ता में रहेंगे और उसके बाद वे अलग तरह से सोचेंगे। इसलिए मुझे विश्वास है कि सिद्धरामैया पद पर बने रहेंगे। हालांकि हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि हाईकमान क्या निर्णय लेता है। केंद्र सरकार ने कर्नाटक को भारी निराशा पहुंचाई है। किसी बड़ी परियोजना की घोषणा नहीं की गई है। केंद्र के समक्ष कई प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये। गरीबों के लिए बनाए गए आश्रय गृहों को अधिक धनराशि दी जानी चाहिए, तथा समाज कल्याण विभाग को अधिक धनराशि दी जानी चाहिए। आईआईएम और आईआईटी की बहुत मांग थी। स्वयं निर्मला सीतारमण ने भद्रा के ऊपरी तटों पर सिंचाई परियोजनाओं के लिए 5,300 करोड़ रुपये की घोषणा की थी। इसके लिए धनराशि जारी नहीं की गई है, न ही अभी तक कोई प्रस्ताव बनाया गया है। किसी राष्ट्रीय योजना का उल्लेख नहीं किया गया है। मेकेदातु और महादयी को लेकर एक याचिका प्रस्तुत की गई थी। बेंगलूरु के विकास के लिए भी धनराशि का अनुरोध किया गया। केंद्र सरकार ने कुछ भी विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने राज्य को एक ट्रॉफी दी है।

नक्सली कार्यकर्ता लक्ष्मी ने डीसी एसपी के समक्ष किया आत्मसमर्पण

उचित पैकेज की सिफारिश की मांग

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कुंडापुर के थोम्बट्टू की रहने वाली और उडुपी की मूल निवासी नक्सली थोम्बट्टू लक्ष्मी ने रविवार को उडुपी जिला आयुक्त डॉ. विद्याकुमारी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। कई वर्षों से नक्सली गतिविधियों में शामिल रही लक्ष्मी पर अमासेबेल और शंकरनारायण पुलिस थानों में तीन मामले दर्ज हैं। सरेंडर प्रक्रिया का संचालन जिला आयुक्त डॉ. विद्याकुमारी और जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के. ने किया।

सरेंडर प्रक्रिया के बाद मीडिया से बात करते हुए जिला आयुक्त डॉ. विद्याकुमारी ने कहा राज्य सरकार के सरेंडर पैकेज को लागू किया जाएगा। तीन सरेंडर पैकेज हैं, ए, बी और सी। पुलिस द्वारा गहन जांच के बाद हम राज्य सरकार को उचित पैकेज की सिफारिश करेंगे। पैकेज चरणों में प्रदान किया जाएगा। उसे स्वरोजगार और पुनर्वास के अवसर दिए जाएंगे। हम सरकार से उसकी मांगों को पूरा करने की भी सिफारिश करेंगे। मीडिया को संबोधित करते हुए थोम्बट्टू लक्ष्मी ने कहा बात करने का यह सही समय नहीं है। मैंने टेलीविजन पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की आत्मसमर्पण नीति और इसके द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों को देखने के बाद स्वेच्छा से आत्मसमर्पण किया। मेरे पैतृक स्थान पर सड़क, अस्पताल, पानी और अन्य आवश्यक सुविधाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ये मेरी मांगें हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण

के ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा उसकी मेडिकल जांच की जाएगी और उसे अदालत में पेश किया जाएगा। उस पर तीन मामले चल रहे हैं, एक फायरिंग केस, एक पैम्फलेट वितरण केस और 2007-2008 का एक बेदारिक केस। वह एक वांछित आरोपी थी, लेकिन कर्नाटक में केवल इन तीन मामलों का सामना कर रही है।

कानूनी प्रक्रियाओं और परीक्षणों का पालन किया जाएगा। नक्सल पुनर्वास के लिए राज्य समिति के सदस्य श्रीपाल ने आत्मसमर्पण प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के आत्मसमर्पण पैकेज की प्रभावशीलता और नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने के लिए उनके खुले निमंत्रण के कारण, उन्होंने राज्य समिति से संपर्क किया। चूंकि वह कर्नाटक में तीन मामलों का सामना कर रही थी, इसलिए वह स्वेच्छा से कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से उन्हें हल करने के लिए सहमत हो गई। उसके अनुरोध के आधार पर, प्रक्रिया शुरू की गई और उसने आत्मसमर्पण कर दिया। थोम्बट्टू लक्ष्मी अपने पति और दो बच्चों के साथ आंध्र प्रदेश में फरार थी। वह कुंडापुर तालुक के अमासेबेल पुलिस स्टेशन में दर्ज तीन मामलों का सामना कर रही थी। उसके साथ उसका भाई विठ्ठल पुजारी, परिवार के अन्य सदस्य और नक्सल पुनर्वास के सदस्य श्रीपाल भी थे। इससे पहले एक बड़ी घटना में, माओवादी कटेहोंडा रवि ने कर्नाटक में अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस घटना पर खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा आखिरी भूमिगत नक्सली कटेहोंडा रवि (यूजी नक्सली) ने चिकमंगलूर जिले में श्रृंगेरी से चार किलोमीटर दूर नेम्मार फॉरेस्ट आईबी में आत्मसमर्पण कर दिया है। अधिकारी रवि को आत्मसमर्पण प्रक्रिया पूरी करने के लिए चिकमंगलूर ले जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन नक्सल सरेंडर अब पूरा हो गया है। सिद्धरामैया ने राज्य को नक्सल मुक्त बनाने के लिए अथक प्रयास करने वाले 22 पुलिस अधिकारियों और जवानों की टीम को मुख्यमंत्री पदक देने की घोषणा की है।

कुछ माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया

8 जनवरी को जब कुछ माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया तो सिद्धरामैया ने उन्हें बेंगलूरु में गुलाब के फूल और संविधान की प्रतियां भेंट कर मुख्यधारा में शामिल होने का स्वागत किया। इससे पहले, छह माओवादियों के हथियार डालने के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने कर्नाटक को वामपंथी उग्रवाद मुक्त राज्य घोषित कर दिया था। श्रृंगेरी के मुंडागरू से मुंडागरू लता, कलासा के बालेहोल से वनजाक्षी, मेंगलूरु के पास कुटलूर से सुंदरी, रायचूर से मरप्पा जयन्ना अरोली, तमिलनाडु से वसंता टी. उर्फ रमेश और केरल से एन. जीशा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मौजूदगी में आत्मसमर्पण किया। माओवादियों के आत्मसमर्पण के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा कर्नाटक में नक्सलवाद को खत्म करने और उनकी मांगों को पूरा करने के लिए, हम कानूनी ढांचे के भीतर सभी आवश्यक उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीएम सिद्धरामैया ने रेखांकित किया, सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से न्याय प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र या संविधान में कोई जगह नहीं है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई.विजेंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के समक्ष माओवादियों के आत्मसमर्पण को सरासर नाटक करार दिया था।

मंत्री पद पर दबाव बनाने या ब्लैकमेल करने के लिए नहीं दिया इस्तीफा: पाटिल

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधायक बी.आर. पाटिल ने रविवार को कहा कि उन्होंने पागलों की तरह इस्तीफा नहीं दिया, बल्कि उन्होंने मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार पद इसलिए छोड़ा क्योंकि वहां समस्याएं थीं और निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुछ भी नहीं किया जा रहा था। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने मंत्री पद पर दबाव बनाने या ब्लैकमेल करने के लिए इस्तीफा नहीं दिया है। मैं ऐसी निम्नस्तरीय राजनीति नहीं करता। विधायक बनना एक वरदान है। उन्होंने कहा कि यह अवसर बहुत कम लोगों को मिलता है। गारंटी के कारण इस क्षेत्र को आवश्यक वित्तपोषण नहीं मिल रहा है। यह सिर्फ मेरी समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिकांश विधायक इसी प्रकार की स्थिति में हैं। मैंने पहले ही राजनीतिक सलाहकार के पद से इस्तीफा देने पर विचार कर लिया था। लेकिन मैं इस बात के प्रति सावधान था कि कहीं ऐसा न लगे कि मैं अयोग्यता के डर से भाग रहा हूं। राज्यपाल ने विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस प्रकार, लाभ के पद पर आसीन होने के आरोप के कारण अयोग्य ठहराए जाने का कोई डर नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि वह इस पद पर कुछ नहीं कर सकते थे। उनमें कोई नाराजगी नहीं है। बी.आर. पाटिल द्वारा यह कहे जाने के तुरंत बाद कि अनावश्यक खबरें बनाई जा रही हैं,

उन्होंने विस्तार से बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री से क्या कहना है। शनिवार को मैसूरु में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बी.आर. पाटिल को बुलाएंगे और उनसे बात करेंगे। जिसके बाद पाटिल ने कहा मैं इंतजार करूंगा। यह सच है कि उन्होंने पहले विधानसभा में कहा था कि यदि उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई गई तो वे इस्तीफा दे देंगे। मैं खुले तौर पर मुद्दों पर चर्चा करके ब्लैकमेल नहीं होना चाहता। मैं मुख्यमंत्री से चर्चा करूंगा। उन्होंने कहा कि वह अपना इस्तीफा वापस नहीं लेंगे। अगर मुख्यमंत्री बुलाएंगे तो मैं जाऊंगा और बातचीत करूंगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मुझे इस पद पर नियुक्त किया क्योंकि मैं उनका मित्र हूं। प्रशासन और राजनीति में उनका अनुभव मुझसे अधिक है। उन्होंने कहा कि उन्हें मेरी सलाह की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार ने बजट में राज्य सरकार के किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने बजट इसलिए पेश किया क्योंकि उन्हें कुछ पेश करना था। पाटिल एक अनुभवी राजनेता हैं, जो कई बार विभिन्न राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करते हुए कलबुर्गी जिले के अलंद निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गए हैं। उन्होंने 1983 में जनता पार्टी के टिकट पर, 2004 में जेडी(एस) उम्मीदवार के रूप में, 2013 में कर्नाटक जनता पार्टी के बैनर तले और 2023 में कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की। इसके अलावा, उन्होंने 1988 से 1994 तक एमएलसी के रूप में कार्य किया और 1991 से 1994 तक विधान परिषद के उपाध्यक्ष का पद संभाला। उनके जाने से एक बार फिर कर्नाटक राज्य में कांग्रेस के भीतर आंतरिक सत्ता की गतिशीलता उजागर हुई है। जब पार्टी 2023 में सत्ता में आई, तो शुरुआती अटकलें थीं कि पाटिल को मंत्री पद दिया जाएगा। हालांकि, जब प्रियांक खड़गे और शरण प्रकाश पाटिल को कैबिनेट पद आवंटित किए गए, तो पाटिल को बाहर कर दिया गया और इसके बजाय दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया। हाल ही में एक कार्यक्रम में, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पार्टी के अध्यक्ष पद के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में महात्मा गांधी की एक प्रतिमा का अनावरण किया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, कर्नाटक के सीएम, डीके शिवकुमार और पार्टी के अन्य नेता इसी कार्यक्रम के लिए बेलगावी में एकत्र हुए थे।

बेंगलूरु अधिवक्ता संघ में आरक्षण की अपील खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शनिवार को बेंगलूरु अधिवक्ता संघ (एएबी) की गवर्निंग काउंसिल में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की अपील करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया।

न्यायमूर्ति आर. देवदास ने अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग अधिवक्ता फाउंडेशन, कर्नाटक एससी/एसटी, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक अधिवक्ता संघ द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया और याचिकाकर्ताओं को अपना मामला सुप्रीम कोर्ट में ले जाने की सलाह दी। याचिकाकर्ताओं ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला देते हुए एएबी की गवर्निंग काउंसिल में जाति-आधारित आरक्षण का अनुरोध किया था, जिसमें गवर्निंग काउंसिल में महिलाओं के लिए 30 फीसदी आरक्षण अनिवार्य किया गया था।

हालांकि, हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट का निर्देश संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत जारी किया गया था, जो उसे पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक आदेश पारित करने की विशेष शक्तियां प्रदान करता है। चूंकि एएबी के उपनियमों में वर्तमान में जाति-आधारित आरक्षण शामिल नहीं है, इसलिए न्यायालय ने कहा कि वह इस तरह का निर्देश देने के लिए अनुच्छेद 226 के तहत अपने अधिकार का प्रयोग नहीं कर सकता।

हालांकि, अदालत ने याचिकाकर्ताओं की इस चिंता को स्वीकार किया कि एएबी में कभी भी एससी/एसटी या ओबीसी पदाधिकारी नहीं रहा है। अदालत ने इस तर्क पर भी ध्यान दिया कि एएबी ने पहले ही महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किया है, इसलिए उसे हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए भी ऐसे उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि एएबी में बार के सदस्य शामिल हैं और इसे राज्य से धन प्राप्त होता है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क किया था कि जब एसोसिएशन ने महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किया, तो इसने सभी सांविधानिक रूप से अनिवार्य आरक्षणों को लागू करने का द्वार खोल दिया, चाहे वे जाति-आधारित हों या लिंग आधारित। हालांकि, हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने के एएबी के निर्णय पर टिप्पणी करने से परहेज किया। अदालत ने कहा कि यदि याचिकाकर्ताओं को लगता है कि वे समान लाभों के हकदार हैं, तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए।

आगामी मई-जून में बीबीएमपी चुनाव की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कहा जा रहा है कि इस साल मई या जून में बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका के चुनाव होने की संभावना है। महाराष्ट्र सरकार ने घोषणा की है कि वह बृहद मुंबई नगर निगम समेत सभी नगर निगमों के चुनाव कराएगी और इस महीने के अंत तक सुप्रीम कोर्ट अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटे पर फैसला सुना सकता है। इस संदर्भ में कहा जा रहा है कि लंबे समय से लंबित बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के चुनाव कराने का दबाव बढ़ेगा। सूत्रों के अनुसार पता चला है कि राज्य सरकार स्कूल और कॉलेज की परीक्षाओं के बाद अप्रैल में चुनाव कराने की अधिसूचना जारी करेगी। सिद्धरामैया के मंत्रिमंडल में वरिष्ठ

मंत्री और विधायक आर. रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि सरकार ग्रेटर बेंगलूरु परियोजना के लिए तैयारी कर रही है और विधानसभा में विधेयक पेश किए जाने के बाद बीबीएमपी के चुनावों की भी घोषणा की जाएगी। कार्यक्रम में बोलते हुए ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष रिजवान अरशद ने कहा कि फरवरी में सार्वजनिक परामर्श आयोजित किया जाएगा और इसके अंत तक विधेयक पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि बीबीएमपी चुनाव कराने के लिए वित्तीय योजना बनाई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन करना है और सरकार इसमें और देरी नहीं कर सकती। इसलिए चुनाव मार्च या अप्रैल में कराने होंगे। हालांकि, स्कूल और कॉलेज के छात्रों की परीक्षाएं भी एक समस्या होंगी, क्योंकि वे एक ही समय पर आ रही हैं। इसलिए चुनाव मई या जून में कराए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि सरकार इस संबंध में कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। अप्रैल के अंत तक चुनाव कराने की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। सूत्रों ने बताया कि इस तिथि से 45 दिनों के भीतर चुनाव करा लिए जाएंगे।

दरगाह ध्वस्तीकरण के बाद बेलगावी के उल्लागड्डी खानपुर गांव में तनाव

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के उल्लागड्डी खानपुर में शनिवार रात को अधिकारियों द्वारा दरगाह ध्वस्त करने के दौरान भारी भीड़ जमा होने के कारण कुछ घंटों तक तनाव बना रहा। पुणे-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग को चौड़ा करने का काम करने वाले अधिकारियों ने सैयद गुलाब शाह वली दरगाह को ध्वस्त कर दिया, जो कथित तौर पर अतिक्रमण की गई जमीन पर बनाई गई थी। कार्य स्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई और संरचना को ध्वस्त करने का विरोध किया।

हालांकि, पुलिस सुरक्षा के साथ काम पूरा किया गया। समुदाय के नेता सैयद सलीम शाह, सैयद अहमद, यूसुफ पटेल, अजमल शेख और अन्य ने विध्वंस की आलोचना की।

सैयद अहमद ने कहा कि किसी भी अधिकारी ने कथित अतिक्रमण के खिलाफ दरगाह समिति को कोई नोटिस जारी नहीं किया था।

हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि उचित प्रक्रिया का पालन किया गया था।

राज्य सरकार स्वास्थ्य पेशेवरों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्धः सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा अधिकारियों के समुदाय सहित स्वास्थ्य पेशेवरों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, जो समुदाय, विशेष रूप से गरीबों के स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं। मैसूरु में कर्नाटक राज्य सामुदायिक स्वास्थ्य अनुबंध श्रमिकों (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) संघ के राज्य स्तरीय सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार लोगों और समाज के पक्ष में है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक मजबूत उत्पादक राज्य के निर्माण के लिए लोगों का स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है।

जीवनशैली और जैविक खाद्य उत्पादों की कमी के कारण लोगों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। पुरानी बीमारियों के लिए दवाइयों का आविष्कार होने के बावजूद नई बीमारियां सामने आ रही हैं। समुदाय के स्वास्थ्य की रक्षा करना, उन्हें अधिक उत्पादक बनाना और एक मजबूत समुदाय का निर्माण करना सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की चुनौती और जिम्मेदारी है। उन्हें बीमारियों की रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा करनी चाहिए, क्योंकि रोकथाम इलाज से बेहतर है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी और वे स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव के साथ बोनस देने, उनके वेतन में वृद्धि, प्रोत्साहन, एकमुश्त अंतर जिला स्थानांतरण की अनुमति देने के बारे में चर्चा करेंगे। स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत काम कर रहे सीएचओ और नर्सों सहित अनुबंध कर्मचारियों की नौकरियों को नियमित करने के प्रयासों के बारे में भी चर्चा की जाएगी। इस बीच, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा सरकार की प्राथमिकता रही है क्योंकि राज्य का विकास लोगों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा ग्रामीण और गरीब लोगों के लिए अपनी स्वास्थ्य देखभाल के लिए निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना मुश्किल है। इसलिए, राज्य सरकार 1 मार्च तक राज्य भर में लोगों के घर-घर तक दवाएं सहित स्वास्थ्य देखभाल पहुंचाने के लिए गृह भाग्य कार्यक्रम लागू करेगी। इसमें सीएचओ की प्रमुख भूमिका है। मंत्री दिनेश गुंडू राव ने मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद मांगों को पूरा करने का आश्वासन भी दिया।

पत्नी की हत्या के लिए व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के 46वें सिटी सिविल एंड सेशन कोर्ट ने एक व्यक्ति को अपनी पत्नी की 28 बार चाकू घोंपकर हत्या करने के जुर्म में सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सन्ना उर्फ कुमार को 2018 में कोनानाकुंटे पुलिस स्टेशन में दर्ज एक हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। वह अपनी पत्नी गीता (33) के साथ जेपी नगर 8वें क्रॉस पर रहता था और सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करता था। पत्नी के किसी और से संबंध होने के शक में 1 अक्टूबर, 2018 को सुबह करीब 6.45 बजे उसने रसोई का चाकू लिया और पत्नी के पेट और शरीर के अन्य हिस्सों पर 28 बार चाकू घोंप दिया। इसके बाद उसने अपनी कलाई काटकर खुदकुशी करने की कोशिश की। जज मोइनुद्दीन ने उसे आरआई की सजा सुनाई और 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा, उसे आत्महत्या के प्रयास के लिए छह महीने की जेल और 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

माइक्रोफाइनांस उत्पीड़न से बचने के लिए ऑनलाइन प्रणाली अनिवार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा और विधि मंत्री एच.के. पाटिल ने शनिवार शाम को सूक्ष्म वित्त कंपनियों द्वारा कर्जदारों को परेशान करने से रोकने के लिए लागू किए जाने वाले प्रस्तावित अध्यादेश पर चर्चा की और अधिकारियों को कई मुद्दों को कानूनी दायरे में लाने के निर्देश दिए। ऋण के लिए आवेदन करने और ऋण वितरित करने की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होनी चाहिए। गरीबों की क्षमता से अधिक ऋण देने की प्रथा को रोकने के लिए ऑनलाइन पोर्टल बनाया जाना चाहिए और किसको कितना ऋण दिया गया है, इसकी जानकारी दी जानी चाहिए। बैठक में यह नियम लागू करने का निर्णय लिया गया कि ऋण पर ली जाने वाली ब्याज दर पारदर्शी और रिजर्व बैंक की नीति के अनुरूप होनी चाहिए। सूक्ष्म वित्त कंपनियों का राज्य में पंजीकरण होना अनिवार्य है। सरकार किसी भी स्थिति में इस पंजीकरण को खारिज कर सकती है। सूक्ष्म वित्त कंपनियों के मामलों की जांच के लिए प्रत्येक जिले में एक अतिरिक्त जिला कलेक्टर और एक उप मंडल अधिकारी से मिलकर लोकपाल नियुक्त किया जाना चाहिए। ये कंपनियां ऋण के नाम पर गरीब लोगों से कोई भी सामान या संपत्ति गिरवी नहीं रखेंगी। यह शर्त भी लगाने का निर्णय लिया गया है कि ऋण नहीं चुकाने वालों को बिचौलियों के माध्यम से परेशान नहीं किया जाएगा।

सभी समुदाय पार्टी नेतृत्व में होंगे एकत्रितः मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने कहा हम पार्टी के नेतृत्व में अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और उन्नत समूहों सहित सभी समुदायों को शामिल करते हुए एक सम्मेलन आयोजित करेंगे। शनिवार शाम को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा सम्मेलन की रूपरेखा अभी तय नहीं हुई है। लेकिन, चुनाव आने वाले हैं। क्या हमें इसके लिए तैयार नहीं होना चाहिए? एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा यह जरूरी नहीं कि सतीश

जारकीहोली का सम्मेलन हो। एससी और एसटी सभी मौजूद रहेंगे। जब सम्मेलन की बात आती है, तो पार्टी और सरकार भी मौजूद रहेगी। हासन में आयोजित सम्मेलन की तरह ही सम्मेलन आयोजित करने की योजना है। उन्होंने कहा विधान परिषद की चार सीटों के लिए उम्मीदवारों के रूप में उपयुक्त लोगों का चयन किया जाना चाहिए। उच्च सदन में जाने वालों को बुद्धिमान होना चाहिए। हम वरिष्ठ नेताओं के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए 10 फरवरी तक दिल्ली जाएंगे। राजन्ना ने यह भी कहा कि आलाकमान केपीसीसी के लिए नए अध्यक्ष के चयन सहित सभी मामलों का ध्यान रखेगा।

माइक्रो फाइनेंस कंपनी के अधिकारियों या एजेंटों के कथित उत्पीड़न से घबराएं नहींः पुलिस

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तर कन्नड़ पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे माइक्रो फाइनेंस कंपनी के अधिकारियों या एजेंटों द्वारा कथित उत्पीड़न से घबराएं नहीं। पुलिस अधीक्षक एम. नारायण ने एक विज्ञप्ति में कहा कि जिला पुलिस जिले के लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि माइक्रो-फाइनेंस कंपनियों द्वारा उत्पीड़न के डर से अपने गांव छोड़ने वाले परिवारों को फिर से बसाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी सभी पुलिस थानों की सीमाओं में माइक्रो-फाइनेंस अधिकारियों और एजेंटों की बैठकें कर रहे हैं और उन्हें ऋण वसूली के लिए बल प्रयोग के खिलाफ चेतावनी दे रहे हैं।

बेलगावी के बीआईएम्स अस्पताल में एक और गर्भवती महिला की मौत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी स्थित बीआईएम्स अस्पताल में एक और गर्भवती महिला की मौत हो गई।

मृतका की पहचान बेलगावी तालुक के करदीगुड्डी गांव की निवासी गंगव्वा गोदाकुंडरी (31) के रूप में हुई है।

गंगव्वा को 28 जनवरी को बीआईएम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था और 30 जनवरी की रात को उसने एक बच्चे को जन्म दिया। 31 जनवरी को डॉक्टरों ने उसके परिवार को बताया कि उसका रक्तचाप बहुत कम है और उसकी हालत गंभीर है। इसके कुछ समय बाद ही गंगव्वा की मौत हो गई। उसके परिवार ने अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है और दावा किया है कि उचित उपचार से उसकी मौत टाली जा सकती थी। गंगव्वा के भाई शंकरप्पा ने आरोप लगाया अगर डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर होने पर उसका ठीक से इलाज किया होता, तो मेरी बहन बच जाती। उसकी मौत के लिए डॉक्टर ही जिम्मेदार हैं। यह घटना बेलगावी के एपीएमसी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई। जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, पिछले साल बेलगावी जिले में 29 गर्भवती महिलाओं और 322 शिशुओं की मृत्यु हुई। इन मौतों के लिए समय पर चिकित्सा देखभाल की कमी, अत्यधिक रक्तस्राव और कथित चिकित्सा लापरवाही जैसे कारकों को जिम्मेदार ठहराया गया।

जानबूझकर चलती कार के सामने आया शख्स

डैशकैम के कारण खुली फर्जी दुर्घटना की पोल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड इलाके से एक चौंकाने वाला डैशकैम वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक व्यक्ति फर्जी दुर्घटना को अंजाम देते हुए दिख रहा है। फुटेज में देखा जा सकता है कि व्यक्ति जानबूझ कर चलती गाड़ी के सामने आता है। इसके बाद वह चोट लगने का नाटक करता है, ताकि गाड़ी चालक से मुआवजा वसूला जा सके। इस घटना के तुरंत बाद दो बाइकसवार घटनास्थल पर आते हैं और इस मनगढ़ंत हादसे का गवाह बनने का प्रयास करते हैं। हालांकि, डैशकैम पूरी घटना को कैद कर लेता है, जिससे उस व्यक्ति के नाटक का खुलासा हो सके। इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस घटना का वीडियो पोस्ट किया गया। कैप्शन में लिखा गया, ''पुलिस को ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। प्रत्येक कार मालिक के पास एक डैशकैम होना चाहिए। इस घटना से बेंगलूरु में व्यापक आक्रोश और चिंता फैल गई। सोशल मीडिया यूजर्स इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। कुछ यूजर्स ने फर्जी घटनाओं से बचने के लिए वाहनों में डैशकैम लगाने पर जोर दिया। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद कई यूजरों ने प्रतिक्रिया दी। एक ने कहा पुलिस को बुलाओ, उन्हें सजा मिलनी चाहिए। एक अन्य यूजर ने कहा घोटाले दिन पर दिन खूनी होते जा रहे हैं। डैशकैम के बिना रात में ड्राइविंग करना मुश्किल है। एक तीसरे यूजर ने कहा यही कारण है कि बेंगलूरु गलत दिशा में जा रहा है। यहां तक कि स्थानीय पुलिस और ऑटो-रिक्शा चालक भी इन घोटालों में शामिल हैं। यह एक दुखद वास्तविकता है। पिछले साल एक ऐसी घटना में एक महिला को चलती कार के सामने गिरने का नाटक करते हुए डैशकैम में कैद किया गया था। वीडियो में देखा गया था कि महिला को देखने के बाद कार चालक ने अपनी गति धीमी कर ली थी। लेकिन महिला कार के सामने आकर हमला करने लगी।

विश्व वेटलैंड डे पर गोंडा में आर्द्रभूमि के संरक्षण पर कार्यक्रम

आय बढ़ाने में भी वेटलैंड्स की अहम भूमिका : सीएम योगी

प्रतियोगिताओं की विजेता बालिकाओं का सम्मान किया गया

गोंडा/लखनऊ, 02 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भूजल संरक्षण, सिंचाई-पेयजल की उपलब्धता, बाढ़ व सूखे पर नियंत्रण, कार्बन भंडारण व जलीय पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भर वनस्पतियों, वन्य प्राणियों, प्रवासी व स्थानीय पक्षियों के संरक्षण के साथ-साथ भोजन, औषधि, आजीविका, आय के संसाधन उपलब्ध कराने में वेटलैंड्स की बड़ी भूमिका है। जलीय पारिस्थितिकी ही नहीं, बल्कि जीव-जंतु की पारिस्थितिकी भी वेटलैंड्स पर निर्भर करती है। यह प्रकृति के मूल स्वरूप की तरफ ध्यान आकर्षित करने का माध्यम भी बनती है। पार्वती और अरगा प्राकृतिक झील प्रकृति के मूल स्वरूप की तरफ हमारा ध्यान आकर्षित करते हैं। यह भारत के उस विरासत का प्रतीक है, जो सरयू नदी के कारण सैकड़ों वर्ष पहले प्राकृतिक झील बना। इसका स्वरूप आज भी उसी रूप में है। यहां प्रवासी व स्थानीय पक्षी बैठे हैं। हजारों किमी. की दूरी तय कर वे हर बार यहां आते हैं। गर्मी बढ़ने पर अपने देश जाने लग जाएंगे। यह अपने साथ वहां की परिस्थितियों से भी हमें अवगत कराने को प्रेरित करती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व वेटलैंड्स डे पर रविवार को गोंडा के पार्वती अरगा पक्षी विहार में हम सभी के भविष्य के लिए आर्द्रभूमियों का संरक्षण विषयक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सीएम ने विभिन्न पुस्तकों का विमोचन, प्रदर्शनी का अवलोकन और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। सीएम ने कहा कि पर्यटन अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का माध्यम है। ईको, हैरिटेज, स्प्रिचुअल टूरिज्म रोजगार सृजन का भी बड़ा माध्यम बनता है। यहां से 20 किमी. दूर अयोध्या में 2016 में महज 2.35 लाख पर्यटक आए थे। हमारी सरकार ने वहां कनेक्टिविटी ठीक की, थोड़ी सुविधाएं बढ़ाईं तो 2024 में 16. 11 करोड़ लोग यहां आए। इससे रोजगार में काफी वृद्धि हुई। गाइड, रेस्तरां, टैक्सी, होटल, होम स्टे, टेंट सिटी, फूल-पत्ती, व्यवसाय आदि के जरिए भी लोगों का रोजगार बढ़ा।

सीएम ने कहा कि धरती हमारी माता है। पुत्र के रूप में मां का संरक्षण व सुरक्षा करना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि अक्सर ऐसी साइट अतिक्रमण की चपेट में आती है। बेरतरतीब निर्माण होता है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। अनेक वेटलैंड इसके दुष्परिणाम भुगत रहे हैं। इससे जीव-जंतुओं की प्रजातियां भी नष्ट होती हैं। इसी को ध्यान में रखकर रामसर अंतरराष्ट्रीय वेटलैंड कन्वेंशन (यह ईरान के अंदर है) में 1971 में तय हुआ था कि दुनिया को बचाना है तो इस पर ध्यान देना होगा। सीएम ने कहा कि आजादी के बाद मात्र 23 रामसर साइट्स तैयार हुए थे। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में 10 वर्ष में इसे बढ़ाकर 89 तक पहुंचाने में सफलता हासिल की गई। यूपी में भी इस साइट्स के संरक्षण के निरंतर प्रयास करने पड़ेंगे।

सीएम ने कहा कि पार्वती अरगा वेटलैंड्स में आसपास के गांवों को जोड़ने और महिला स्वयंसेवी समूह को प्रोत्साहित करते हुए अमेजन के साथ मिलकर उनके उत्पादों को ऑनलाइन बिक्री हो सके, इसके लिए स्थानीय प्रशासन ने प्रयास प्रारंभ कर दिया है। अभी तक उत्पाद अच्छा बनता था, लेकिन मार्केटिंग व पैकेजिंग समस्याएं थीं। अब अच्छी पैकेजिंग हो रही हैं, मार्केटिंग के लिए ऐसी संस्थाएं भी आ रही हैं। सीएम ने कहा कि महिला स्वयंसेवी समूह आत्मनिर्भरता की दिशा में बहुत बड़ा काम कर सकती है।

सीएम ने कहा कि पांच-सात साल पहले तक किसी आयोजन पर लोग चीन के प्रोडक्ट का गिफ्ट देते थे, लेकिन आज उपहार स्वरूप ओडीओपी का उत्पाद दिया जाता है। इससे लोकल मार्केट सुदृढ़ होता है। ढेर सारे लोगों को रोजगार का अवसर मिलता है। महिला स्वयंसेवी समूह के माध्यम से भी बढ़ने वाले कार्य भी आत्मनिर्भरता की तरफ अग्रसर करेंगे। ग्राम पंचायत व प्रत्येक परिवार को आत्मनिर्भर बनाना पड़ेगा। आत्मनिर्भरता का लक्ष्य यदि इस माध्यम से बढ़ा लेंगे तो तीन से चार वर्ष में यूपी की इकॉनमी को एक ट्रिलियन डॉलर की बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में हम सफल होंगे।

सीएम ने कहा कि टिकरी जंगल को ओपन सफारी के रूप में विकसित करने से यह मंडल व अवध क्षेत्र को ईको टूरिज्म के बहुत बड़े केंद्र के रूप में विकसित कर देगा। कनेक्टिविटी की जिम्मेदारी यूपी सरकार लेगी। पार्वती व अरगा वेटलैंड्स को सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना के साथ जोड़ने के लिए भी सरकार कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि आज से 8 वर्ष पहले हुए सर्वे में गोंडा देश का सबसे गंदा जनपद था, लेकिन आज गोंडा की रैंकिंग अच्छी आती है। आज यहां मेडिकल कॉलेज बन गया है। 100 वर्षों से जिन वनटांगिया को अधिकार नहीं मिला था, उन्हें आज अधिकार भी प्राप्त हुआ और सम्मानित जीवन भी व्यतीत कर रहे हैं।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने 2070 में नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाने को कहा है। जब हम प्रदूषण पैदा करने वाले तत्वों को रोकेंगे तो कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम होगा। पहले लकड़ी, फिर केरोसिन पर भोजन बनता था। दुष्परिणाम के कारण इसमें सुधार किया गया और देश के 10 करोड़ से अधिक परिवारों को रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। सीएम ने कहा कि यूपी सरकार के नेतृत्व में हुए प्रयास से यूपी का ग्रीन कवर बढ़ा है। आठ वर्ष में 210 करोड़ पौधरोपण किया गया। इसमें 70 फीसदी पौधे सुरक्षित हैं।

कहीं-कहीं अच्छे जंगल भी बन चुके हैं। अच्छा फॉरेस्ट कवर भी हुआ है। गोरखपुर में जटायु संरक्षण केंद्र भी बनाया गया है। सीएम ने विश्वास जताया कि वनाच्छादन की वृद्धि में नए प्रयास निरंतर आगे बढ़ेंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री व गोंडा के सांसद कीर्तिवर्धन सिंह, यूपी के कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान, वन-पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, वन राज्यमंत्री केपी मलिक, विधायक रमापति शास्त्री, अजय कुमार सिंह, प्रेम नारायण पांडेय, बावन सिंह, प्रभात वर्मा, विनय द्विवेदी, प्रतीक भूषण सिंह, विधान परिषद सदस्य अवधेश सिंह मंजू, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र, प्रमुख सचिव (वन-पर्यावरण) अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

सीएम ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित भी किया। पुरस्कार स्वरूप तीन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सीएम व केंद्रीय मंत्री ने पुरस्कृत किया। तीनों प्रतियोगिताओं की विजेता बालिकाएं ही रहीं। तीनों चित्रकला प्रतियोगिता में श्रद्धा मौर्या (कक्षा-8) विजयी रहीं। इन्हें तीन हजार रुपए, स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। क्विज की विजेता अदिति लांगोरी (कक्षा-9) को तीन हजार रुपए, स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र दिया गया। नुक्कड़ नाटक की विजेता अर्चिता सिंह (कक्षा-12) 20 हजार रुपए, स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

संजय राउत कांग्रेस में शामिल होने के लिए कर रहे बातचीत : नितेश राणे

मुंबई, 02 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने दावा किया कि शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत कांग्रेस में शामिल होने के लिए दिल्ली में एक नेता से बातचीत कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राणे ने कहा कि राउत का राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के पास उन्हें एक और कार्यकाल के लिए जीत दिलाने को लेकर पर्याप्त विधायक नहीं हैं। महाराष्ट्र में पिछले साल नवंबर में हुए चुनावों में 288 सदस्यीय विधानसभा में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने 20 सीट पर जीत हासिल की थी।

राणे ने संवाददाताओं से कहा, राउत को सामना'(उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी का मुखपत्र) में लिखना चाहिए कि वह शिवसेना (उबाठा) में कितने समय तक टिके रहेंगे। उन्हें उस नेता के बारे में लिखना चाहिए, जिनसे वह दिल्ली में कांग्रेस में शामिल होने के लिए बातचीत कर रहे हैं। उन्हें इस मुद्दे पर भी बयान देना चाहिए। बार-बार प्रयास करने के बावजूद राउत से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका।

राणे की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब राउत ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री तथा शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के बीच मतभेद से राज्य में शासन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। राउत ने शिवसेना (उबाठा) के मुखपत्र 'सामना' में अपने साप्ताहिक स्तंभ 'रोखठोक' में दावा किया कि शिंदे अभी तक इस तथ्य को स्वीकार नहीं कर पाए हैं कि नवंबर 2024 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद पुन: नहीं दिया गया और वह इस पद को फिर से हासिल करने की बेहद कोशिश कर रहे हैं और फडणवीस इससे अच्छी तरह से वाकिफ हैं। शिव-सेना (उबाठा) और कांग्रेस सहयोगी हैं।

कश्मीर में कमजोर पड़ता जा रहा आतंकवाद

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 02 फरवरी।

जम्मू कश्मीर में जनवरी 2025 में सिर्फ तीन मौतें दर्ज की गई हैं, जो पिछले दो दशकों में एक साल की दूसरी सबसे शांतिपूर्ण शुरुआत है। इस महीने दो अलग-अलग घटनाओं में एक सैनिक और दो आतंकवादियों सहित तीन लोगों की मौत हुई।

पहली घटना 20 जनवरी को हुई, जब बारामुला जिले के सोपोर के जालोरा गुज्जरपति वन क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में पंगाला कार्तिक नामक सेना का एक जवान शहीद हो गया। इसी तरह 30 जनवरी को सेना के जवानों ने पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप दो आतंकवादी मारे गए। जनवरी 2025 के आंकड़े 2024 के समान हैं, जब एक आतंकवादी और दो सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। फर्क सिर्फ इतना है कि इस साल दो घुसपैठिए (आतंकवादी) मारे गए, जबकि पिछले साल दो सैनिक मारे गए थे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2001 में जम्मू-कश्मीर में 203 मौतें दर्ज की गईं, जिनमें 64 नागरिक, 41 सुरक्षाकर्मी और 98 आतंकवादी शामिल थे।

अगले वर्ष, यह संख्या बढ़कर 288 हो गई, जिससे यह हाल के इतिहास में सबसे घातक जनवरी में से एक बन गई। इसके विपरीत, जनवरी 2000 में शून्य हत्याएं दर्ज की गईं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 के दशक के मध्य में, आतंकवाद विरोधी अभियान तेज होने और सुरक्षा ग्रिड मजबूत होने के कारण संख्या में गिरावट शुरू हो गई। वर्ष 2010 तक, जनवरी में कुल हत्याएं घटकर 24 हो गईं।

आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में, आंकड़े अपेक्षाकृत कम रहे हैं, जो तीन से 26 के बीच उतार-चढ़ाव करते रहे हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि समन्वित प्रयासों के माध्यम से आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को व्यवस्थित रूप से नष्ट कर दिया गया है, इसके भौतिक बुनियादी ढांचे और अमूर्त सम्पत्तियों दोनों को निशाना बनाया गया है। इसके अलावा, पुलिस ने क्षेत्र में आतंकवाद को रोकने के लिए कई अन्य उपाय किए हैं।

आतंकवाद से जुड़े 72 सरकारी कर्मचारियों को अनुच्छेद 311 के तहत बर्खास्त कर दिया गया है। और 10 गैरकानूनी संगठनों और 13 गुटों को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित किया गया है और अब तक 22 व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित किया गया है।

अधिकारी बताते हैं कि वर्तमान में पाकिस्तान या पीओके में जम्मू-कश्मीर के 4,569 मूल निवासियों में से 641 व्यक्तियों की पहचान आतंकवाद में सक्रिय रूप से शामिल होने के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि ये कार्रवाई आतंकी नेटवर्क को कमजोर करने और जम्मू-कश्मीर में दीर्घकालिक शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

2024 में अब तक की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादी गिरोहों में स्थानीय भर्ती पिछले पांच वर्षों के औसत 113 के मुकाबले 08 के निचले स्तर पर आ गई है।

उन्होंने बताया कि आतंकवाद के कारण मारे गए नागरिकों की कुल संख्या भी पिछले पांच वर्षों के औसत 34 के मुकाबले घटकर 16 हो गई है। पिछले पांच वर्षों के औसत 50 के मुकाबले शहीद हुए सुरक्षा बल के जवानों की संख्या घटकर 34 हो गई है। अधिकारी ने बताया कि आतंकवादी-अलगाववादी नेटवर्क द्वारा आयोजित और बुलाई गई पत्थरबाजी और हड़ताल शून्य है।

फिर सुर्खियों में कोलकाता का आरजी कर मेडिकल कॉलेज, एक और छात्रा की मौत

कोलकाता, 02 फरवरी (एजेंसियां)। कोलकाता का आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल एक बार फिर से सुर्खियों में है। इस बार सरकारी मेडिकल कॉलेज की एक छात्रा पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के कमरहाटी स्थित अपने कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई है। उसका नाम आइवी प्रसाद (20) था, जो कि एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। उसका शव क्वार्टर में अपने कमरे में मिला है।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार रात आइवी प्रसारद ईएसआई क्वार्टर में स्थित अपने कमरे में अकेली थी। उसके पिता विद्यासागर प्रसाद एक बैंक में काम करते हैं। वो मुंबई में तैनात हैं। उसकी मां सुमित्रा प्रसाद कमरहाटी स्थित ईएसआई अस्पताल में डॉक्टर हैं। वो अपनी मां के साथ ही क्वार्टर में रहती थी। घटना वाली रात वो अपने कमरे में अकेली थी। उसकी मां दूसरे कमरे में थी।

मृतक छात्रा की मां को लगा कि उसकी बेटी अपने कमरे में पढ़ रही है। इसलिए उन्होंने उसे परेशान नहीं किया। लेकिन काफी देर तक जब वो अपने कमरे से नहीं निकली, तो मां को चिंता हुई। उन्होंने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। आखिरकार पड़ोसियों की मदद से उन्होंने कमरे का दरवाजा तोड़ा, तो देखा कि बेटी छत से लगे फांसी के फंदे से लटकी हुई है।

लोगों ने छात्रा को तुरंत ईएसआई अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के परिवार की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई। लेकिन कमरहाटी थाने में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर शव को सुगोर दत्ता कॉलेज ऑफ मेडिसिन एंड हॉस्पिटल भेज दिया गया। अभी पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट अभी आनी बाकी है।

मृतक छात्रा के माता-पिता ने भी अपनी बेटी की अप्राकृतिक मौत के बारे में कुछ नहीं कहा है। उन्होंने मीडिया के सामने हाथ जोड़कर इस संबंध में कुछ भी कहने से मना कर दिया। आधिकारिक तौर पर कमरहाटी पुलिस या बैरकपुर पुलिस आयुक्तालय ने इस मामले पर कुछ नहीं कहा है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि छात्रा किसी बीमारी से पीड़ित थी, जिसके कारण वो डिप्रेसन में रहती थी।

बताते चलें कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज की एक ट्रेनी डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। उसका शव अस्पताल के सेमीनार हॉल में मिला था। इस मामले में कोलकाता पुलिस के सिविक वालंटियर संजय रॉय को गिरफ्तार किया गया था। उसे पिछले महीने सियालदह कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने कलकत्ता हाई कोर्ट में अपील की है।

नासिक-सूरत हाईवे पर भीषण सड़क हादसा,सात की मौत, 15 घायल

मुंबई, 02 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नासिक-सूरत हाईवे पर सापूताड़ा घाट पर रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई जबकि 15 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। हादसे का शिकार हुए सभी यात्री मध्य प्रदेश के हैं।

हादसा इतनी भीषण था कि बस के गिरते ही उसके परखच्चे उड़ गए। करीब 50 श्रद्धालुओं से भरी लग्जरी प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में गिर गई।

घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं से भरी यह बस कुंभ से आ रही थी और गुजरात के धार्मिक स्थलों के दर्शन करने जा रही थी। इस बीच सापुतारा के मालेगांव घाट के पास यह हादसा हुआ।

सुबह करीब 5:30 बजे नासिक-सूरत हाईवे पर सापुतारा घाट के पास प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे के तुरंत बाद वहां चीख-पुकार मच गई। आस-पास के लोगों ने जब बस हादसा देखा तो तुरंत घायलों की मदद के लिए पहुंचे। पुलिस को भी सूचना दी गई। हादसे का शिकार हुए सभी यात्री मध्य प्रदेश के हैं। वे कुंभ मेले के बाद नासिक के त्रयंबकेश्वर मंदिर गए थे। इसके बाद गुजरात देव दर्शन के लिए जा रहे थे।

कश्मीर के मैदानी इलाकों में बारिश गुलमर्ग, पहलगाम में हल्की बर्फबारी

श्रीनगर, 02 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है जबकि गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटन स्थलों सहित कुछ ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर और घाटी के अन्य हिस्सों में शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात को रुक-रुक कर हल्की बारिश हुई। जम्मू के कुछ हिस्सों में भी रात भर हल्की बारिश हुई।

मौसम विभाग श्रीनगर ने बताया कि इस दौरान उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले के स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में 5.1 सेमी , पहलगाम में 2.8 सेमी और कुपवाड़ा में 2.5 सेमी बर्फबारी हुई। दक्षिण कश्मीर में पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला सहित कश्मीर घाटी के कुछ ऊंचे इलाकों में भी हल्की बर्फबारी हुई।

मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया है कि अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी, गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना के साथ आमतौर पर बादल छाए रहेंगे।

विभाग ने कहा 'तीन फरवरी की शाम से अलग-अलग स्थानों पर हल्की बर्फबारी और बारिश की संभावना है जबकि चार फरवरी को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है।'

विभाग ने कहा पांच फरवरी को सुबह या दोपहर के समय छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश एवं बर्फबारी का एक और दौर भी होने का अनुमान है। गुलमर्ग को छोड़कर बर्फबारी के बाद अधिकांश मौसम केंद्रों पर रात का तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया।

विभाग के अनुसार शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि में श्रीनगर में दर्ज न्यूनतम तापमान में सुधार हुआ और यह पिछली रात के 0.8 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 2.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया और इस अवधि के दौरान यह औसत से 3.1 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा।

उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले में गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में तापमान में कुछ डिग्री की गिरावट आई और यहां न्यूनतम तापमान माइनस 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि पिछले साल यह माइनस 7.4 डिग्री सेल्सियस था।

यह इस समय मैदानी इलाकों की घाटी के औसत तापमान से 0.2 डिग्री सेल्सियस कम था।

मौसम विभाग ने कहा कि पहलगाम के पर्यटक रिसॉर्ट में भी बर्फबारी के बाद गिरावट देखी गई और रविवार को यहां तापमान माइनस 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि यहां तापमान माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस था जबकि कोकरनाग में तापमान शून्य से नीचे था जबकि पिछली रात यह माइनस 0.8 डिग्री सेल्सियस था।

महाकुंभ तक पहुंचा संतों और विद्वतजनों का अभियान

महाकुंभ में गूंजा एक राष्ट्र का एक नाम भारत

प्रयागराज, 02 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ के मेला क्षेत्र में अनेक बैनर लगे हैं जिनमें लिखा गया है भारत नाम अपनाएं इंडिया नाम हटाएं, भारत के नक्शे के साथ लिखा है, मुझको इंडिया मत कहना, मैं भारत हूं। बैनरों में भारत तथा इंडिया नाम के अर्थ के साथ-साथ भारत नाम की प्राचीनता और गौरव के संबंध में जानकारी दी गई है। इस कारण यह मामला महाकुंभ में चर्चा का विषय बना हुआ है।

देश से आयातित नाम इंडिया हटाने को लेकर महाकुंभ में शनिवार एक फरवरी को आयोजित संगोष्ठी में शिक्षा संस्कृति उत्पन्न न्यास के राष्ट्रीय सचिव कोठारी ने कहा, जब राष्ट्र एक है तो राष्ट्र का नाम भी एक ही होना चाहिए। नाम का कभी अनुवाद नहीं होता तो भारत का अंग्रेजी में इंडिया क्यों होना चाहिए? शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, जनता की आवाज फाउंडेशन तथा वैश्विक हिंदी सम्मेलन के संयुक्त तत्वाधान में महाकुंभ में एक राष्ट्र, एक नाम भारत विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि पद पर विराजित दक्षिण के सुप्रसिद्ध संत श्री एम गुरु ने कहा कि हमारे देश का नाम केवल भारत होना चाहिए इसमें प्रकार की शंका नहीं होनी चाहिए और उसके लिए हमें प्रयास करना चाहिए। विशिष्ट अतिथियों में स्वामी आनंद स्वरूप सरस्वती ने भी भारत नाम की पैरवी करते हुई इस आंदोलन को सशक्त करने की बात कही। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान प्रयागराज की निदेशक प्रोफेसर मुकुल सुतावणे ने कहा कि उनके संस्थान भी इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित करके भेजेगा कि सभी प्रौद्योगिकी संस्थानों में इंडिया के बजाय भारत का ही प्रयोग किया जाए।

वैश्विक हिंदी सम्मेलन के निदेशक डॉ. मोतीलाल गुप्ता आदित्य ने अपने बीज वक्तव्य के अंतर्गत भारत नाम के इतिहास और इसके लिए समय-समय पर संसद और विधानसभा आदि में उठने वाली आवाजों का विवरण दिया।

जनता की आवाज फाउंडेशन के अध्यक्ष सुंदरलाल बोथरा ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि सभी औद्योगिक और व्यावसायिक संगठन मेड इन इंडिया के बजाय वेडिंग भारत का प्रयोग करें। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि तथा उद्योगपति तथा जैन इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन (जिओ)के अध्यक्ष घेवरचंद बोहरा ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि जिओ के सदस्य ने केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्यात किए जाने वाले सामान में अंग्रेजी में भी भारत नाम का ही प्रयोग करें। शिक्षा संस्कृति उद्यान विनोद ने भारत नाम के संबंध में संकल्प पत्र प्रस्तुत किया।

मध्य प्रदेश में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर तथा विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा सभी परियोजनाओं के लिए इंडिया केवल स्थान पर भारत का प्रयोग करने की घोषणा की चलते उनके लिए अभिनंदन पत्र प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम में साध्वी समदर्शी गिरी, कानबिहारी अग्रवाल, राजू ठक्कर तथा रितेश पोरवाल ने भी अपने विचार रखे।

पिछले अनेक वर्षों से यह मांग की जाती रही है कि औपनिवेशिक पराधीनता के प्रतीक इंडिया नाम को हटाया जाए और केवल भारत नाम को अपनाया जाए। इसके लिए देश के विभिन्न भागों में विभिन्न संस्थाओं द्वारा निरंतर जन- जागरण अभियान भी चलाया जाता रहा है। इसी अभियान के तहत महाकुंभ में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा ज्ञान महाकुंभ के अंतर्गत एक राष्ट्र, एक नाम: भारत विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में भारत विषय पर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के अतिरिक्त इस विषय पर कार्य कर रही संस्थाएं, जनता की आवाज फाउंडेशन, वैश्विक हिंदी सम्मेलन तथा हिंदी साहित्य भारती भी जुड़ी हैं। जन जागरण की दृष्टि से इस विषय पर जहां एक और अनेक बैनर लगाए गए हैं और पत्रक वितरित किए जा रहे हैं साथ ही में राष्ट्रपति जी को ज्ञापन दिए जाने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी आयोजित किया गया है।

संगोष्ठी के संयोजक डॉ. मोतीलाल गुप्ता आदित्य ने बताया कि इस वैश्विक संगोष्ठी में देश के विभिन्न भागों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संगोष्ठी में साधु संतों के अतिरिक्त, विधि, भाषा, राजनीति तथा उद्योग क्षेत्र के वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

वेद, वेदांग और गुरुग्रंथ साहिब की वाणी की त्रिवेणी है श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल

देशभर में 32 शाखाएं, अखाड़े में पालन होती है पंच-ककार की परंपरा

महाकुंभ नगर, 02 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ में सनातन धर्म के ध्वज वाहक अखाड़ा सेक्टर में निरंतर रौनक दिख रही है। श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल में वेद वेदांग और गुरुवाणी का अद्भुत संगम है। निर्मल पंथ से इसे शास्त्रों, वेद और वेदांगो की शिक्षाओं के अध्ययन का मार्ग मिला तो वहीं 1682 में खालसा पंथ की स्थापना से असहायों की पीड़ा हरने और शत्रु को सबक सिखाने के लिए शस्त्र की दीक्षा की राह मिली। इस तरह इस अखाड़े में शास्त्र और शस्त्र दोनों को स्थान मिला, जो इसके संगठन, संरचना, व्यवस्था और परंपराओं में भी प्रतिध्वनित होता है।

सनातन धर्म के 13 अखाड़ों में वैभव और प्रदर्शन की झलक मिलती है। इनके मध्य श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल अपनी सहजता, समता और सेवा भाव के लिए अलग पहचान दर्ज कराता है। इस पंथ में इनके दस गुरुओं ने अपने शिष्यों को सेवा और भक्ति का जो संदेश दिया, उसे संकलित कर तैयार ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब (वेद का दर्जा प्राप्त) की गुरु वाणी को सर्वाधिक महत्व दिया जाता है। इसमें सभी जातियों के गुरु और भक्तों की वाणी शामिल है। यही इसके आचरण में दृष्टिगत भी होती है। इसमें जातिभेद के लिए जगह नहीं है। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र सब एक साथ लंगर में प्रसाद छकते हैं। पंगत और संगत साथ करते हैं। अखाड़े में हर समय गुरु वाणी और कीर्तन का पाठ होता है, जिसमें सेवा और सहजता के दर्शन होते हैं।

अखाड़ों के आखिरी चरण में गठित श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल हिंदू सनातन परंपरा की सभी व्यवस्थाओं की साझा विरासत है। सन 1682 में पंजाब के पटियाला में राजा पटियाला के सहयोग से इस अखाड़े का गठन किया गया। इसके संस्थापक बाबा श्री महंत मेहताब सिंह वेदांताचार्य हैं। अखाड़े का प्रारंभिक मुख्यालय पटियाला था, लेकिन अब कनखल हरिद्वार हो गया है। अखाड़े के सचिव महंत देवेंद्र सिंह शास्त्री बताते हैं कि ज्ञान देव सिंह इसके वर्तमान अध्यक्ष हैं। साक्षी महाराज इसके आचार्य महामंडलेश्वर हैं। इसके अलावा 5 महामंडलेश्वर भी हैं। इसका संचालन देखने वाली कार्यकारिणी में 25 से 26 संत होते हैं।

प्रयागराज महाकुंभ में मची भगदड़ साजिश तो नहीं?

पड़ताल कर रही यूपी एसटीएफ, खंगाले जा रहे 16 हजार मोबाइल नंबर

प्रयागराज, 02 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में सोमवार 3 फरवरी को बसंत पंचमी के मौके पर अमृत स्नान को लेकर लोगों की भीड़ फिर जुटने लगी है। 1 फरवरी से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। हालांकि, मौनी अमावस्या पर 29 जनवरी को हुई हादसे के बाद प्रशासन अत्यधिक सावधानी बरत रहा है। वहीं, उस भगदड़ की जांच कर रही एसटीएफ की टीम साजिश के एंगल को भी खंगाल रही है।

प्रशासन को उम्मीद है कि बसंत पंचमी के मौके पर लगभग 4.5 करोड़ लोग महाकुंभ में स्नान करेंगे। जिस दिन मौनी अमावस्या थी, उस दिन स्नान के सारे रिकॉर्ड टूट गए। उस दिन लगभग 8 करोड़ लोगों ने कुंभ में डुबकी लगाई थी। बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान कराने के लिए 28 स्ट्रैटेजिक प्वाइंट बनाए गए हैं।

इन प्वाइंट्स पर पुलिस के साथ ही रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) और पैरामिलिट्री के जवानों की संयुक्त टीम की तैनात की गई है। इस बार बैरिकेड तोड़ने वालों की प्रशासन की विशेष निगाह रहेगी।

ऐसे लोगों पर नजर रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। सभी पॉइंट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और कमांड सेंटर से उन पर निगरानी रखी जा रही है। इतना ही नहीं, मेला क्षेत्र को सुरक्षित बनाने के लिए कुछ अन्य अधिकारियों को भी इलाके में भेजा गया है। साल 2019 में प्रयागराज के मंडलायुक्त रहे आशीष गोयल तथा प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं डीएम रहे भानुचंद्र गोस्वामी के साथ-साथ पाँच विशेष सचिवों को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, पीसीएस स्तर के पांच अधिकारियों को भी मेला क्षेत्र में तैनात किया गया है।

नोएडा विकास प्राधिकरण में तैनात देवेंद्र कुमार सिंह, बुंदेलखंड औद्योगिक प्राधिकरण के ओएसडी राम कुमार शुक्ला, फिरोजाबाद से शिव ध्यान पांडेय, उन्नाव के प्रशांत कुमार नायक तथा सीतापुर के पराग माहेश्वरी को 15 फरवरी तक के लिए महाकुंभ मेला प्राधिकरण से जोड़ दिया गया है। ये अधिकारी व्यवस्था संभालने में मदद करेंगे।

29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर हुई भगदड़ में 40 से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवा दी। इसको लेकर प्रदेश की योगी सरकार बेहद गंभीर है। हादसे के बाद कई ऐसे वीडियो सामने आए, जिनमें श्रद्धालुओं ने आरोप लगाया कि कुछ लड़के जान-बूझकर लोगों को धक्का दे रहे थे। अलग-अलग लोगों द्वारा एक तरह के आरोप लगाने के बाद सरकार इस एंगल से भी जांच कराने की जुट गई है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार 1 फरवरी को कुंभ क्षेत्र की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक बार फिर से प्रयागराज आए थे। इस दौरान उन्होंने उन स्थानों का भी जायजा लिया, जहां पर भगदड़ हुई थी। योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद अधिकारियों को कई तरह के निर्देश दिए थे। उस दौरान योगी आदित्यनाथ ने कहा था, षडयंत्र रचने वाले कभी कामयाब नहीं होंगे। कुछ लोग लगातार गुमराह कर रहे हैं। भगदड़ के दिन कुछ पुण्यात्मा एक हादसे का शिकार हो गए थे, लेकिन संतों ने अपना धैर्य नहीं खोया। कुछ लोग जो सनातन के विरोधी हैं, उनकी कोशिश थी कि संतों का धैर्य जवाब दे दे। सनातन ही मानव धर्म है। सनातन रहेगा तो मानव रहेगा। सनातन धर्म का बाल भी बांका नहीं हो सकता है।

अब यूपी एसटीएफ इस एंगल से जांच कर रही है। आशंका है कि एक साजिश के तहत महाकुंभ मेले में भगदड़ करवाई गई थी। जांच के दौरान सुरक्षा एजेंसियों को इसको लेकर शक बढ़ता जा रहा है। दरअसल, घटना वाले दिन संगम नोज के आसपास मौजूद मोबइल नंबरों को खंगाला जा रहा है। वहां के करीब 16,000 से अधिक नंबरों का डेटा खंगाला किया जा रहा है। डेटा एनालिसिस के दौरान एसटीएफ ने पाया कि घटना के बाद से ही कई नंबर बंद आ रहे हैं। वहीं, घटना के दौरान उपस्थित दो लोगों ने एसटीएफ को बताया कि कुछ लोग भगवा झंडा लेकर मेला में अचानक घुस आए, इससे वहां भगदड़ मची। अब मेला क्षेत्र में लगे एक-एक सीटीटीवी कैमरे के वीडियो का सूक्ष्म विश्लेषण किया जाता रहा है। एजेंसियां फेस-रिकलगिनशन तकनीक के जरिए संदिग्धों की पहचान कर रही है।

हादसे के जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई : योगी

लखनऊ, 02 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में हुई भगदड़ के लिए जिम्मेदार लोगों पर गाज गिरनी तय है। सीएम योगी ने स्पष्ट कहा है कि जिन्होंने शिथिलता बरती है उनको चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर हादसे के जिम्मेदार और शिथिलता बरतने वाले अफसरों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। इसमें ज्यादातर पुलिसकर्मी शामिल हैं। सीएम योगी ने आईसीसीसी में वसंत पंचमी स्नान पर्व की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने पर्व पर व्यवस्थाओं को खामी रहित रखने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि इस अवसर पर अखाड़ों की पारंपरिक शोभायात्रा धूमधाम से निकलेगी। इसकी तैयारियां समय से कर ली जाएं। संतगण, कल्पवासी, श्रद्धालु और पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर चूक की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि पार्किंग स्थल बढ़ाए जाएं। ऐसी व्यवस्था करें कि श्रद्धालुओं को कम से कम चलना पड़े। उन्होंने महत्वपूर्ण स्थलों पर एसपी लेवल के अधिकारियों को ट्रैफिक व्यवस्था की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कहीं भी जाम की स्थिति न बनने दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन सेक्टरों से ज्यादा शिकायतें आ रही हैं, वहां वरिष्ठ अधिकारी खुद जाएं। वरिष्ठ अधिकारियों को टीम के साथ ड्यूटी पर लगाएं। उनके लिए वहीं टेंट और खाने-पीने की व्यवस्था करें। कहीं भी भीड़ एक-दूसरे को क्रॉस करती नजर न आए। दो अधिकारी कंट्रोल रूम से निगरानी करें। बाकी सीमा, शहर और मेला क्षेत्र में व्यवस्था दुरुस्त करें। दो और तीन फरवरी हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होगी। प्रमुख स्नान पर्वों और उसके पहले व बाद में कोई वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं लागू होगा।सीएम ने कहा, वसंत पंचमी पर पूर्वी यूपी, बिहार और नेपाल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। इसे देखते हुए व्यवस्थाएं की जाएं। वहीं, उन्होंने झूंसी क्षेत्र के आसपास रहने वाले संदिग्ध लोगों के पुलिस सत्यापन पर भी जोर दिया। सीएम ने कहा कि अतिक्रमण भी दुर्घटना का कारण बनता है। ऐसे में स्ट्रीट वेंडर्स सड़क पर न दिखाई दें। मौनी अमावस्या हादसे के बाद पहली बार महाकुंभ पहुंचे सीएम योगी ने कहा कि संतों के धैर्य के आगे सनातन विरोधी साजिश में विफल हो गए हैं। उन संतों का अभिनंदन करूंगा, जिन्होंने मौनी अमावस्या पर पूरा धैर्य दिखाया। कुछ पुण्यात्मा हादसे का शिकार हुईं, लेकिन उन परिस्थितियों में हमारे संत एक अभिभावक के रूप में नजर आए। शनिवार को सेक्टर 22 में संतोष दास सतुआ बाबा और स्वामी राम कमलाचार्य के पट्टाभिषेक में पहुंचे सीएम योगी ने कहा कि 19 दिनों में 32 करोड़ से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगाकर पुण्य के भागीदार बने हैं। कुछ लोग गुमराह करके सनातन धर्म के हर मुद्दे पर षड्यंत्र करने से बाज नहीं आते हैं। राम जन्मभूमि से लेकर आज तक, उनका व्यवहार और चरित्र जग जाहिर है। ऐसे लोगों से सावधान होकर सनातन धर्म के आदर्शों और मूल्यों के साथ हमें आगे बढ़ना होगा। जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि जब से योगी आदित्यनाथ यूपी की सत्ता में आए हैं, तब से सनातन का सूर्य पूरे विश्व को आलोकित कर रहा है। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य राम भद्राचार्य ने कहा कि अब राम कमलाचार्य से जगद्गुरु स्वामी राम कमलाचार्य और संतोष दास जगद्गुरु विष्णु स्वामी संतोष दास महाराज सतुआ बाबा होंगे।

मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान के पक्ष में हुई जनसभा

जिससे सनातन धर्म का गौरव बढ़ता हो, सपा को उससे पीड़ा होती है: योगी

सपा को गाजी, पाजी और बलात्कारी प्रिय हैं

अयोध्या, 02 फरवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी को खूब धोया। बोले कि सोशल मीडिया पर दो महीने से सपा अध्यक्ष के पोस्ट देखिए, यह प्रयागराज महाकुंभ का विरोध करते आए हैं। अब तक 34 करोड़ श्रद्धालुओं ने पावन त्रिवेणी के संगम पर आस्था की डुबकी लगाई है। शनिवार को उप राष्ट्रपति, कई देशों के राजदूत-हाई कमिश्नर आए थे। पूरी दुनिया अभिभूत है, लेकिन सपा को इससे पीड़ा हो रही है। जिससे सनातन धर्म का गौरव बढ़ता हो, भारतीयों का सीना चौड़ा होता हो, उससे सपा को पीड़ा होती है। सपा सनातन धर्म और सामाजिक न्याय के पुरोधाओं की विरोधी है।

मुख्यमंत्री ने मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान के पक्ष में रविवार को जनसभा कर उन्हें जिताने की अपील की। सीएम ने कहा कि परसों (शुक्रवार) हेलीकॉप्टर से जा रहा था, अयोध्या धाम में हर तरफ जनसैलाब दिखाई दे रहा था। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने फोरलेन सड़कें, रेलवे लाइन को डबल, स्टेशनों का सुदृढ़ीकरण, इंटरनेशनल एयरपोर्ट का विस्तार नहीं किया होता तो प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु यहां नहीं आ पाते। केंद्र व राज्य सरकार का पैसा और हमारे जनप्रतिनिधियों का प्रयास रहा तो अयोध्या का विकास

व व्यवसाय बढ़ रहा है। जब भी हमने अयोध्या के विकास की कार्ययोजना बढ़ाई तो सपा ने विरोध किया। सड़क चौड़ीकरण के दौरान 1700 करोड़.से अधिक का मुआवजा दिया गया। राम मंदिर का शिलान्यास और राम मंदिर में रामलला विराजमान हुए, तब भी सपा ने विरोध किया। एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि वाल्मीकि, रैन बसेरों का नाम निषादराज गुह्य के नाम पर किया गया, रसोई का नाम मां शबरी के नाम पर रखा गया, तब भी सपा को पीड़ा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने यूपी में पीएसी की तीन महिला बटालियन (वीरांगना उदा देवी, झलकारी बाई, अवंती बाई लोधी) गठित की। सपा ने तब भी विरोध किया था। यह वही सपा है, जो बहराइच में महाराज सुहेलदेव के विजय स्मारक का विरोध करती है, यह कहती है कि वहां गाजी का स्मारक होना चाहिए। सपा को गाजी और पाजी (बदमाश) प्यारे हैं। इन्हें बेटियों की इज्जत पर हाथ डालने वाला मिल्कीपुर का मोईद खान और कन्नौज का नवाब सिंह यादव प्यारा है। सपा गरीब, किसान, बेटी-बहन, व्यापारी, युवा के साथ नहीं, बल्कि माफिया, दुष्चरित्र व पेशेवर अपराधी के साथ खड़ी होती है। कोई घटना घटित होती है तो सपा का हाथ होता है या वह षडयंत्र में शामिल रहती है।

सीएम ने कहा कि सपा भारत विरोधी तत्वों को गले लगाती है। विधानसभा उपचुनाव के दौरान इनके दरिंदे नेता ने मैनपुरी में दलित बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। अयोध्या में कल एक बेटी के साथ घटना हुई है, आज इनका सांसद नौटंकी कर रहा है। जांच होगी तो उसमें भी सपा का कोई दरिंदा शामिल जरूर होगा। सीएम ने कहा कि 2016 में सपा सरकार के समय 2.35 लाख पर्यटक अयोध्या आए थे, जबकि 2024 में यहां 16.11 करोड़ श्रद्धालु आए। विकास विरोधी सपा की दृष्टि सैफई से बाहर नहीं जाती। सत्ता में आने पर यह परिवार के लिए कार्य करते हैं और वोट मांगने के लिए जाति का सहारा लेते हैं। सीएम ने कहा कि मिल्कीपुर का चुनाव भी राष्ट्रवाद बनाम परिवारवाद का चुनाव बन गया है। एक तरफ एनडीए प्रत्याशी के रूप में चंद्रभानु पासवान राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं के साथ मैदान में हैं तो दूसरी तरफ सपा के परिवारवाद का नमूना है, जिसका नाम भूमाफिया-अनैतिक, अराजक गतिविधियों में आता है।

संपादकीय

पेयजल प्रदूषित और सवालिया

यमुना नदी के जहरीले पानी पर दिल्ली चुनाव में वाकई जंग छिड़ी है। इसमें आम आदमी पार्टी (आप), भाजपा ही शामिल नहीं हैं, बल्कि चुनाव आयोग का युद्ध अलग किस्म का है। उसके निशाने पर 'आप' और केजरीवाल हैं। आयोग ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल से पांच और सवाल पूछे थे। केजरीवाल ने यहां तक आरोप लगाया था कि हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिलाने की साजिश रची थी। यदि दिल्ली सरकार के इंजीनियरों ने विषाक्त पानी को यथासमय न रोका होता, तो दिल्ली में 'नरसंहार' भी हो सकता था। यह बेहद गंभीर और नाजुक आरोप है, लिहाजा चुनाव आयोग तह तक जाना चाहता है कि जहर कौन-सा था? कब और कैसे यमुना के पानी में मिलाया गया? दिल्ली जल बोर्ड के किन इंजीनियरों ने कहां पानी रोका, नतीजतन दिल्ली 'नरसंहार' से बच गई? यमुना के जहरीले पानी पर यह सियासत 5 फरवरी को थम जाएगी, क्योंकि उस दिन दिल्लीवाले नई विधानसभा के लिए मतदान करेंगे, लेकिन इससे भी अधिक संवेदनशील और मानवीय सवाल देश भर में साफ पेयजल को लेकर है। एनएसएसओ के 79वें राउंड का डाटा है कि देश के करीब 95 फीसदी घरों की पहुंच पेयजल तक जरूर है। नल के जरिए जल, संरक्षित कुओं, नलकूपों और बोतलबंद पानी के तौर पर घरों को पीने का पानी उपलब्ध है, लेकिन कोई भी विभाग, एजेंसी या वितरण-संस्था यह शर्तिया दावा नहीं कर सकती कि उपलब्ध पेयजल बिल्कुल साफ, विषाणु-रहित और पीने योग्य पानी है। बेशक 'नल से जल' अभियान के बाद पानी के रंगों में सुधार आया है, लेकिन अभी बहुत कुछ सवालिया और प्रदूषित है। ग्रामीण भारत के करीब 40 फीसदी घरों में पेयजल का मुख्य स्रोत नल का पानी ही है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा करीब 70 फीसदी है। इस पेयजल की स्वच्छता, पीने की योग्यता पर सवाल क्यों उठते रहे हैं? हमारा करीब 70 फीसदी पानी 'प्रदूषित' क्यों है? यह सवाल नीति आयोग के 'संयुक्त जल प्रबंधन सूचकांक' की जून, 2018 में प्रकाशित रपट में सामने आया है। रपट में यह भी उल्लेख किया गया है कि पानी की गुणवत्ता के संदर्भ में भारत दुनिया के 122 देशों में 120वें स्थान पर है। यह सवालिया के साथ-साथ शर्मनाक स्थिति है। अनुमान है कि 4 करोड़ अपशिष्ट पानी हररोज हमारी नदियों और अन्य जल-स्रोतों में मिलता है। उसमें से एक छोटा-सा हिस्सा ही शोधित किया जाता है। जब शोधन किए गए पानी को पाइपों के जरिए प्रवाहित किया जाता है, तो उस पानी की गुणवत्ता भी दूषित हो जाती है, क्योंकि पानी को पुराने नेटवर्क के जरिए ही प्रवाहित किया जाता है। उस नेटवर्क के समानांतर सीवेज लाइनें होती हैं, लिहाजा पानी के प्रदूषित होने की संभावनाएं सौ फीसदी होती हैं। निष्कर्ष है कि जो पानी नलों के जरिए दिन में कुछ समय के लिए ही छोड़ा जाता है, वह पीने लायक नहीं रह पाता। क्षेत्र और आवासीय कालोनी के मुताबिक भी पानी की गुणवत्ता प्रभावित होती है। 2019 में मुंबई के नल वाले जल को 100 फीसदी सुरक्षित घोषित किया गया था, लेकिन मॉनसून मौसम से पहले ही शहर में जल संबंधी बीमारियां बढने लगीं। हमारे राजनेता और सत्ताएं बिल्कुल परवाह नहीं करतीं। चुनाव कभी भी पानी के मुद्दे पर तय नहीं हुए। शुक्र है कि इस बार दिल्ली चुनाव में यमुना का पानी अचानक सबसे उग्र चुनावी मुद्दा बन गया है। यमुना के पानी को शोधित करने के लिए संयंत्र कार्यरत हैं, लेकिन पानी में अमोनिया अथवा अन्य रसायन की उपस्थिति मात्रा से अधिक होगी, तो संयंत्र भी पानी को पीने लायक नहीं बना सकते। बेशक देश की राजधानी में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सरीखे वीवीआईपी के अलावा न्यायाधीश, सांसद, राजनयिक भी रहते हैं।

आयोग ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल से पांच और सवाल पूछे थे। केजरीवाल ने यहां तक आरोप लगाया था कि हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिलाने की साजिश रची थी। यदि दिल्ली सरकार के इंजीनियरों ने विषाक्त पानी को यथासमय न रोका होता, तो दिल्ली में 'नरसंहार' भी हो सकता था। यह बेहद गंभीर और नाजुक आरोप है, लिहाजा चुनाव आयोग तह तक जाना चाहता है कि जहर कौन-सा था? कब और कैसे यमुना के पानी में मिलाया गया? दिल्ली जल बोर्ड के किन इंजीनियरों ने कहां पानी रोका, नतीजतन दिल्ली 'नरसंहार' से बच गई? यमुना के जहरीले पानी पर यह सियासत 5 फरवरी को थम जाएगी, क्योंकि उस दिन दिल्लीवाले नई विधानसभा के लिए मतदान करेंगे, लेकिन इससे भी अधिक संवेदनशील और मानवीय सवाल देश भर में साफ पेयजल को लेकर है। एनएसएसओ के 79वें राउंड का डाटा है कि देश के करीब 95 फीसदी घरों की पहुंच पेयजल तक जरूर है। नल के जरिए जल, संरक्षित कुओं, नलकूपों और बोतलबंद पानी के तौर पर घरों को पीने का पानी उपलब्ध है, लेकिन कोई भी विभाग, एजेंसी या वितरण-संस्था यह शर्तिया दावा नहीं कर सकती कि उपलब्ध पेयजल बिल्कुल साफ, विषाणु-रहित और पीने योग्य पानी है।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है

प्रह्लाद सबनानी

स्वतंत्र भारत का पहिला आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 1950-51 में बजट के साथ पेश किया गया था। 1960 के दशक में आर्थिक सर्वेक्षण को बजट से अलग कर दिया गया एवं इसे बजट के एक दिन पूर्व संसद में पेश किया जाने लगा। आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था की समीक्षा की जाती है एवं अर्थव्यवस्था की सम्भावनाओं को देश के सामने लाने का प्रयास किया जाता है।

भारत सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन द्वारा लोक सभा में देश का आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया गया। स्वतंत्र भारत का पहिला आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 1950-51 में बजट के साथ पेश किया गया था। 1960 के दशक में आर्थिक सर्वेक्षण को बजट से अलग कर दिया गया एवं इसे बजट के एक दिन पूर्व संसद में पेश किया जाने लगा। आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था की समीक्षा की जाती है एवं अर्थव्यवस्था की सम्भावनाओं को देश के सामने लाने का प्रयास किया जाता है। इसे देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार की देखरेख में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक प्रभाग की ओर से तैयार किया जाता है।

लोक सभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कुछ देशों में चल रही आर्थिक परेशानियों के चलते भारत के आर्थिक विकास पर भी कुछ विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, परंतु, चूंकि भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच में रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। हाल ही के समय में ग्रामीण इलाकों में उत्पादों की मांग में तेजी दिखाई दी है और कृषि क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर बढ़ने की सम्भावना है क्योंकि देश में अच्छे मानसून के चलते रबी की फसल के बहुत अच्छे स्तर पर रहने की सम्भावना है और इससे खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर भी कम होगी, जिससे नागरिकों के हाथ में अन्य उत्पादों को खरीदने के लिए धन की उपलब्धता बढ़ेगी। आज केवल खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर कुछ अधिक मात्रा में बनी हुई हुई है अन्यथा कोर महंगाई की दर तो पूर्व में ही नियंत्रण में आ चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम अर्द्धवार्षिकी में समग्र महंगाई की दर भी नियंत्रण में आ जाएगी। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटने की सम्भावना भी व्यक्त की गई है। भारत आज अपने कच्चे तेल की कुल मांग का 87 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें कम होंगी तो भारत में महंगाई भी कम होगी।

विनिर्माण के क्षेत्र में जरूर कुछ चुनौतियां बनी हुई है एवं कई प्रयास करने के बावजूद विनिर्माण क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी बढ़ नहीं पा रही है। विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के

करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की क्षमता है। अतः विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भूमि, श्रम एवं पूंजी की लागत को कम करने की आवश्यकता है। इसके लिए आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में सुधार कार्यक्रमों को गति देने की आवश्यकता है ताकि इन इकाईयों की उत्पादकता में सुधार हो सके एवं इनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उत्पादन लागत कम हो सके। विनिर्माण क्षेत्र में कार्य कर रही इकाईयों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाए जाने की आज महती आवश्यकता है।

सेवा क्षेत्र लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है एवं इस क्षेत्र में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर अतुलनीय बनी हुई है। भारत में वर्तमान में महाकुम्भ मेला चालू है। आज प्रतिदिन एक करोड़ के आसपास श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए प्रयागराज में पहुंच रहे हैं। रेल्वे द्वारा प्रतिदिन लगभग 3,000 विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए कुछ आंकड़ों के अनुसार, महाकुम्भ मेले से उत्तरप्रदेश में 2 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यवसाय एवं 25,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय उत्तरप्रदेश सरकार को होने की सम्भावना है। रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। यह समस्त कार्य न केवल धार्मिक पर्यटन, होटल व्यवसाय, छोटे छोटे उत्पादों के निर्माण एवं बिक्री में अतुलनीय वृद्धि दर्ज करने में सहायक हो रहे हैं बल्कि इससे देश के सेवा क्षेत्र में भी विकास दर तेज हो रही है।

किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी अधिक होगी उस देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर अधिक रहेगी क्योंकि विभिन्न उत्पादों को खरीदने के लिए अर्थव्यवस्था में मांग तो इसी वर्ग के माध्यम से उत्पन्न होती है। अतः देश में प्रयास किए जाने चाहिए कि मध्यमवर्गीय परिवारों के हाथ में अधिक राशि उपलब्ध रहे। भारत में हालांकि समावेशी विकास हुआ है क्योंकि गरीबों की संख्या में तेजी से एवं भारी मात्रा में कमी दर्ज हुई है। परंतु, गरीबी रेखा से हाल ही में ऊपर आकर मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी शामिल हुए परिवार कहीं फिर से गरीबी रेखा के नीचे नहीं चले जायें, इस सम्बंध में भरसक प्रयास किए जाने चाहिए।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों में हो रही आर्थिक परेशानियों के चलते भारत निर्मित विभिन्न उत्पादों के निर्यात में उतनी वृद्धि दर्ज नहीं हो पा रही है जितनी आर्थिक विकास की दर को 8 प्रतिशत से ऊपर रखने के लिए होनी चाहिए। इससे विदेशी व्यापार घाटा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। साथ ही, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत पर भी लगातार दबाव बना हुआ है। हालांकि विदेशी निवेश में आ रही कमी को अस्थायी समस्या बताया गया है और विभिन्न देशों में स्थितियों के सुधरने एवं अमेरिका में आर्थिक नीतियों के स्थिर होने के साथ ही, भारत में विदेशी निवेश पुनः बढ़ने लगेगा।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के 6.2 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। वृद्धि दर में गिरावट के मुख्य कारणों में शामिल हैं देश में लोक सभा एवं कुछ राज्यों में विधान सभा चुनाव होने के चलते आचार संहिता लागू की गई थी, इससे केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों को अपने पूंजीगत खर्चों को रोकना पड़ा था। नवम्बर 2024 तक केंद्र सरकार द्वारा केवल 5 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चे किये जा सके हैं, जबकि औसतन 90,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च प्रति माह होने चाहिए थे। क्योंकि, पूंजीगत खर्चों के लिए पूरे वर्ष भर का बजट 11.11 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित हुआ था। अब सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में केवल 9 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च ही हो सकते हैं। विभिन्न कम्पनियों द्वारा अदा किए जाने वाले कर में भी कमी दिखाई दी है और कुछ कम्पनियों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। जिन जिन कम्पनियों की लाभप्रदता बहुत अच्छे स्तर पर बनी हुई है, इन कम्पनियों से अपेक्षा की गई है कि केंद्र सरकार के साथ साथ वे भी अपने पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करें ताकि देश में नई विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हो और विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति बढ़े, रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हों और महंगाई पर नियंत्रण बना रहे। विशेष रूप से देश में आधारभूत ढांचे को और अधिक मजबूत करने में निजी कम्पनियों द्वारा अपनी भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए।

दृष्टि कोण

वोट बैंक और तुगलकी पंचायती फैसले

देश को अंग्रेजों से आजाद हुए 77 साल हो गए, लेकिन कानून का राज अभी तक पूरी तरह कायम नहीं हो सका। राजनीतिक दलों के वोट बैंक के कारण जातिगत पंचायतें अभी भी कानून से इतर तुगलकी फरमान दे रही हैं। इन फरमानों के आगे शासन-प्रशासन बौने साबित हो रहे हैं। राजस्थान के करौली जिले में मीणा महासभा की महापंचायत ने लडक़ी पक्ष द्वारा विवाह से इंकार किए जाने पर ऐसा ही एक फरमान जारी कर दिया और प्रशासन मूक-बधिर बने खड़ा रहा। महापंचायत द्वारा गठित कमेटी ने रौंसी गांव के लडक़ी पक्ष के लोगों पर 11 लाख रुपए, रिश्ता तय करने में मध्यस्थ रहे दो जनों पर एक-एक लाख रुपए का दंड लगाया गया। साथ ही रौंसी गांव में लडक़े पक्ष पर लगाए 11 लाख के दंड को महापंचायत ने खारिज कर दिया। साथ ही फैसला देने वाले रौंसी क्षेत्र के 5 लोगों को 1100-1100 रुपए से दंडित कर 5 साल के लिए समाज की जाजम से बाहर करने की बात कही। जिन जनप्रतिनिधियों का काम कानून का शासन स्थापित कराना होता है, वही कानून की धज्जियां उड़ाने वाले ऐसे आदिम फैसलों के समर्थन में खड़े नजर आए। इस महापंचायत में टोडाभीम विधायक घनश्याम महर भी पहुंचे। आश्चर्य की बात यह है कि शांति व्यवस्था व महापंचायत पर नजर बनाए रखने के नाम पर 50-60 पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, किंतु कोई कार्रवाई नहीं कर सके। महापंचायत के मनमाने निर्णय पर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस ने कोई एतराज नहीं जताया। मानवाधिकार आयोग को भी अधिकारों के हनन करने वाले ऐसे निर्णय नजर नहीं आते। राजस्थान ही नहीं, देश के दूसरे हिस्सों में भी जातिगत पंचायतें ऐसे फैसले सुनाती रही हैं।

खाप पंचायतें अपने परंपरावादी फैसलों के लिए मशहूर रही हैं। मुजफ्फरनगर के सोरम गांव में खाप महापंचायत ने साल 2014 में फरमान जारी कर लड़कियों के जींस पहनने, उनके फोन और इंटरनेट यूज करने पर बैन लगाया गया था। कुछ लड़कियों के घर से भागने के बाद समाधान के रूप में यह ऐलान किया गया था। ऐसा केवल यूपी में ही नहीं हरियाणा जैसे राज्यों में भी बैन लगाया गया था। साल 2015 में बागपत में एक खाप पंचायत ने दो बहनों के साथ रेप करने और उन्हें निर्वस्त्र करके गांव में घुमाने का आदेश जारी किया था। उन्हें उनके भाई के अपराध की सजा दी गई। उनका भाई एक ऊंची जाति की महिला के साथ भाग गया था। जुलाई 2010 में हरियाणा की सर्व खाप जाट पंचायत ने फरमान जारी किया कि लड़कियों की शादी के लिए उनके बालिग होने का इंतजार नहीं करना है। उनकी शादी अब 15 साल में ही कर देनी है। रेप की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए यह आदेश जारी किया गया था। ऑनर किलिंग, समगोत्रिय विवाह और प्रेम विवाह को लेकर खाप पंचायतें बेतुका बयान जारी करती रही हैं।

खाप पंचायतों को न तो सुप्रीम कोर्ट की फटकार का ख्याल है और न ही आलोचनाओं का, तभी तो उनके बेतुके फैसले तालिबानी और तुगलकी फरमान की तरह लोगों के सिर पर पहाड़ बन कर टूटते हैं। झज्जर की खाप पंचायत का मानना था कि आर्य समाजी ढंग से होने वाली शादियों पर तत्काल से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। खाप ने यह बेतुका फरमान लव मैरिज को रोकने के लिए सुनाया था। खाप पंचायत प्रेम विवाह के खिलाफ है। खाप ने आर्य समाज में होने वाली शादियों को दुकानदारी करार दिया था। खाप और जातिगत पंचायतों के इस तरह के बेबुनियाद तर्क बदस्तूर जारी हैं। एक खाप ने कहा था कि बलात्कार और यौन शोषण जैसी घटनाओं को रोकने के लिए लड़कियों का बाल विवाह कर देना चाहिए, ताकि वो जवान होने से पहले ही किसी की पत्नी बन जाएं और पुरुष उनकी ओर आकर्षित न हो। महाराष्ट्र के बीड में एक महिला और उसके परिवार के सामाजिक बहिष्कार का आदेश देने पर जाति पंचायत के 9 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

कुछ अलग

भांग की खेती और सिद्धांत...

लो जी नई कंट्रोवर्सी खड़ी हो गई है। सरकार ने भांग की खेती को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यानी सैद्धांतिक तौर पर निर्णय लिया है कि भांग की खेती की जाएगी। यह सरकार का बहुत बड़ा निर्णय है और इसके लिए सरकार को सौ बार सैल्यूट। लेकिन सोशल मीडिया का जमाना है और सरकार की सैद्धांतिक मंजूरी मिलने के बाद सोशल मीडिया पर 'भांग पर बहस' भी शुरू हो गई है। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सरकार पब्लिक की मूलभूत समस्याओं से ध्यान हटाना चाहती है और अपना ध्यान भांग पर फोकस करना चाहती है। विपक्ष सरकार से सवाल पूछ रहा है कि 'भांग की खेती को सैद्धांतिक मंजूरी के पीछे असली मंशा क्या है? क्या सरकार अपने करीबी लोगों को भांग की खेती के ठेके देना चाहती है? क्या कॉर्पोरेट घरानों के लोग अब गरीब आदमी की जमीन पर कब्जा करके भांग उगाना शुरू कर देंगे? गरीब किसान कहां जाएगा?' मौका पाते ही टीवी चैनल भी इस बहस में कूद गए हैं। हर चैनल इसे 'ब्रेकिंग न्यूज' बना रहा है। एक एंकर चिल्लाते हुए कह रहा है, 'क्या यह देश भांग की खेती से सुपर पावर बनेगा? यह सरकार की दूरदर्शिता है या भांग का नशा?' बहस में शामिल एक नेता कटाक्ष करते हुए कह रहा है, 'ऐसे निर्णय लेने वाले कई बार भांग खाकर भी सदन में आते देखे गए हैं और सदन की गरिमा खंडित हुई है, लेकिन अब सरकार के इस सैद्धांतिक निर्णय से एक बात तो स्पष्ट हो गई है कि कम से कम अब देश भांग के झूठे सपनों पर नहीं, असली भांग पर चलेगा।' उधर सरकार भी चुप नहीं बैठी है। भांग की खेती को सैद्धांतिक मंजूरी देने के बाद सरकार के हौसले सातवें आसमान पर हैं। सरकार के प्रवक्ता ने भी प्रेस रिलीज जारी कर दी है, जिसमें लिखा गया था कि 'भांग की खेती से न केवल कृषि क्षेत्र में क्रांति आएगी, बल्कि यह ग्रामीण रोजगार के लिए वरदान साबित होगी। साथ ही, भांग से औषधि उद्योग में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।'

प्रवक्ता का स्पष्टीकरण मीडिया के लिए रिलीज हो गया है, लेकिन कभी हार न मानने वाले न्यूज चैनलों ने एक और दिलचस्प एंगल खोज निकाला है। उन्होंने उन किसानों का इंटरव्यू ले लिया है जो पहले से ही चुपचाप भांग की खेती करते आए हैं। एक किसान बता रहा है, 'साहब, अब सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है तो पुलिस वाले अब हमारी भांग की फसल उखाडऩे नहीं आएंगे। पहले हम चोरी-छिपे उगाते थे, अब गर्व से उगाएंगे।' दूसरी तरफ, कॉरपोरेट जगत में हलचल मच गई है। कारपोरेट जगत भांग में संभावनाएं तलाशने लगा है। एक प्रमुख उद्योगपति का तो मौके का चौका मारते हुए बयान भी आ गया है, 'हम भांग आधारित पेय और स्नैक्स लॉन्च करेंगे। हमारा लक्ष्य भारत को भांग उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाना है। दुनिया हमारा क्या खाकर मुकाबला करेगी?' इस सबके बीच, बाबा लोग भी चुप नहीं बैठे हैं। एक बाबा ने ऐलान कर दिया है कि वह 'आध्यात्मिक भांग रिट्रीट' शुरू करने वाले हैं। उनका दावा था कि भांग का सेवन करते ही भक्त ध्यान में तुरंत लीन हो जाएंगे। इस सारी कंट्रोवर्सी के बीच सरकार ने जनसंपर्क अभियान छेड़ दिया है और नेताजी के समर्थक गांव-गांव जाकर पब्लिक को समझा रहे हैं कि जब भांग की खेती होगी तो आम आदमी को भी भांग मयस्सर होगी। इससे आम आदमी अपनी समस्याओं से छुटकारा पाने लगेगा। उसे महंगाई परेशान नहीं करेगी। बेरोजगारी परेशान नहीं करेगी। बीवी के ताने परेशान नहीं करेंगे। उसकी खुशियों का सूचकांक बहुत तेजी से ऊपर की ओर जाता रहेगा। उसे चारों तरफ खुशहाली नजर आएगी। इस खुशहाली में फिर भांग की खेती की तस्वीर भी दिखेगी।

देश दुनिया से

प्रदेश के संदर्भ में ओबीसी आरक्षण

भारत में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण एक महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रावधान है, जिसका उद्देश्य समाज के सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को समान अवसर प्रदान करना है। यह प्रावधान न केवल सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र और संविधान के मूल सिद्धांतों का पालन भी करता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में ओबीसी आरक्षण से संबंधित विवाद और समस्याएं इसे एक संवेदनशील और जटिल विषय बना चुकी हैं, खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां इस प्रावधान का सही तरीके से पालन नहीं हो पाया है। ओबीसी आरक्षण का उद्देश्य केवल जाति या धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करना है। यह सुनिश्चित करना कि सभी नागरिकों को समान अवसर मिलें, ताकि वे शिक्षा, रोजगार और विकास के क्षेत्र में समान रूप से भागीदार बन सकें, भारतीय संविधान का एक मुख्य उद्देश्य है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश में इस उद्देश्य को लागू करने में कई बाधाएं सामने आई हैं, जो ओबीसी वर्ग के उत्थान के रास्ते में रुकावट डालती हैं। हिमाचल प्रदेश में ओबीसी आरक्षण का कार्यान्वयन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।

राज्य में 48 ओबीसी जातियां एवं चार क्षेत्र जिओग्राफिकल बैकवर्डनेस के कारण जिसमें ज्यादातर अपर कास्ट समुदाय के लोग ओबीसी में शमिल हैं। लेकिन इन जातियों को आरक्षण का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकारी नौकरियों में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है, लेकिन वास्तविकता में यह आंकड़ा केवल 12-18 प्रतिशत के बीच है। शैक्षिक क्षेत्र में भी ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण की व्यवस्था पूरी तरह से लागू नहीं हो पाई है, जो उनके सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए एक बड़ी बाधा बन गई है। वर्ष 2006 में, केंद्र सरकार ने 93वें संविधान संशोधन को लागू किया था, जिसके तहत सभी सरकारी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया था। हालांकि, लगभग दो दशकों के बाद भी, हिमाचल प्रदेश में सरकारों ने इस संशोधन को लागू नहीं किया। यह राज्य सरकारों की नीति निर्धारण में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाता है। उदाहरण के तौर पर, 2019 में राज्य सरकार ने 103वें संविधान संशोधन को तत्काल लागू किया, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 फीसदी आरक्षण प्रदान किया गया, लेकिन ओबीसी आरक्षण पर कोई प्रगति नहीं हुई। यदि उस समय 93वें संविधान संशोधन को भी लागू किया जाता, तो यह एक ऐतिहासिक कदम होता और समाज में न्याय की दिशा में भाजपा सरकार का महत्वपूर्ण प्रयास साबित होता। मैंने इस मुद्दे को न केवल विधानसभा में, बल्कि व्यक्तिगत रूप से तत्कालीन मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठाया। बावजूद इसके, पार्टी और मुख्यमंत्री की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका। आज भी, हिमाचल प्रदेश के शैक्षिक संस्थानों में ओबीसी वर्ग को कोई विशेष आरक्षण नहीं मिल रहा है। राज्य विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों में ओबीसी के लिए आरक्षण की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में ओबीसी के लिए केवल दो सीटें आरक्षित की गई हैं, जबकि राज्य विश्वविद्यालयों में यह संख्या शून्य है। उदाहरण स्वरूप, प्रदेश के एकमात्र कृषि विश्वविद्यालय में ओबीसी वर्ग को छोडक़र सभी जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था है।

चौधरी सरवण कुमार के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय में ओबीसी समुदाय के विद्यार्थियों को दाखिला पाने के लिए कोई आरक्षण नहीं है, जो कि न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि हास्यास्पद भी है। कृषि क्षेत्र में ओबीसी का योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा है, लेकिन इस क्षेत्र में आरक्षण के अभाव ने उन्हें अवसरों से वंचित किया है। इसके परिणामस्वरूप, ओबीसी वर्ग के लोग शिक्षा और रोजगार के अवसरों से वंचित रह जाते हैं, जो उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को और भी कमजोर करता है। भारतीय संविधान के तहत ओबीसी आरक्षण का प्रावधान समाज के कमजोर वर्गों को समान अवसर प्रदान करने के लिए किया गया था। यह व्यवस्था 93वें संविधान संशोधन (2006) के तहत लागू हुई, जिसके बाद ओबीसी के लिए आरक्षण को संवैधानिक दर्जा मिला। हालांकि, इस उद्देश्य को लागू करने में कई राज्य सरकारें असफल रही हैं, लेकिन यह अत्यंत आवश्यक है कि ओबीसी आरक्षण को सही तरीके से लागू किया जाए। केवल तभी समाज के हर वर्ग को समान अवसर मिल सकेंगे, और ओबीसी वर्ग अपनी शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार कर सकेगा। ओबीसी आरक्षण की आवश्यकता भारतीय समाज में तब तक बनी रहेगी, जब तक सामाजिक और आर्थिक समानता की स्थिति पूरी तरह से स्थापित नहीं हो जाती। यह संवैधानिक प्रावधान केवल एक अस्थायी उपाय नहीं, बल्कि समाज में न्याय, समानता और अवसरों की समानता सुनिश्चित करने का एक स्थायी रास्ता है। हिमाचल प्रदेश में ओबीसी आरक्षण की स्थिति में सुधार के लिए राज्य सरकार को तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

प्रदेश लोक सेवा आयोग और हिमाचल प्रदेश चयन आयोग में ओबीसी समुदाय से कोई प्रतिनिधि और सदस्य नहीं है। ओबीसी वर्ग को कानूनों और न्यायालयों के जरिए मिले हकों को लागू करने में सरकारें विफल रही हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अक्सर ओबीसी और संविधान की बात करते हैं, लेकिन राज्य में कांग्रेस की सरकार ने 93वें संविधान संशोधन को लागू नहीं किया, जिससे उनकी बातों की अनदेखी की जा रही है। वर्तमान सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि संविधान द्वारा निर्धारित ओबीसी आरक्षण के प्रावधानों को पूरी ईमानदारी से लागू किया जाए, ताकि ओबीसी वर्ग को उनके अधिकार मिल सकें और वे समाज में अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान दे सकें। यह न केवल ओबीसी वर्ग के उत्थान के लिए, बल्कि समग्र समाज की समृद्धि के लिए भी आवश्यक है। ओबीसी समाज उसी पार्टी को समर्थन देगा जो उनके हित साधेगी।

आप का नजरिया

भीड़ की त्रासदी है

अंततः साबित हो गया कि महाकुंभ प्रयागराज में 'त्रासद हादसा' हुआ। भीड़ के कारण भगदड़ मची। भगदड़ वैसी ही थी, जैसी इतिहास में दर्ज हैं और हम कई बार देख-सुन चुके हैं। जिंदगी एक भी बेहद अमूल्य है, वह किसी भी सूरत में कुचली नहीं जानी चाहिए। यह अक्षम्य मानवीय अपराध तय होना चाहिए। मौत निश्चित और अपरिहार्य है, लेकिन मौत वह होनी चाहिए, जो नियति ने तय की हो। क्या महाकुंभ की त्रासदी को भी नियति मान लिया जाए? महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालु पुण्य कमाने गए थे और अब भी जा रहे हैं, प्रधानमंत्री मोदी ने भी उन्हें 'पुण्यात्मा' माना है, वे पूर्णतः आस्थामय थे, लिहाजा पवित्र संगम घाट से 200 मीटर की दूरी तक पहुंच गए थे। फिर उनकी आस्था अधूरी क्यों रही? शायद यही नियति हो! बहरहाल भगदड़ मची और सोते, विश्राम करते भक्त भीड़ की कुचलियों तले फंस गए। कुचलन के कारण 30 मौतें हो गईं, 60 घायल हुए। उनमें से 36 लोग अब भी अस्पताल में उपचाराधीन हैं। महाकुंभ की यह त्रासदी विश्व भर के मीडिया में छाई है। बड़े-बड़े अखबारों में सुर्खियां, विश्लेषण छापे जा रहे हैं कि भारत इतने व्यापक स्तर पर भीड़ का प्रबंधन करने में नाकाम रहा। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या कुंभ जैसे अपरिमित जन-आयोजन भारत में किए जाने चाहिए? भारत के सुरक्षाकर्मी भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे अथवा महज अपीलें जारी कर रहे थे? अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत-विरोधी अभियान-सा छिड़ गया लगता है। बेशक भगदड़ें होती रही हैं, धार्मिक स्थलों पर ज्यादा हुई हैं, लिहाजा ऐसी त्रासदियों को भी नियति माना जाए। दुनिया भर में भयानक और वीभत्स हत्याएं भी की जाती रही हैं। यह एक निरंतर अपराध है। कुंभ या किसी भी जन-सैलाब के दौरान भगदड़ और बर्बर हत्याओं को मीडिया में 'बैनर सुर्खियों' के तौर पर छापा जाता रहा है। कई दिनों तक विश्लेषण भी प्रकाशित किए जाते रहे हैं, लेकिन अलजाइमर की बीमारी दुनिया भर में मौतों की 7वीं सबसे बड़ी और तय कारण है, लेकिन उसकी खबर एक कोने में छपती है। कई बार तो नजरअंदाज भी कर दिया जाता है। सडक़ दुर्घटनाओं में सालाना लाखों मौतें होती हैं, लेकिन इन्हें भी सुर्खियां नहीं बनाया जाता। कोरोना महामारी की खबर तब तक एक कोने में, अंदर के पन्नों पर, छपती रही, जब तक भारत में मौतों का आंकड़ा निरंतर और भयावह नहीं हो गया। दरअसल भारत एक संकरा और भीड़-भाड़ वाला देश है। आबादी करीब 145 करोड़ है और निरंतर बढ़ रही है। गौरतलब है कि भारत में 9 शहर ऐसे हैं, जिनकी आबादी 70 लाख से ज्यादा है। करीब 46 शहर ऐसे हैं, जिनकी आबादी 10 लाख से अधिक है। इन शहरों के पास ऐसे मैदान भी नहीं हैं, जहां 5 लाख की भीड़ को एक जगह संभाल लिया जाए। देश में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां एक दिन में 8-10 करोड़ लोगों की भीड़ जमा हो सके और कोई हादसा भी न हो। हमारे रेलवे स्टेशनों पर इतनी भीड़ हो जाती है कि अक्सर भगदड़ के आसार बनते रहते हैं। फिर महाकुंभ में करोड़ों की भीड़ के प्रबंधन और नियंत्रण के दावे क्यों किए गए? पुण्य स्नान के लिए लोगों को आमंत्रण क्यों दिया जाता रहा? बेशक मेला क्षेत्र 4000 हेक्टेयर में फैला है।

सोमालिया में आईएसआईएस के ठिकानों पर अमेरिकी एयर स्ट्राइक, ट्रंप का संदेश-हम तुम्हें ढूंढ़- ढूंढ़कर मारेंगे

वाशिंगटन, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आदेश पर अमेरिकी सेना ने शनिवार को सोमालिया में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) आतंकियों के खिलाफ एयरस्ट्राइक की। इसमें कई आईएसआईएस आतंकियों की मौत हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि आईएसआईएस सहित उन सभी के लिए संदेश साफ है जो अमेरिकियों पर हमला करते हैं– हम तुम्हें ढूंढ़- ढूंढ़ कर मार गिराएंगे। अमेरिका की यह एयर स्ट्राइक सोमालिया के गोलिस पर्वत इलाके में की गई। यूएस डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने एयर स्ट्राइक में कई आईएसआईएस आतंकियों की मौत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प के निर्देश पर अमेरिकी सेना की अफ्रीका कमान द्वारा किए गए एयरस्ट्राइक के लिए सोमालिया की सरकार के साथ समन्वय किया गया था। एयर स्ट्राइक को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने एक्स संदेश में कहा है कि मैंने अमेरिकी सेना को हवाई हमले का आदेश दिया जिसमें आईएसआईएस के सीनियर अटैक प्लानर और उसके सहयोगी आतंकी मारे गए जो। गुफाओं में छिपे ये आतंकी अमेरिका के लिए खतरा थे इसलिए एयर स्ट्राइक में गुफाओं को नष्ट करते हुए कई आतंकियों को मार गिराया गया। इस हमले में सामान्य नागरिकों को कोई नुकसान नहीं हुआ। ट्रम्प ने अपनी पोस्ट में पिछले बाइडेन शासनकाल की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना कई साल से आईएसआईएस के सीनियर अटैक प्लानर को निशाना बना रही थी।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल सरकार ने अगले आर्थिक वर्ष से पेय जल को टैक्स फ्री करने का किया ऐलान

काठमांडू। नेपाल सरकार ने आम लोगों के घरों में इस्तेमाल होने वाले पेयजल को कर मुक्त करने की घोषणा कर दी है। सरकार की तरफ से आम लोगों के घर में नल से प्रयोग के आने वाले पानी पर अगले आर्थिक वर्ष से कोई भी टैक्स नहीं लगने की बात कही गई है। राजधानी काठमांडू के करीब चंद्रगिरि में आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री यादव ने बताया कि जलस्रोत के मामले में विश्व के धनी देशों में से एक नेपाल में आम लोगों से पीने के पानी पर टैक्स वसूलना विडंबना है। नेपाल के केंद्रीय पेय जल मंत्री प्रदीप यादव ने अगले आर्थिक वर्ष से पानी पर कोई भी टैक्स नहीं लगने की बात कही है। अब तक किसी भी पूर्ववर्ती सरकार ने इस बारे में कभी न तो ध्यान दिया और न ही ही उपभोक्ताओं के हित के बारे में विचार किया। मंत्री प्रदीप यादव ने कहा कि उनके कार्यकाल में आम जनता को पीने के पानी पर लगने वाले सभी प्रकार के टैक्स से मुक्ति दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि देश के एक–एक नागरिक को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। इसलिए पीने के पानी के लिए हर समस्या का समाधान किया जा रहा है। मंत्री यादव ने बताया कि आने वाले बजट में सभी सरकारी और सामुदायिक विद्यालयों में भी छात्रों को शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराने के लिए नई योजना की घोषणा की जाएगी।

सूडान : ओमदुरमन में रैपिड सपोर्ट फोर्स का हमला, 54 लोगों की मौत 150 से अधिक घायल

खार्तूम। सूडान में देश की सेना के खिलाफ लड़ने वाले एक कुख्यात अर्धसैनिक समूह रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने ओमदुरमन शहर में एक खुले बाजार में आम लोगों पर हमला किया, जिसमें 54 लोग मारे गए हैं। सबरीन मार्केट में हुए इस हमले में 150 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस घटना की पुष्टि की है। हमला शनिवार को उस समय हुआ जब बड़ी संख्या में लोग बाजार में खरीदारी कर रहे थे। इस हमले के बाद शहर में दहशत फैल गई और स्थानीय प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। सरकारी प्रवक्ता खालिद अल–अलीसिर ने इस हमले की निंदा करते हुए बताया कि मरने वालों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने इसे एक गंभीर मानवीय संकट बताया और कहा कि इससे निजी और सार्वजनिक संपत्तियों को भी भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने एक बयान में कहा, यह आपराधिक कृत्य इस मिलिशिया के खूनी रिकॉर्ड में इजाफा करता है। यह अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों ने इस हमले को लेकर चिंता जताई है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने भी कहा है कि वह इस मामले से जुड़े संभावित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों की जांच कर रहा है।

युवाओं के लिए विलेन फॉर हायर नाम की अनोखी सेवा शुरू

क्वालालंपुर। मलेशिया में युवा अपनी प्रेमिका के सामने खुद को एक हीरो के रूप में पेश करना चाहते हैं, इसके लिए एक अनोखी सर्विस शुरु की गई है। इस अनोखी और विवादित सेवा ने सोशल मीडिया पर बहुत चर्चा पैदा की है और यह कई लोगों के लिए एक दिलचस्प चर्चा का विषय बन गया है।

मलेशिया के इम्पोह में रहने वाले 28 साल के शाज़ाली सुलैमान ने विलेन फॉर हायर नाम की एक सेवा शुरू की है। इस सेवा के तहत वह एक गुंडे की भूमिका अदा करते हैं, ताकि लड़के अपनी प्रेमिका के सामने अपनी मर्दानगी साबित कर सकें। शाज़ाली की सेवा का उद्देश्य उन लड़कों के लिए है, जो अपनी प्रेमिका को यह दिखाना चाहते हैं कि वे ताकतवर और सुरक्षा देने वाले हैं। इसके लिए, शाज़ाली और उनके साथी गुंडे ग्राहक की पार्टनर को परेशान करते हैं, ताकि लड़का अपनी प्रेमिका को बचाते हुए उस गुंडे को भागने पर मजबूर कर सके। यह सब एक नाटक की तरह होता है, जिसमें लड़के को हीरो बनाने के लिए गुंडा किराए पर लिया जाता है। इस सेवा के लिए शाज़ाली वीकडेज़ में 100 रिंगिट (लगभग 1,898 रुपये) और वीकेंड पर 2700 रुपये चार्ज करते हैं।

अमेरिका-रूस वार्ता में यूक्रेन को शामिल नहीं किए जाने से जेलेंस्की खफा बोले- ऐसे कैसे रुकेगी जंग

वाशिंगटन, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

रुस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को खत्म करने के प्रयास लगातार हो रहे हैं। ऐसे ही प्रयासों के चलते अमेरिका और रुस के बीच बातचीत हुई है, लेकिन इसमें यूक्रेन को शामिल नहीं किया गया है। इससे नाराज जेलेंस्की ने यहां तक कह दिया यूक्रेन से बात किए बगैर जंग कैसे थमेगी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में बयान दिया कि उनका प्रशासन रूस–यूक्रेन जंग रुकवाने के लिए बड़ी तेजी से काम कर रहा है। ऐसे में उम्मीद थी कि इजरायल हमास जंग खत्म हो जाएगी। ट्रंप के इरादों पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की बट्टा लगाते हुए नजर आ रहे हैं।

अमेरिका–रूस वार्ता में यूक्रेन को शामिल नहीं किया गया है। यह बात यूक्रेन को नागवार गुजर रही है। लिहाजा उन्होंने यूक्रेन के बिना युद्ध विराम के प्रयासों को खतरनाक करार दिया।

कीव में एक घंटे के इंटरव्यू में ट्रंप–पुतिन की पुरानी दोस्ती पर जेलेंस्की ने कहा कि उनके अपने संबंध हो सकते हैं, लेकिन हमारे बिना यूक्रेन के बारे में बात करना सभी के लिए खतरनाक है। हमारी टीम ट्रम्प प्रशासन के संपर्क में है, लेकिन वे चर्चाएं सामान्य स्तर पर हैं। मेरा मानना है कि अधिक डिटेल्ड एग्रिमेंट के लिए जल्द ही आमने–सामने की बैठकें होंगी।

हमें इस पर और काम करने की जरूरत है। जेलेंसकी ने कहा कि दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप का फोकस फिलहाल घरेलू मुद्दों पर है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध फरवरी 2022 से जारी है। ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने के बाद अगले छह महीने के भीतर इस युद्ध का अंत करने का वादा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि युद्ध में इस वक्त यूक्रेन ने बढ़त बनाई हुई है। यही वजह है कि युद्ध विराम वार्ता में रूस शामिल नहीं होना चाहता है या किसी भी तरह की रियायतों पर चर्चा नहीं करना चाहता है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के मेज पर उनके ऊर्जा और बैंकिंग प्रणाली पर लगे प्रतिबंधों पर चर्चा कर सकते हैं। ट्रंप की कोशिश होगी कि रूस को और अधिक प्रतिबंध की बात कहकर उन्हें बताया जाए कि वो युद्ध विराम पर नहीं माने तो अमेरिका युद्ध में यूक्रेन की ऐसे ही मदद करता रहेगा।

वेनेज़ुएला ने 6 अमेरिकियों को किया रिहा, ट्रंप के दूत की मादुरो से मुलाकात के बाद आया बड़ा फैसला

कारकास (वेनेज़ुएला)। वेनेज़ुएला की सरकार ने हाल ही में हिरासत में लिए गए छह अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया है। यह कदम उस महत्वपूर्ण बैठक के बाद आया, जिसमें वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत रिचर्ड ग्रेनेल ने भाग लिया था। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक अमेरिका द्वारा अनुरोध की गई थी और इसमें वेनेज़ुएला में हिरासत में लिए गए अमेरिकियों की रिहाई और दोनों देशों के बीच अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद ग्रेनेल ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा करते हुए घोषणा की कि वे छह अमेरिकी नागरिकों के साथ स्वदेश लौट रहे हैं। रिहा किए गए नागरिकों ने ट्रंप से फोन पर बात कर उनका आभार व्यक्त किया। इस घटनाक्रम को कूटनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह वेनेज़ुएला में हालिया चुनावों और अमेरिका की आधिकारिक स्थिति के बीच हुआ है। मादुरो के तीसरे कार्यकाल की शपथ ग्रहण के कुछ ही सप्ताह बाद यह मुलाकात हुई, जिसमें चुनावी विवाद भी चर्चा का विषय रहा। हालांकि अमेरिका ने मादुरो की जीत को मान्यता नहीं दी है, लेकिन इस बैठक ने दोनों देशों के बीच संवाद के नए रास्ते खोल दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बैठक वेनेज़ुएला और अमेरिका के बीच तनाव को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

अमेरिका ने चीन को चेताया कहा- छिपने की भी जगह नहीं मिलेगी

वाशिंगटन, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

ताइवान को लेकर अमेरिका चीन पर भड़का हुआ है। अमेरिका ने साफ कहा है कि कोई भी हो वो अमेरिकी नीतियों में दखल देगा उसे उसका अंजाम भुगतना पड़ेगा और छिपने की भी जगह नहीं मिलेगी। अमेरिकी नौसेना के कैप्टन एलेक्स कैंपबेल ने खुलासा किया कि 'रेप्लिकेटर' पहल का फर्स्ट फेज, जो एक नरक जैसा माहौल बनाने की कोशिश करता है, अगस्त तक चालू होने की उम्मीद है। कैलिफोर्निया में एक यूएस नेवल इंस्टीट्यूट (यूएसएनआई) सम्मेलन में बोलते हुए, कप्तान कैंपबेल ने घोषणा की कि रेप्लिकेटर पहल पूर्व उप रक्षा सचिव कैथलीन हिक्स द्वारा नवंबर 2024 में तय किए गए अगस्त 2025 तक वॉर फाइटर्स को हजारों मल्टी–डोमेन, एट्रिटेबल ऑटोनॉमस (एडीए2) सिस्टम प्रदान करने के लक्ष्य को पूरा करने में सक्षम होगी। एट्रिटेबल शब्द का मतलब है एक डिज़ाइन एलीमेंट जो सस्ते, फिर से इस्तेमाल होने वाले और डिस्पोजेबल हथियारों के लिए विश्वसनीयता और रखरखाव का लेन–देन करता है। नरक जैसा माहौल और रेप्लिकेटर दोनों एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं। रेप्लिकेटर प्रोजेक्ट का पहला चरण सरफेस और सब–सरफेस ड्रोन और लूटिंग म्यूनिशन को जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि एक नरक जैसा माहौल बनाया जा सके और ताइवान पर चीनी आक्रमण को नाकाम किया जा सके। इस बीच, कार्यक्रम के दूसरे चरण में समुद्री और हवाई क्षेत्रों में सिस्टम शामिल होंगे, साथ ही एकीकृत सॉफ्टवेयर भी होगा जो दुश्मन ड्रोन का मुकाबला करने पर फोकस होगा। कैंपबेल ने कहा, यह कोई और (साइंस और टेक्नोलॉजी) प्रोजेक्ट नहीं है। इसका उद्देश्य उत्पादन तक पहुंचना है, इस मामले में, (यूएस इंडो–पैसिफिक कमांड) का साथ देने के लिए सिस्टम को मैदान में उतारना है। यह बहुत सारेज काफी व्यापक और अलग–अलग तरह के सिस्टम और सॉफ्टवेयर को एक साथ लाने और उन्हें एक गति से जोड़ने का काम है जो वास्तव में व्यावसायिक सॉफ्टवेयर की गति के समान है। यूएस रेप्लिकेटर इनिशिएटिव का मकसद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और कमर्शिअल टेक्नोलॉजी का उपयोग करके हजारों ऑटोनमस सिस्टम को तेजी से स्केल और फील्ड करना है। डिफेंस इनोवेशन यूनिट (डीआईयू) शेयर सॉफ्टवेयर का उपयोग करके क्षमताओं को इकट्ठा करने के लिए जिम्मेदार है ताकि कन्वेंशनल अधिग्रहण सिस्टम की तुलना में अधिक तेजी से मुद्दों का समाधान किया जा सके।

विरोध प्रदर्शन

सर्बिया में रेलवे स्टेशन हादसे के मामले में विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हिंसा : 41 मौतों के बाद पहुंचे सेना प्रमुख मुनीर

इस्लामाबाद, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान में आतंकवादियों और सेना के बीच बड़ी मुठभेड़ हुई, जिसमें 23 दहशतगर्द और 18 सुरक्षाकर्मी मारे गए। सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर अशांत प्रांत में झड़पों के बीच बलूचिस्तान के दौरे पर गए। रिपोर्ट के अनुसार, सेना प्रमुख को प्रांत में मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

जनरल मुनीर ने कहा, ये तथाकथित उन्मादी कुछ भी कर लें मगर हमारे गौरवशाली राष्ट्र और उसके सशस्त्र बलों से हार जाएंगे। मालूम हो कि बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ की अलग–अलग घटनाएं हुईं। इनमें 23 आतंकवादियों मारे गए, लेकिन 18 सुरक्षाकर्मियों की भी मौत हो गई। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि पिछले 24 घंटों में अशांत बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में ये आतंकवादी मारे गए। शनिवार को हरनई जिले में ऐसे ही एक अभियान में राष्ट्रीय सैनिकों की आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में 11 आतंकवादी मारे गए और कई आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, सेना प्रमुख ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती और राज्यपाल शेख जाफर खान मंडोखाइल से मुलाकात की। उन्होंने मारे गए सैनिकों के अंतिम संस्कार में प्रार्थना की और संयुक्त सैन्य अस्पताल क्वेटा में घायल सैनिकों का हालचाल जानने पहुंचे। कलात जिले के मंगोचर इलाके में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के सड़क पर अवरोधक लगाने के प्रयास को विफल कर दिया। साथ ही, 12 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने बताया, पिछले 24 घंटों में बलूचिस्तान में विभिन्न अभियानों के तहत कुल 23 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। सेना ने बताया कि सुरक्षा बल न केवल बलूचिस्तान बल्कि पूरे पाकिस्तान से आतंकवाद के खात्मे के लिए दृढ़ संकल्प हैं। हालांकि, किसी ने भी हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली।

अमेरिका के टैरिफ पर ट्रूडो व शिनबाम का पलटवार, चीन की फिलहाल चुप्पी

वॉशिंगटन, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणा के साथ से अमेरिका के तीन सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों मैक्सिको, कनाडा और चीन पर टैरिफ लगा दिया गया है। शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अवैध आव्रजन और मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित चिंताओं का हवाला देते हुए कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत तथा चीन से आयात होने वाले सामान पर 10 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की।

इसके जवाब में रविवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा है कि कनाडा भी अमेरिकी सामानों पर 25 फीसदी शुल्क लगाएगा। इसी तरह मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने भी मैक्सिकन निर्यात पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के खिलाफ नई टैरिफ और गैर–टैरिफ नीतियां लागू करने का आदेश दिया है। हालांकि चीन की इस पूरे घटनाक्रम पर बारीक निगाह है। उसने फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं दी है।

अमेरिका की तरफ से कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत तथा चीन से आयात होने वाले सामान पर 10 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लागू हो गए। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संदेश साझा कर कहा है कि वे अपना चुनावी वादा पूरा कर रहे हैं। अपनी पोस्ट में ट्रम्प ने लिखा, मैंने मैक्सिको और कनाडा से आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ (कनाडाई ऊर्जा पर 10 प्रतिशत) और चीन पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लागू किया है।

यह अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत किया गया क्योंकि अवैध विदेशी और घातक ड्रग्स हमारे नागरिकोंको मार रहे हैं,जिनमें फेंटेनाइल भी शामिल है। हमें अमेरिकियों की रक्षा करने की आवश्यकता है और राष्ट्रपति के रूप में सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करना मेरा कर्तव्य है।

मैंने अपने चुनावी अभियान में वादा किया था कि अवैध प्रवास और ड्रग्स की बाढ़ को हमारी सीमाओं में आने से रोकेंगे और अमेरिकियों ने इसके पक्ष में भारी मतदान किया। ट्रम्प ने की थी घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लगातार सख्त टैरिफ लगाने की बात करते रहे हैं। अवैध आव्रजन और 'फेंटेनाइल' (एक तरह का तेज नशीला पदार्थ) के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रसायनों की तस्करी रोकने के लिए सख्त टैरिफ लगाने का तर्क दिया जा रहा है। ट्रूडो ने कहा, जवाब देंगे नेशनल पोस्ट के मुताबिक अमेरिकी टैरिफ के जवाब में ओटावा में रविवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि वे जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के लिए टैरिफ का विनाशकारी असर होगा। अमेरिकी नौकरियां जोखिम में पड़ जाएंगी और कीमतें बढ़ेंगी। ट्रूडो का दावा है कि अमेरिका में फेंटेनाइल और अवैध घुसपैठ का एक प्रतिशत से भी कम हिस्सा कनाडा से आता है।

हर फैसले के लिए योजना तैयार: मैक्सिको मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि हर फैसले के लिए प्लान है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार जो भी फैसला लेगी, उसके लिए मैक्सिको के पास प्लान ए, प्लान बी, प्लान सी है। इसमें मैक्सिको की रक्षा से जुड़े टैरिफ़ और ग़ैर–टैरिफ़ उपाय शामिल हैं।

कुलबीर सिंह और वृंदा भंडारी ने जीता नौसेना हाफ मैराथन के पहले संस्करण का खिताब

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना हाफ मैराथन के पहले संस्करण में कुलबीर सिंह और वृंदा भंडारी ने शीर्ष स्थान हासिल किया। कुलबीर सिंह ने पुरुष वर्ग, जबकि वृंदा भंडारी ने महिला वर्ग में जीत दर्ज की। राजधानी दिल्ली में रविवार को आयोजित इस भव्य मैराथन में 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में धावकों ने 21.1 किमी (हाफ मैराथन), 10 किमी और 5 किमी श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख एल. मंडाविया ने मुख्य दौड़ 21.1 किमी और 10 किमी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान रक्षा स्टाफ के प्रमुख, नौसेना स्टाफ के प्रमुख, एयर स्टाफ के प्रमुख और अन्य वरिष्ठ सैन्य एवं नागरिक अधिकारी मौजूद रहे। यह मैराथन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर इंडिया गेट और कर्तव्य पथ जैसे ऐतिहासिक स्थलों से गुजरी, जिससे प्रतिभागियों को एक अनूठा अनुभव मिला। आयोजन में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक मुख्य भागीदार, जबकि आईओसीएल और टाइटन वॉचेज सहयोगी भागीदार थे। इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक बनाना था। साथ ही इस मैराथन के माध्यम से युवाओं को भारतीय नौसेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने की भी पहल की गई। इस ऐतिहासिक मैराथन में विभिन्न श्रेणियों में कई एथलीटों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

हाफ मैराथन (21.1 किमी)-ओपन श्रेणी

पुरुष-
स्वर्ण: कुलबीर सिंह – 1:04:52
रजत: मंजीत सिंह – 1:05:22
कांस्य : शुभम् बालियान – 1:06:15

महिला –
स्वर्ण: वृंदा भंडारी – 1:37:08
रजत: निवेदिता कपूर – 1:40:58
कांस्य : निकिता राठी – 1:42:37

10 किमी दौड़-ओपन श्रेणी–
पुरुष: प्रकाश देशमुख – 0:30:22
महिला: कविता – 0:35:36

5 किमी दौड़-ओपन श्रेणी–
पुरुष: गौरव कसाना – 0:14:14
महिला: अंजलि – 0:17:37

मैराथन की सफलता और भविष्य की उम्मीदें प्रतिभागियों ने असाधारण धैर्य, दृढ़ संकल्प और खेल भावना का परिचय दिया। इस सफल आयोजन ने भविष्य में और अधिक प्रतिभागियों को जोड़ने की प्रेरणा दी है।

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालिका बाक्सिंग प्रतियोगिता बारह फरवरी से

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालिका बाक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन 12 फरवरी से होगा। 15 फरवरी तक चलने वाले इस प्रतियोगिता को स्पोर्ट्स स्टेडियम सहारनपुर में कराने का फैसला किया गया है। इसके लिए जिला और मंडल स्तर पर तैयारियां शुरु हो गयी हैं। इस संबंध में खेल निदेशक आर.पी सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश की टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। जिला और मंडल स्तर पर ट्रायल्स के बाद चयनित खिलाड़ियों को इस प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा जाएगा। लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि लखनऊ में जिला स्तर पर महिला खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया छह फरवरी को अपराह्न तीन बजे के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में किया जाएगा। वहीं मंडल स्तरीय खेल चयन प्रक्रिया सात फरवरी को पूरी की जाएगी। विभिन्न भार वर्ग में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की आयु एक जनवरी 2011 से 31 दिसम्बर 2012 के मध्य होना चाहिए। अपने साथ खिलाड़ी को जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड की छाया प्रति लाना अनिवार्य है।

हिना पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम की मैनेजर बनने वाली पहली महिला बनीं

लाहौर। महिला पुलिस अधिकारी हिना मुनव्वर को पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम का ऑपरेशंस मैनेजर बनाया गया है। हिना पहली महिला हैं जो पुरुष टीम की मैनेजर बनी हैं। उन्हें इसलिए नियुक्ति किस गया है जिससे कि टीम का संचालन सही तरीके से हो सके। हिना ने पहले भी कई अहम सुरक्षा भूमिकाएं निभाई हैं। हिना एक पुलिस अधिकारी हैं। पाकिस्तान क्रिकेट के इतिहास में ये पहला मौका है, जब किसी महिला को पुरुष टीम के मैनेजर की जिम्मेदारी सौंपी गई हो। हिना संवेदनशील और जोखिम भरे स्वात क्षेत्र में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी में रही हैं। हिना 8 फरवरी से पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज से अपनी जिम्मेदार संभालेंगी। हिना पहले भी कई कानून प्रवर्तन और सुरक्षा भूमिकाओं में अपनी जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक अधिकारी ने कहा, उनकी नियुक्ति का उद्देश्य टीम के भीतर और खिलाड़ियों और बोर्ड के बीच संचालन को सुव्यवस्थित करना है, क्योंकि उन्होंने रणनीतिक और नेतृत्वकारी भूमिकाओं में काम किया है, जिससे विभिन्न संचालन को सुव्यवस्थित करने में मदद मिली है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी, हिना को प्रतिनियुक्ति पर बोर्ड में लाए थे, क्योंकि वह पाकिस्तान की पुलिस सेवा का हिस्सा बनी हुई हैं।

मंधाना ने रोहित से उनकी भूलने वाली बिमारी पर पूछा सवाल, हंसने लगे साथी खिलाड़ी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अवार्ड समारोह में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना भी शामिल हुई थीं। इस कार्यक्रम के दौरान मंधाना ने रोहित से एक सवाल पूछा। जिसका रोहित ने जो जवाब दिया उससे साथी खिलाड़ी और प्रशंसक भी हंसने लगे। मंधाना ने रोहित पूछा कि ऐसी कौनसी हॉबी है जिसको लेकर टीम के साथी खिलाड़ी आपका आम तौर पर मजाक उड़ाते हैं। इसका जवाब देते हुए रोहित ने कहा कि हॉबी जैसा तो कुछ नहीं है पर भूलने की आदत को लेकर वह हंसी का पात्र बनते रहे हैं। रोहित ने कहा कि सब कहते हैं कि मैं पासपोर्ट या मोबाइल फोन तक भूल जाता हूं पर वास्तव में ऐसा नहीं है। काफी पहले ऐसा एक बार हुआ था पर उसके बाद से नहीं हुआ। रोहित ने जैसे ही ये बात कही तभी टीम के सभी युवा खिलाड़ी हंसने लगे। कार्यक्रम में मंधाना ने रोहित से पूछा कि वो एक सबसे बड़ी चीज क्या है जो वो भूल गए हों। इस सवाल पर रोहित हंसने लगे और उन्होंने कहा कि मैं इसका जवाब नहीं दे सकता। रोहित ने कहा कि ये शो लाइव जा रहा होगा और मेरी बीवी इसे देख रही होगी। ये बात मैं अपने तक ही रखूंगा। रोहित के भारतीय टीमके बचे हुए खिलाड़ी भी जोर से हंसने लग पड़े।

मोटापे के खिलाफ लड़ाई में साइकिलिंग फायदेमंद : डॉ. मनसुख मांडविया

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भारत में मोटापे से लड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए रविवार को यहां साइकिल चालकों के एक विविध समूह का नेतृत्व किया। मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में इस सप्ताह के फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में डॉक्टरों और पोषण विशेषज्ञों के समूह ने भाग लिया, जिन्होंने इस संदेश को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर पेरिस पैरालंपिक पदक विजेता रुबीना फ्रांसिस के साथ-साथ भारती कॉलेज दिल्ली और सोनिया विहार वाटर स्पोर्ट्स क्लब के कई युवा भी मौजूद थे।

डॉ. मांडविया ने कहा कि मोटापा युवाओं के लिए एक बड़ी समस्या और चुनौती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे से ग्रस्त है। इसलिए, आजकल व्यायाम और खेल खेलना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेलों में इसका जिक्र किया था। हमें अपने खान-पान के प्रति बहुत सचेत रहना होगा। मोटापे के खिलाफ इस लड़ाई में साइकिलिंग लगातार फायदेमंद भूमिका निभाएगा। फिट इंडिया के जरिए हम इस लड़ाई को जीत सकते हैं।

पेरिस पैरालंपिक 2024 में कांस्य पदक विजेता रुबीना फ्रांसिस ने बताया कि कैसे फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल इवेंट मोटापे के खिलाफ इस लड़ाई की दिशा में एक बेहतरीन कदम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से देश को अच्छे स्वास्थ्य की ओर बढ़ने और मोटापे के खिलाफ लड़ने में मदद मिलती है। सुबह-सुबह साइकिल चलाने या योग करने से न केवल जीवन में बहुत सारी सकारात्मकता आएगी बल्कि मोटापा मुक्त भारत के मिशन में भी मदद मिलेगी। एक एथलीट के तौर पर सुबह की दिनचर्या ने मेरी बहुत मदद की है और मुझे लगता है कि इसे अपनाने से आम लोगों को भी मदद मिलेगी।

मधुमेह एवं मोटापा विशेषज्ञ डॉ. त्रिभुवन गुलाटी, जो राइडर्स के समूह का हिस्सा थे, उन्होंने मोटापे से होने वाले कई स्वास्थ्य जोखिमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मोटापा अपने साथ 130 अलग-अलग बीमारियां लेकर आता है जैसे किडनी रोग, लिवर रोग, फैटी लिवर, प्री-डायबिटीज, डायबिटीज, महिलाओं में पीसीओडी और भी बहुत कुछ। यह एक बड़ा स्वास्थ्य मुद्दा है।

वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के सदस्य डॉ. पीयूष जैन ने कहा कि मोटापे से निपटने में साइकिल चलाना एक सकारात्मक कदम है। डॉ. जैन ने कहा कि आजकल आउटडोर गेम्स न होने की वजह से बच्चों में बहुत अधिक निष्क्रियता आ गई है। साइकिल अभियान के माध्यम से जनता को इस बारे में जागरूक करना बहुत महत्वपूर्ण है।

साई नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर) के खेल पोषण विशेषज्ञ भी सवारों के समूह का हिस्सा थे। साई एनसीएसएसआर की स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट अंशु मलिक ने कहा कि एक न्यूट्रिशनिस्ट के तौर पर मैं कह सकती हूं कि साइकिल चलाने से आप हमेशा जवान दिखेंगे।

युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और एमवाई भारत के सहयोग से 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया जाता है। ये आयोजन देश भर में साई क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों और खेलो इंडिया केंद्रों में एक साथ आयोजित किए जाते हैं।

उत्तर प्रदेश हैंडबाल टीम में काशी की दो बेटियों का चयन

वाराणसी, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय खेल में भागीदारी पर बेटियों में उत्साह, हैंडबाल संघ ने दी बधाई

धर्म नगरी काशी की युवा खिलाड़ी नैना यादव और सुमन यादव का चयन उत्तर प्रदेश हैंडबाल टीम में हुआ है। दोनों बेटियां यूपी टीम से राष्ट्रीय खेल में भाग लेंगी। वाराणसी हैंडबाल संघ ने दोनों बेटियों के चयन पर खुशी जताई है। हैंडबॉल संघ के सचिव शम्स तबरेज ने दोनों खिलाड़ियों के चयन पर उन्हें बधाई देते हुए शानदार प्रदर्शन की शुभकामना दी है। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के उपाध्यक्ष डॉ ए.के. सिंह ने बताया कि वाराणसी के लिए गौरव की बात है की एक ही मैदान की दो बेटियां राष्ट्रीय खेल में वाराणसी का नाम ऊंचा करेंगी। उन्होंने बताया कि 36वां राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में खेला जा रहा है। इसमें महिला हैंडबॉल की स्पर्धा उधमसिंह नगर में सात से 11 फरवरी तक खेली जाएगी। इस खेल महाकुंभ में उत्तर प्रदेश की महिला हैंडबॉल टीम भी हिस्सा ले रही है। उत्तर प्रदेश की टीम में वाराणसी की नैना यादव और सुमन यादव का चयन हुआ है। नैना लेफ्ट बैक और सुमन राइट बैक पोजिशन से खेलती है। ये पहला मौका है जब वाराणसी की दो बेटियां एक साथ राष्ट्रीय खेल मे उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रही है। दोनों खिलाड़ी ग्रामीण क्षेत्र की रहने वाली हैं। बताते चले दोनों बेटियां परमानंदपुर के बाबू आरएन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में डॉ आशा सिंह की देखरेख में प्रशिक्षण ले रही हैं। दोनों युवा खिलाड़ियों का कहना है कि उत्तर प्रदेश की अटैक लाइन बहुत मजबूत है। हम बेहतर परिणाम देंगे। खास बात यह है कि चमांव वाराणसी निवासी नैना यादव के पिता राजगीर मिस्त्री है। नैना को पढ़ाने के साथ बड़ा खिलाड़ी बनाने के लिए रातदिन पसीना बहाते हैं। नैना कक्षा दस में पढ़ने के साथ अपने पिता के सपने को साकार करने के लिए खेल मैदान में पसीना बहा रही है। वहीं, सुमन यादव के पिता भी राजगीर मिस्त्री है। वाजिदपुर निवासी सुमन भी अपने और पिता के सपनों को मूर्त रूप देने के लिए निरंतर अभ्यास में जुटी हुई है। सुमन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में अध्ययनरत है।

जे उसो ने जॉन सीना को हराकर रॉयल रंबल 2025 खिताब जीता

वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) डब्ल्यूडब्ल्यूई इंडियानापोलिस में खेला गया। इसमें जे उसो ने जॉन सीना को हराकर रॉयल रंबल 2025 जीत लिया है। मेन इवेंट में ये पहला मौका है जब उसो को ये खिताब मिला है। है। रॉयल रंबल में मशूहर यूट्यूबर आई शो स्पीड भी अचानक ही शामिल हो गये। रॉयल रंबल की शुरुआत रे मिस्टीरियो और पेंटा के बीच मुकाबले से हुई। दोनों ने एक-दूसरे पर अटैक करना शुरू किया। इसके बाद चैड गेबल, कैरमेलो हेस उतरे पर पर प्रशंसक तब हैरान हो गये। जब इस मुकाबले में यूट्यूबर स्पीड घुस ये। स्पीड कुछ ही मिनट रिंग में रह पाए और उन्हें ब्रॉन ब्रेकर ने एलिमिनेट कर बाहर कर दिया। इस रॉयल रंबल मैच में 8वें नंबर पर अकीरा की एंट्री होने वाली थी पर कार्मेलो ने उनके ऊपर पहले ही अटैक कर दिया। ऐसे में अकीरा प्रवेश नहीं कर पाये और उनकी जगह ट्रिपल एच ने स्पीड को रिंग में भेज दिया। स्पीड ने आते ही ओटिस को एलिमिनेट कर दिया। लेकिन इसके बाद ब्रेकर ने स्पीड पर एक तगड़ा स्पीयर मूव लगा दिया। इसके बाद उन्होंने स्पीड को रिंग के बाहर फेंक दिया और नीचे खड़े ओटिस ने स्पीड को पकड़कर कमेंट्री टेबल पर पटक दिया। स्पीड की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

यह हमारा विश्वास था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया : रूपिंदर पाल सिंह

पुरुष हॉकी इंडिया लीग का खिताब श्राची रारह बंगाल टाइगर्स ने किया अपने नाम

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

पुरुष हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में शनिवार को रोमांचक फाइनल में जुगराज सिंह की शानदार हैट्रिक की मदद से श्राची रारह बंगाल टाइगर्स ने हैदराबाद तूफांस को 4-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। खिताब जीतने पर बंगाल टाइगर्स के कप्तान रूपिंदर पाल सिंह ने कहा कि यह हमारा विश्वास था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया।

टूर्नामेंट में अपनी टीम के उतार-चढ़ाव भरे सफर के बारे में बात करते हुए श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के कप्तान रूपिंदर पाल सिंह ने कहा कि हमारे लिए यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, खासकर सात साल के अंतराल के बाद हॉकी इंडिया लीग की वापसी के साथ। टूर्नामेंट को इतने शानदार तरीके से आयोजित करने के लिए हम हॉकी इंडिया के बहुत आभारी हैं। एक टीम के रूप में हमारे सफर में उतार-चढ़ाव आए, लेकिन अंत में सब कुछ सही रहा। यह हमारा विश्वास ही था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया और मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है,

जिसने पूरे टूर्नामेंट में कड़ी मेहनत की और धैर्य बनाए रखा। फाइनल के लिए अपनी रणनीति के बारे में आगे बात करते हुए रूपिंदर ने कहा कि हम अपनी पेनल्टी कॉर्नर रणनीतियों को और अधिक प्रभावी ढंग से निष्पादित करने के लिए दृढ़ थे। फाइनल में हमारे लिए उन मौकों का अधिकतम लाभ उठाना महत्वपूर्ण था और हमने ऐसा किया। इसके अतिरिक्त, हमने अपनी रक्षात्मक संरचना को मजबूत करने और अधिकतम कब्जे को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया। इन सभी प्रयासों ने हमें मैच में वापसी करने और अंततः खिताब सुरक्षित करने में मदद की। पुरुष हॉकी इंडिया लीग 2024-25 का फाइनल मैच राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में शनिवार को हुआ था। फाइनल मुकाबले में बंगाल टाइगर्स के लिए जुगराज सिंह (25वें मिनट, 32वें मिनट, 35वें मिनट) और सैम लेन (54वें मिनट) ने गोल किया, जबकि हैदराबाद तूफांस के लिए गोंजालो पेइलट (9वें मिनट, 39वें मिनट) और अमनदीप लकड़ा (26वें मिनट) ने गोल दागे।

भारत ने 150 रन से जीता 5वां टी20, अभिषेक के बाद चमके शमी

मुंबई, 02 फरवरी (एजेंसियां)। देश की आर्थिक राजधानी और सितारों के लिए माया नगरी में मुंबई चा राजा आज भी शर्मा जी का बेटा ही है, लेकिन थोड़ा नाम बदल गया है। जी हां, आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की 54 गेंद में 135 रन की पारी और फिर बलखाती गेंदों के कमाल (3/2) से भारत ने 5वें और अंतिम मैच टी20 अंतरराष्ट्रीय में इंग्लैंड को रौंद डाला। इसके साथ ही उसने टी20 सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली। अब दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। भारत ने 20 ओवरों के बाद विकेट पर 247 रन का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में

इंग्लिश टीम अपने पूर्व पीएम ऋषि सुनक के स्टेडियम में रहते 10.3 ओवरों में 97 रनों पर सिमट गई। यानी वह अभिषेक शर्मा के स्कोर तक भी नहीं पहुंच सकी। 150 रनों की जीत उसकी दूसरी सबसे बड़ी जीत है, जबकि इससे पहले न्यूजीलैंड को अहमदाबाद में 2023 में 168 रनों से हराया था।इंग्लैंड को शुरुआती झटके लगे, जिससे वह आखिरी दम तक उबर नहीं सका। मोहम्मद शमी ने बेन डकेट (0) के रूप में 444 दिन बाद इंटरनेशनल मैच में विकेट झटका तो वरुण चक्रवर्ती ने एक बार फिर जोस बटलर (7) का शिकार किया। हैरी ब्रूक 2 रन बनाकर रवि बिश्नोई की गेंद पर आउट हुए तो लियाम लिविंगस्टोन को वरुण चक्रवर्ती ने 9 रनों के निजी स्कोर पर रिंकू सिंह के हाथों लपकवाया। इस बीच फिल साल्ट ने जरूर कुछ अच्छे शॉट्स लगाए और 23 गेंदों में 7 चौके और 3 छक्के उड़ाते हुए 55 रन की पारी खेली, लेकिन वह अपनी टीम को जीत के करीब भी नहीं पहुंचा सके। इंग्लैंड के लिए जैकब बेथेल 10 रन के रूप में दहाई तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे।

अभिषेक ने इस दौरान टी20 में किसी भारतीय बल्लेबाज का दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा। वह इसके साथ ही इस प्रारूप में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गए। अभिषेक ने क्रीज पर आते ही मैदान के चारों ओर चौके-छक्के की झड़ी लगाकर इंग्लैंड के गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया। यह 24 साल का यह खिलाड़ी किसी भारतीय बल्लेबाज के रूप में सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक (35 गेंद) के रोहित शर्मा के रिकॉर्ड को तोड़ने की ओर बढ़ रहा था लेकिन वह दो गेंद से चूक गए। उन्होंने 37 गेंदों अपना शतक पूरा किया।

कहीं महंगा तो कहीं सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

वैश्विक बाजार में एक बार फिर से क्रूड ऑयल की कीमतों में रविवार को गिरावट दर्ज की गई। इसी के साथ देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल के भाव में बदलाव देखा गया। हालांकि देश के चार प्रमुख महानगरों- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में से तीन में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं।

ब्रेंट क्रूड का भाव 0.22 डॉलर गिरकर 75.67 डॉलर प्रति बैरल

वहीं वैश्विक बाजार में 2 फरवरी को डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 0.20 डॉलर गिरकर 72.53 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई जबकि ब्रेंट क्रूड का भाव 0.22 डॉलर गिरकर 75.67 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

इस दौरान आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता होकर 109.64 और डीजल 10 पैसे गिरकर 97.47 रुपये प्रति लीटर पर आ गया, जबकि अरुणाचल प्रदेश में तेल का भाव क्रमश: 28-26 पैसे टूटकर 90.67-80.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है। केरल में पेट्रोल की कीमत 18 पैसे टूटकर 107.30 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल का भाव 30 पैसे गिरकर 96.18 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

मणिपुर में पेट्रोल 6 पैसे सस्ता होकर 99.15 और डीजल 5 पैसे गिरकर 85.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

उधर मेघालय में पेट्रोल का भाव तीन पैसे गिरकर 96.20 और डीजल 18 पैसे सस्ता होकर 87.73 रुपये प्रति लीटर हो गया है, ओडिशा में पेट्रोल 18 पैसे सस्ता होकर 100.93 और डीजल 18 पैसे गिरकर 92.51 रुपये प्रति लीटर हो गया है, पंजाब में पेट्रोल 7 पैसे गिरकर 97.47 और डीजल 7 पैसे टूटकर 87.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

वहीं तमिलनाडु में तेल का भाव क्रमश: 43-42 पैसे सस्ता होकर 100.80- 92.39 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। इसके अलावा बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में पेट्रोल और डीजल के भाव में हल्की तेजी देखी गई है।

न्यूज ब्रीफ

प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री बुकिंग अप्रैल दिसंबर में 38 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर के दौरान 38 प्रतिशत घटकर 10,065.7 करोड़ रुपये रही है। कंपनी ने बताया कि नियामकीय मंजूरी में देरी के कारण वह कम आवासीय परियोजनाएं शुरू कर सकी। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से है। अपनी हालिया निवेशक प्रस्तुति के अनुसार कंपनी ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के पहले नौ महीनों के दौरान 13,128 रुपये प्रति वर्ग फुट की औसत कीमत पर 80.9 लाख वर्ग फुट क्षेत्र बेचा। बेची गई इकाइयों की संख्या 3,618 थी, जबकि बिक्री मूल्य 10,065.7 करोड़ रुपये और ग्राहकों से संग्रह 8,910.9 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल बिक्री बुकिंग में गिरावट के बावजूद, प्रेस्टीज एस्टेट्स को पूरे वित्त वर्ष में 24,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग मिलने का भरोसा है, क्योंकि घरों की मांग मजबूत बनी हुई है। पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स की बिक्री बुकिंग 63 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 21,040 करोड़ रुपये थी, जो उससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में 12,931 करोड़ रुपये थी ।

गर्व की बात, भारत में बनी जिम्नी 5 डोर जापान में हुई लांच

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी जिम्नी 5 डोर इंडिया की दूसरी कार बन गई है, जो कि जापान में लांच हुई है। इसके पहले मारुति सुजुकी फ्रोंक्स को भी जापान में लांच किया गया था। खास बात ये है कि ये दोनों कारें मेड इन इंडिया है। यानी इनकी मैन्युफैक्चरिंग भारत में की गई है और बाद में इन्हें एक्पोर्ट करके जापान के बाजार में भेजा गया है। इसके पहले अभी तक जापान में इस सब-कॉम्पैक्ट ऑफ रोडर की 3 डोर वर्जन की ही ब्रिकी होती थी। अब जापान में भी अब 5 डोर मॉडल लांच होने के बाद वहां के बाजार में भी 5 डोर मॉडल सेल होगा। मेड इन इंडिया कारों का जापान जैसे बड़े और विकसित बाजार में लांच होना भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है। लांच से पहले ही जापान में जिम्नी 5 डोर की इमेज भी ऑनलाइन लीक हो गई थी जिससे कार के लिए बज क्रिएट हो गया था। जापान में 5 डोर जिम्नी का तस्वीर सामने आने के बाद से ही बाजार में इस कार के लिए काफी एक्साइटमेंट था। जापान में इस मॉडल को सिजलिंग रेज एंड ब्लैक ड्यूल टोन पेंट स्कीम के साथ देखा गया था।

एप्पल आईफोन की बिक्री में 23 प्रतिशत का बड़ा उछाल

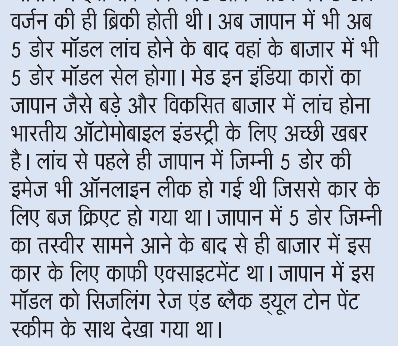

नई दिल्ली। सालाना आधार पर भारत में 2024 में एप्पल आईफोन की बिक्री में 23 प्रतिशत का जबर्दस्त उछाल दिखाई दिया। इतना ही नहीं, आईपैड की बिक्री में भी 44 प्रतिशत की मजबूत बढ़त हुई है। साइबर मीडिया रिसर्च (सीएमआर) द्वारा जानकारी में बताया गया कि 2024 में भारतीय स्मार्टफोन मार्केट में एप्पल आईफोन की हिस्सेदारी बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई है। इसकी वजह स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ना और छोटे शहरों में प्रीमियमाइजेशन का बढ़ता चलन है। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के वीपी (इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप), प्रभु राम ने कहा, कैलेंडर वर्ष 2024 में एप्पल के आईफोन और आईपैड में दोहरे अंक में मजबूत वृद्धि देखने को मिली है। इसकी वजह स्मार्टफोन में प्रीमियमाइजेशन बढ़ना है। इसके साथ ही एप्पल को घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग बढ़ने और रिटेल सेगमेंट के विस्तार का फायदा मिल रहा है।भारत मध्यम वर्ग तेजी से प्रीमियम डिवाइस की तरफ आकर्षित हो रहा है। इसकी वजह केवल लाइफस्टाइल में बदलाव होना ही नहीं, बल्कि एडवांस टेक्नोलॉजी को जल्द अपनाने की आकांक्षा होना भी है। उन्होंने आगे कहा, आईफोन और आईपैड की अपील एप्पल के लिए बाजार वृद्धि का एक प्रमुख चालक बनी हुई है। वर्ष 2025 और उसके बाद भी वृद्धि के लिए पर्याप्त गुंजाइश है। भारत में एप्पल के लिए अभी भी शुरुआती दिन हैं। 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एप्पल की एंट्री भारत के शीर्ष पांच मोबाइल ब्रांड में हो गई थी।

बजट 2025 : मध्यम वर्ग के लिए नया समय का आगाज

एक लाख करोड़ रुपए आएंगे ग्राहकों के हाथ में

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय वित्त मंत्रालय ने हाल ही में प्रस्तुत किए गए बजट 2025 में 12 लाख रुपये तक की सैलरी पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। इसके साथ ही अधिकतम कर दर भी बढ़ा दी गई है, जिससे सेक्टर को राहत मिलेगी। आम लोगों के लिए यह बजट एक सशक्तिकरण और सुरक्षा का संकेत है। इनकम टैक्स स्लैब में हुई बदलाव से लोगों के पास उचित धनराशि बचेगी, जिससे अर्थव्यवस्था में गति और विकास को प्रोत्साहित किया जा सकेगा। मिडिल क्लास के लिए यह बजट एक नए समय की शुरुआत है। सबसे अधिक प्रभावित सेक्टरों को राहत मिलने का भी आशा है, जो ग्रामीण भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बजट से मिडिल क्लास को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और उनकी जीवनशैली में सुधार आएगा। इससे रिटेल सेक्टर को नई ऊर्जा का संचार होगा, जिससे उसमें वृद्धि होगी और बढ़ावा मिलेगा। अब यह देखना है कि बजट के ऐतिहासिक प्रावधान कैसे सामाजिक और आर्थिक स्थिति में बदलाव लाते हैं और देश के लोगों के जीवन में कैसे एक नया परिवर्तन लाते हैं।

हिमाचल प्रदेश : केंद्रीय बजट में आयकर से 1.50 लाख आयकरदाताओं को लाभ

शिमला। हिमाचल प्रदेश में 12 लाख रुपये तक की आय में आयकर की छूट से 1.50 लाख आयकरदाताओं को सीधे लाभ मिलेगा। यह नई आयकर सीमा को बढ़ाने से मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी। इसमें 80 हजार सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश से 4.20 लाख लोग आयकर भरते हैं, जिसमें से 1.50 लाख ही आयकर देते हैं। आयकर सीमा को बढ़ाने के बाद 40 हजार सरकारी कर्मचारी आयकर मुक्त होंगे। ये आयकर सीमा को बढ़ाने का फोटो पीछे के वर्षों से कर्मचारियों की मांग थी। इस संबंध में सर्व कर्मचारी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि मध्यम वर्ग को अवश्य राहत दी गई है। इस नई पहल से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों को फायदा होगा और उन्हें आयकर भरने में काफी राहत मिलेगी। इस बजट में हिमाचल की रेल परियोजनाओं को लेकर अलग से कोई बजट नहीं आया है, जिससे कुछ लोगों की उम्मीदें भी टूटी हैं। इसके बावजूद आयकर सीमा में की गई यह बड़ी राहत हर किसी के लिए ऐसी है जिसे कोई भी सोच सकता नहीं था। इस प्रकार, नए आयकर सीमा को बढ़ाने से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों को बहुत ही सकारात्मक परिणाम मिलेंगे और उन्हें आर्थिक रूप से देश के विकास में योगदान देने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

पिछले एक दशक में, ब्रांडेड दैनिक जरूरतों के सामान की बिक्री ग्रामीण भारत पर अधिक निर्भर रही है। भारत के गांवों में करीब 80 करोड़ लोग रहते हैं। इनका खरीदारी व्यवहार मुख्य रूप से कृषि उत्पादन से जुड़ा हुआ है। कंपनियों के अनुसार कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपये का आवंटन कई पहलों के साथ कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था बेहतर होगी। इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव के कारण लोगों के पास एक लाख करोड़ रुपये बचेंगे।

यानी कह सकते हैं कि इतनी रकम उनके हाथ में होगी। इस रकम को वे टैक्सपेयर्स मार्केट में खर्च करेंगे। माना जा रहा है कि इस रकम का बड़ा हिस्सा टैक्सपेयर्स रिटेल मार्केट में खर्च करेंगे। इससे इस सेक्टर को तगड़ा बूम मिलेगा। भारत का रिटेल सेक्टर अभी 104 लाख करोड़ रुपये का है। साल 2000 से लेकर अब तक इसमें 6 गुना की तेजी आ चुकी है। ग्लोबल ब्रांड इसमें तेजी से बढ़ रहे हैं।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार गिरावट के साथ बंद

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

सरसों की नयी फसल की आवक के बीच उसकी कीमतों पर दबाव से सरसों तिलहन में गिरावट को बढ़ावा दिया

आम बजट में चिंता जताने और चीजों को बदलने के प्रयासों की घोषणा के बावजूद बीते सप्ताह बिनौला तेल को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने बताया कि इस गिरावट का मुख्य कारण सरसों की नयी फसल की आवक के बीच उसकी कीमतों पर दबाव है, जिसने सरसों तिलहन में गिरावट को बढ़ावा दिया। किसानों की सचेती और सोयाबीन के डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग प्रभावित रहने से सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम भी गिरावट के साथ बंद हो गए। इसके अलावा, बिनौला खल के दाम टूटने और भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा पहले न्यूनतम समर्थन मूल्य की खरीद लागत से कम दाम पर बिनौला सीड की बिक्री करने से बाकी सभी देशी खल और डीओसी पर दबाव बढ़ गया है। । बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 175 रुपये गिरावट के साथ 6,050-6,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 100 रुपये की गिरावट के साथ 13,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 10-10 रुपये के हानि के साथ क्रमश: 2,240-2,340 रुपये और 2,240-2,365 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 4,225-4,275 रुपये और 3,925-4,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 50 रुपये, 50 रुपये और 100 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 13,200 रुपये, 13,000 रुपये और 9,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव भी 375 रुपये की गिरावट के साथ 5,300-5,625 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव भी क्रमश: 150 रुपये और 25 रुपये की गिरावट के साथ 13,950 रुपये और 2,115-2,415 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 100 रुपये टूटकर 12,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये टूटकर 13,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 100 रुपये टूटकर 12,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दिल्ली में ...

श्री मोदी ने कहा कि कल बजट आने के बाद से पूरा मिडिल क्लास कह रहा है कि ये बजट, भारत के इतिहास में मध्यम वर्ग के लिए सबसे अनुकूल बजट है। हमारी सरकार ने 12 लाख रुपए तक की आमदनी पर इनकम टैक्स पूरी तरह जीरो कर दिया है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों के हजारों रुपए बचेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंदुस्तान के विकास में हमारे मध्यम वर्ग का बहुत बड़ा योगदान है। ये भाजपा ही है, जो मध्यम वर्ग को सम्मान देती है, ईमानदार करदाताओं को पुरस्कार देती है।

श्री मोदी ने कहा,अगर नेहरू जी के जमाने में आप 12 लाख रुपये कमाते तो 12 लाख रुपये की आय पर आपकी एक चौथाई सैलरी सरकार वापस ले लेती। अगर आज इंदिरा जी का जमाना होता तो 12 लाख रुपये तक की आय पर आपके 10 लाख रुपये टैक्स में चले जाते। 10-12 साल पहले तक, कांग्रेस की सरकार में अगर आप 12 लाख रुपये कमाते तो आपको 2 लाख 60 हजार रुपया टैक्स देना होता। भाजपा सरकार के कल के बजट के बाद, साल में 12 लाख कमाने वाले को एक रुपया भी टैक्स नहीं देना पड़ेगा।

उन्होंने कहा, ये 'आप-दा' वाले तो आपके ईलाज, आपके अस्पताल और आपकी दवाओं में भी घोटाला करते हैं। मैं दिल्लीवासियों को वादा करता हूं, जिन्होंने दिल्ली को लूटा है, उनको लौटाना ही पड़ेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जनऔषधि केंद्रों पर पहले ही दवाएं 80 प्रतिशत छूट पर दी जा रही हैं। अब कल के बजट के बाद कैंसर की, गंभीर बीमारी की 30 से ज्यादा दवाएं और सस्ती हो जाएंगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता है कि हमारे युवाओं को ज्यादा से ज्यादा अवसर मिले, आधुनिक सुविधाएं मिलें। इस बजट में खेल बजट को बढ़ाकर करीब 3800 करोड़ रुपया कर दिया गया है, खेलो इंडिया अभियान के लिए 1000 करोड़ रुपया दिया गया है।

श्री मोदी ने कहा दिल्ली के लोग कभी भूल नहीं सकते कि खेलों के नाम पर किस तरह आप-दा और कांग्रेस ने दिल्ली के लोगों को धोखा दिया है। कॉमनवेल्थ घोटाले के दाग इतने गहरे हैं कि कांग्रेस कभी उससे मुक्त नहीं हो सकती। 'आप-दा' पार्टी ने दिल्ली में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के नाम पर जो खेल किया है, वो दिल्ली की जनता, दिल्ली का नौजवान भली भांति जानता है। इसलिए आज का युवा भारत, भाजपा पर भरोसा करता है, भाजपा के साथ है।

भारत-इंडोनेशिया...

मैं जकार्ता से दूर हूं, लेकिन मेरा मन इसके करीब है, जैसे भारत और इंडोनेशिया एक-दूसरे के करीब हैं। मैं महाकुंभभिषेकम के अवसर पर वहां के सभी लोगों को शुभकामनाएं देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत से 140 करोड़ भारतीयों का प्यार लेकर गए थे। उन्होंने कहा कि अपने राष्ट्रपति के माध्यम से इंडोनेशिया के लोगों को हर भारतीय की शुभकामनाओं का अनुभव हो रहा होगा।

उन्होंने कहा, भारत और इंडोनेशिया का संबंध विरासत का है, विज्ञान का है, आस्था का है। हमारा संबंध साझा आस्था का है, अध्यात्म का है। हम भगवान मुरुगन और भगवान श्री राम से भी जुड़े हैं और हम भगवान बुद्ध से भी जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत से इंडोनेशिया जाने वाला व्यक्ति जब प्रम्बानन मंदिर में हाथ जोड़ता है, तो उसे काशी और केदार जैसा ही आध्यात्मिक अनुभव होता है। पीएम मोदी ने कहा कि जब भारत के लोग काकाविन और सेरत रामायण के बारे में सुनते हैं, तो उन्हें वाल्मीकि रामायण, कम्ब रामायण और रामचरित मानस जैसी ही अनुभूति होती है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, अब भारत में इंडोनेशिया की रामलीला का मंचन अयोध्या में भी होता है। इसी तरह, जब हम बाली में ओम स्वस्ति-अस्तु सुनते हैं, तो हमें भारत के वैदिक विद्वानों द्वारा किया गया स्वस्ति वाचन याद आता है। आपके बोरोबुदुर स्तूप में हमें भगवान बुद्ध की वही शिक्षाएं देखने को मिलती हैं, जो हमें भारत में सारनाथ और बोधगया में देखने को मिलती हैं। हमारे राज्य ओडिशा में आज भी बाली यात्रा मनाई जाती है। यह त्योहार उन प्राचीन समुद्री यात्राओं से जुड़ा है, जो कभी भारत और इंडोनेशिया को व्यापार और संस्कृति से जोड़ती थीं। आज भी जब भारत के लोग हवाई यात्रा के लिए गरुड़ इंडोनेशिया में सवार होते हैं, तो उन्हें हमारी साझा संस्कृति की झलक मिलती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंध कई मजबूत धागों से बुने हुए हैं।

देश राजकोषीय...

और यह सब सामाजिक कल्याण योजनाओं, शिक्षा या स्वास्थ्य पर किसी भी नकारात्मक प्रभाव के बिना किया जा रहा है।सीतारमण ने कहा कि राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर कायम रहते हुए, सार्वजनिक व्यय पर कोई समझौता नहीं किये बिना वृद्धि को गति देने के लिए जो भी आवश्यक है, कदम उठाये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, पूंजीगत व्यय में कमी नहीं आई है। हम दो सिद्धांतों का पालन करते है। यह है... राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखने के साथ केवल सार्थक पूंजीगत व्यय के लिए कर्ज लेना।

सीतारमण ने अगले वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय में मामूली वृद्धि के साथ इसे 11.21 लाख करोड़ रुपये किये जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि खर्च की गुणवत्ता को भी देखे जाने की जरूरत है। चालू वित्त वर्ष में संशोधित पूंजीगत व्यय अनुमान 10.18 लाख करोड़ रुपये है।

उन्होंने कहा कि वास्तव में हमें 2020 से हर साल पूंजीगत व्यय में 16 प्रतिशत, 17 प्रतिशत की वृद्धि की आदत हो गई है और अब यह कहा जा रहा है कि आपने 2025-26 के बजट में इसे उस अनुपात में नहीं बढ़ाया है। मैं आपसे यह भी कहना चाहूंगी कि कृपया आप विशेष रूप से पूंजीगत व्यय मद में खर्च की गुणवत्ता को देखें।

सीतारमण ने उन राज्यों की भी सराहना की, जिन्हें केंद्र सरकार की ओर से पूंजीगत व्यय के तहत 50 साल के लिए ब्याज-मुक्त राशि प्राप्त हुई है।

वित्त मंत्री ने कहा, उन्होंने पूंजीगत व्यय और व्यय की गुणवत्ता में भी बहुत रुचि दिखाई है, इसलिए यह बहुत अच्छी रहा है...।

वित्त वर्ष 2024-25 में पूंजीगत व्यय बजटीय अनुमान 11.11 लाख करोड़ रुपये से कम रहा। इसका कारण देश में आम चुनाव था। इससे चार महीने पूंजीगत व्यय प्रभावित हुआ।

उन्होंने कहा, इस वित्त वर्ष मं चुनाव के कारण पूंजीगत व्यय थोड़ा धीमा रहा। अन्यथा मेरा संशोधित अनुमान भी बजट अनुमान के करीब होता।

दक्षिण अफ्रीका को...

जी तृषा ने सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 309 रन बनाये और सात विकेट लिये।इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 11 के स्कोर पर सिमॉन लुरेंस (शून्य) का पहला तथा 20 के स्कोर पर जेम्मा बोथा (16) के रूप में दूसरा और इसक बाद दियारा रामलाकन (तीन) के रूप में तीसरा विकेट गवां दिया। कप्तान कायला रेनेके (सात) रन बनाकर आउट हुई। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे दक्षिण अफ्रीका का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। करबो मेसो (10) और फे काउलिंग (15) रन बनाकर आउट हुई। मीके वान वूर्स्ट ने टीम के लिए (23) रनों की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका के चार बल्लेबाज शून्य पर आउट हुये। दक्षिण अफ्रीका टीम ने निर्धारित 20 ओवरों तक मैच खिंचा लेकिन वह 82 रन का ही स्कोर खड़ा सकी।

भारत की ओरसे जी तृषा ने 15 रन देकर तीन विकेट लिये। पारुनिका सिसोदिया, आयुषी शुक्ला और वैष्णवी शर्मा को दो-दो विकेट मिले। शबनम एम डी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

दिल्ली में कांग्रेस...

कांग्रेस की ईगल टीम में अजय माकन, दिग्विजय सिंह, डॉ. अभिषेक सिंघवी, प्रवीण चक्रवर्ती, पवन खेड़ा, गुरदीप सिंह सप्पल, डॉ. नितिन राउत और चल्ला वंशी चंद रेड्डी शामिल हैं।

ईगल को दिया गया पहला काम महाराष्ट्र चुनाव को लेकर है, जहां वे मतदाता सूची में हेराफेरी के मुद्दे पर आलाकमान को विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे। कांग्रेस ने बताया कि ईगल अन्य राज्यों में पिछले चुनावों का भी विश्लेषण करेगा और आगामी चुनावों और देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के संचालन से संबंधित अन्य सभी मुद्दों पर सक्रिय रूप से निगरानी करेगा।

नए टैरिफ सेट...

जहां एक तरफ चीन मैक्सिको सहित अन्य देशों ने इसका विरोध किया वहीं ट्रंप ने कहा कि यह कदम अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत उठाया गया है। ट्रंप ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बताते हुए कहा कि यह अवैध प्रवास और घातक ड्रग्स, जैसे फेंटेनाइल, के प्रवाह को रोकने के लिए आवश्यक है। हालांकि, इस फैसले से अमेरिका में वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो सकती है और व्यापारिक संबंध और अधिक जटिल हो सकते हैं।

दुनिया की सबसे...

वहीं, भूटान इस सूची में 145वें स्थान पर है, जो सबसे निचली रैंकिंग है।

ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स 60 से अधिक मापदंडों को ध्यान में रखकर सैन्य क्षमता का आकलन करता है। इसमें परमाणु हथियारों को शामिल नहीं किया जाता। मुख्य मापदंडों में सैन्य इकाइयां (टैंक, विमान, युद्धपोत, मिसाइल प्रणाली), आर्थिक शक्ति (रक्षा बजट और वित्तीय संसाधन), लॉजिस्टिक क्षमता (ईंधन आपूर्ति, भंडारण, परिवहन) और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति शामिल हैं।

मानसिक तनाव से न हो परेशान इन मंत्रों के जपा से समस्या होगी दूर

सोमवार का दिन महादेव को प्रिय है। इस दिन शुभ मुहूर्त में महादेव और मां पार्वती की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही सोमवार व्रत जाता है। इससे शिव जी प्रसन्न होते हैं और हर मनोकामना पूरी होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंद्रमा के कमजोर होने पर मानसिक तनाव की समस्या का सामना करना पड़ता है।

यदि आप भी मानसिक तनाव से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन सुबह भगवान शिव अभिषेक करें। इस दौरान इन मंत्रों का जप करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से कुंडली में चंद्रमा मजबूत होता है और मानसिक तनाव की परेशानी खत्म होती है।

तनाव दूर करने हेतु मंत्र

* ऊँ इमं देवा असपत्नं ग्वं सुवध्यं ।
* ऊँ ऐं क्लीं सोमाय नम:।

ऊँ श्रां श्रीं श्रौं चन्द्रमसे नम:।

ऊँ श्रीं श्रीं चन्द्रमसे नम:।

* ऊँ दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसंभवम ।

नमामि शशिनं सोमं शंभोर्मुकुटभूषणम ।।

ऊँ अमृतंग अन्गाये विधमहे कलारुपाय धीमहि, तन्नो सोम प्रचोदयात ।।

ऊँ प्रतिजागृहि त्वमिष्टापूर्ते स सृजेथामयं च।

अस्मिन्त्सधस्थे अध्युत्तरस्मिन्विश्वे देवा यजमानश्च सीदत ।।

प्रियंगुकलिकाश्यामं रुपेणाप्रतिमं बुधम ।

सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम ।।

ऊँ चन्द्रपुत्राय विदमहे रोहिणी प्रियाय धीमहि तन्नोबुध: प्रचोदयात ।

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।

उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ।।

ऊँ अघोरेभ्यो अथघोरेभ्यो, घोर घोर

सर्वेभ्यो सर्व शर्वेभ्यो, नमस्ते अस्तु रूद्ररूपेभ्य:।।

मामिशमीशान निर्वाण रूपं विभुं व्यापकं ब्रह्म वेद स्वरूपं।।

ऊँ क्लीं क्लीं क्लीं वृषभारूढ़ाय वामांगे गौरी कृताय क्लीं क्लीं क्लीं ऊँ नमः शिवाय।।

ॐ मृत्युंजय परेशान जगदाभयनाशन ।

तव ध्यानेन देवेश मृत्युप्राप्नोति जीवती ।।

वन्दे ईशान देवाय नमस्तस्मै पिनाकिने ।

नमस्तस्मै भगवते वासिने ।

आदिमध्यांत रूपाय मृत्युनाशं करोतु मे ।।

त्र्यंबकाय नमस्तुभ्यं पंचस्याय नमोनमः ।

नमोब्रह्मेन्द्र रूपाय मृत्युनाशं करोतु मे ।।

नमो दोर्दण्डचापाय मम मृत्युम् विनाशय ।।

देवं मृत्युविनाशनं भयहरं साम्राज्य मुक्ति प्रदम्।

नमोर्धेन्दु स्वरूपाय नमो दिग्वसनाय च ।

नमो भक्तार्ति हन्त्रे च मम मृत्युं विनाशय ।।

अज्ञानान्धकनाशनं शुभकरं विध्यासु प्रदम्।

नाना भूतगणान्वितं दिवि पदैः देवैः सदा सेवितम् ।।

सर्व सर्वपति महेश्वर हरं मृत्युंजय भावये ।।

2 मार्च तक कुंभ- मीन राशियों पर बरसेगी शनिदेव की कृपा, पैसों की तंगी होगी दूर

फरवरी का महीना कई राशि के जातकों के लिए बेहद शुभ साबित होगा। इस महीने में कई ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। वहीं, कई ग्रह राशि कर चुके हैं। ग्रहों के राशि परिवर्तन से राशि चक्र की सभी राशियों पर प्रभाव पड़ेगा। इनमें 2 राशि के जातकों को सर्वाधिक लाभ होगा। इन राशियों की बिगड़ी किस्मत संवर जाएगी।

ज्योतिषियों की मानें तो सुखों के कारक शुक्र देव मीन राशि में विराजमान हैं। इस राशि में देव 31 मई तक रहेंगे। इसके साथ ही न्याय के देवता शनिदेव ने भी नक्षत्र परिवर्तन किया है। यह परिवर्तन 2 राशि के जातकों के लिए बेहद मंगलकारी रहने वाला है।

कुंभ राशि – वर्तमान समय में कुंभ राशि के जातकों पर साढ़े साती का दूसरा चरण चल रहा है। के राशि परिवर्तन करने के साथ ही कुंभ राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का अंतिम चरण शुरू होगा। शनिदेव के लग्न में रहने से कुंभ राशि के जातकों को मिलजुला परिणाम प्राप्त हो सकता है। इस दौरान आप एकांत होकर अपने कार्य को करेंगे। इससे काम में सफलता भी होगी। किसी व्यक्ति से मिलना होगा। इससे आपको लाभ होगा। विषम परिस्थिति से न घबराएं। शनिदेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से धन की परेशानी दूर होगी। साथ ही शुभ कामों में जीत हासिल होगी। व्यर्थ के विवाद से दूर रहें। भगवान शिव की पूजा-उपासना करने से आपको अवश्य लाभ मिलेगा।

मीन राशि – शनिदेव के नक्षत्र परिवर्तन से मीन राशि के जातकों को लाभ मिल सकता है। इस राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का पहला चरण चल रहा है। इसके लिए जीवन में कठिनाइयों से गुजरना पड़ रहा है। शनिदेव के राशि परिवर्तन से मीन राशि के जातकों साढ़े साती का दूसरा चरण शुरू होगा।

वर्तमान समय में मीन राशि के जातकों पर शुक्र देव की भी कृपा बरस रही है। वहीं, शनिदेव की कृपा से आने वाले समय में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। अचानक से धन प्राप्त हो सकता है। किसी नए काम की शुरुआत कर हैं। भविष्य की प्लानिंग कर सकते हैं। बड़ों से सलाह लेकर काम करें। जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा करें।

नर्मदा जयंती कल मनाई जाएगी

सनातन धर्म में माघ माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि का महत्व है। इस शुभ अवसर पर नर्मदा जयंती मनाई जाती है। बड़ी संख्या में साधक या श्रद्धालु नर्मदा समेत अन्य पवित्र नदियों में आस्था की डुबकी लगाते हैं। साथ ही मां नर्मदा की पूजा करते हैं। नर्मदा नदी में स्नान-ध्यान करने से साधक द्वारा जाने-अनजाने में किए गए पापों मुक्ति मिलती है। साथ ही मां गंगा की आशीर्वाद प्राप्त होता है।

नर्मदा जयंती शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि 04 फरवरी को सुबह 04 बजकर 37 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, 5 फरवरी को देर रात 02 बजकर 30 मिनट समाप्त होगी। सूर्योदय तिथि गणना के अनुसार, 04 फरवरी को नर्मदा जयंती मनाई जाएगी। साधक सुविधा अनुसार समय पर नर्मदा नदी स्नान कर सकते हैं।

नर्मदा जयंती शुभ योग

ज्योतिषियों की मानें तो नर्मदा जयंती पर एक साथ कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन में स्नान-ध्यान करने और मां नर्मदा की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। इस शुभ अवसर पर शुभ और सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग का संयोग है।

पूजा विधि – माघ माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी के दिन ब्रह्म बेला में उठें। अब मां नर्मदा का ध्यान कर दिन की शुरुआत करें। इसके बाद घर की साफ-सफाई करें। सभी कामों से निपटने के बाद सुविधा होने पर नर्मदा नदी में स्नान करें। सुविधा न होने पर घर पर ही सामान्य पानी में नर्मदा नदी का मिलाकर स्नान करें। इसके बाद आचमन कर पीले रंग के कपड़े पहनें। अब सूर्य देव को जल दें। इसके बाद पंचोपचार कर विधिपूर्वक लक्ष्मी नारायण जी और मां नर्मदा की पूजा करें।

रोजाना पूजा के समय करें इन मंत्रों का जाप, पैसों की तंगी से मिलेगा छुटकारा

सनातन धर्म में कुबेर जी को धन का देवता का कहा जाता यह वरदान देवों के देव महादेव से कुबेर को प्राप्त हुआ है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि राज्य छीनने के बाद पिता के कहे अनुसार कुबेर ने देवों के देव महादेव की कठिन तपस्या की थी। कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने कुबेर को धन देवता का अधिकार प्रदान किया।

ज्योतिष भी आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए कुबेर देव की पूजा करने की सलाह देते हैं। दीवाली के शुभ अवसर पर धन की देवी मां लक्ष्मी और भगवान गणेश के साथ कुबेर देव की भी पूजा की जाती है। कुबेर देव की पूजा से धन की समस्या दूर होती है। अगर आप भी धन की समस्या से निजात पाना चाहते हैं, तो रोजाना पूजा के समय राशि अनुसार इन मंत्रों का जप करें।

राशि अनुसार मंत्र जाप

मेष राशि के जातक पूजा के समय ‘ ॐ परमायै नमः और ॐ कुबेराय नमः मंत्र का जप करें।

वृषभ राशि के जातक पूजा के समय ‘ ॐ नादिन्यै नमः और ॐ शङ्करसखाय नमः’ मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि के जातक पूजा के दौरान ‘ ॐ त्रिपुरायै नमः और ॐ महते नमः’ मंत्र का जप करें।

कर्क राशि के जातक पूजा के समय ॐ भैरव्यै नमः और ॐ एकपिनाकाय नमः’ मंत्र का जप करें।

सिंह राशि के जातक पूजा के दौरान ‘ ॐ विद्यायै नमः और ॐ महाप्राज्ञाय नमः’ मंत्र का जप करें।

कन्या राशि के जातक पूजा के समय ‘ ॐ हंसायै नमः और ॐ पुण्यात्मने नमः’ मंत्र का जप करें।

राशि के जातक पूजा के दौरान ‘ ॐ करालयै नमः और ॐ महारात्र्यै नमः’ मंत्र का जप करें।

वृश्चिक राशि के जातक मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए ‘ ॐ महाकाल्यै नमः ’ मंत्र का जप करें।

धनु राशि के जातक पूजा के समय ‘ ॐ काल्यै नमः ॐ नाथाय नमः’ मंत्र का जप करें।

मकर राशि के जातक पूजा के समय ’ ॐ कामाक्ष्यै नमः और ॐ नित्येश्वराय नमः’ मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि के जातक ‘ॐ कामदायै नमः और ॐ शिवपूजारताय नमः’ मंत्र का जप करें।

मीन राशि के जातक पूजा के समय‘ॐ शुभायै और ॐ सोमाय नमः’ मंत्र का जप करें।

क्या आप भी दरवाजे पर पायदान रखने में करते हैं ये गलती?

सुख-समृद्धि के लिए इन नियमों को रखें याद

घर के मुख्य द्वार पर रखा जाने वाला पायदान सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वास्तु शास्त्र में इसे नकारात्मक ऊर्जा को रोकने और शुभता बनाए रखने का एक प्रभावी माध्यम माना जाता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार में रखी हर वस्तु का हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ता है। सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए हमें घर की साज-सज्जा और वस्तुओं के स्थान को वास्तु के सिद्धांतों के अनुरूप रखना चाहिए।

इसी क्रम में घर के मुख्य द्वार पर रखा जाने वाला पायदान भी अत्यंत भूमिका निभाता है। कई लोग इसे केवल सफाई का साधन समझते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे नकारात्मक ऊर्जा को रोकने और शुभता बनाए रखने का एक प्रभावी माध्यम माना जाता है।

मुख्य द्वार पर पायदान रखने का महत्व

मुख्य द्वार किसी भी घर का प्रवेश द्वार होता है यही वह स्थान है जहां से ऊर्जा का प्रवाह घर के भीतर होता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि मुख्य द्वार पर सही रंग और सामग्री का पायदान रखा जाए, तो यह नकारात्मक ऊर्जा को प्रवेश करने से रोकता सकता है और घर में सुख-समृद्धि को बनाए रखने में करता है।

किस दिशा में रखना चाहिए कौन सा पायदान?

घर के मुख्य द्वार की दिशा के अनुसार पायदान के रंग का चयन किया जाना चाहिए।

पश्चिम दिशा: पश्चिम दिशा का संबंध शनि ग्रह से होता है। घर का मुख्य द्वार अगर पश्चिम की ओर है, तो आपको काला, या ग्रे रंगे के पायदान का इस्तेमान करना चाहिए। ये रंग नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक माने जाते हैं।

उत्तर दिशा: यह दिशा कुबेर की मानी जाती है, जो धन और समृद्धि के देवता हैं। घर का मुख्य द्वार उत्तर दिशा में हो, तो हरे या हल्के रंग का पायदान शुभ रहेगा। यह धन वृद्धि और मानसिक शांति प्रदान करने में सहायक माना जाता है।

पूर्व दिशा: यह दिशा सूर्य से जुड़ी हुई है, जो जीवन ऊर्जा का स्रोत है। इस दिशा में द्वार पर लाल, नारंगी या सुनहरे रंग का पायदान रखना उत्तम माना जाता इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

दक्षिण दिशा: यह दिशा मंगल और राहु ग्रह से प्रभावित होती है। इस दिशा के मुख्य द्वार पर गहरे लाल, मरून या भूरे रंग का पायदान रखना शुभ माना जाता है। इससे घर में स्थिरता और शक्ति बनी रहती

पायदान का सही आकार और सामग्री

रंग के अलावा पायदान का आकार भी उसके प्रभाव को निर्धारित करता है। अलग-अलग आकार के पायदान विभिन्न प्रकार की ऊर्जा को आकर्षित करते हैं।

आयताकार पायदान- यह आर्थिक समृद्धि और धन को आकर्षित करने के लिए सबसे प्रभावी माना जाता है।

गोलाकार यह शांति और संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है।

अंडाकार पायदान- यह घर के भीतर सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करता है और समृद्धि को बढ़ाता है।

पायदान की सामग्री

पायदान की सामग्री भी विशेष रूप से महत्वपूर्ण होती है। हमेशा कपड़े से बना पायदान ही रखना चाहिए, क्योंकि प्राकृतिक होता है और घर में ऊर्जा संतुलन बनाए रखता है। एक्रेलिक या प्लास्टिक से बने पायदानों से बचना चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा को रोकने में सक्षम नहीं होते। बुनाई वाले डोरमेट (जूट या सूती) को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि यह अधिक लाभकारी माना जाता है।

वास्तु शास्त्र के इन उपायों से दूर हो सकती है मनमुटाव की स्थिति, परिजनों में बढ़ेगा प्रेम

हर परिवार की सोच यह होती है कि उसके यहाँ पर किसी प्रकार की कोई कलह या लड़ाई झगड़ा परिवार के सदस्यों के बीच में न हो। हालांकि यह बहुत मुश्किल होता है। किसी न किसी बात को लेकर घर परिवार के सदस्यों के बीच खटपट हो जाना आम बात है। जब यह कलह या लड़ाई झगड़ा लगातार बना रहता है तो व्यक्ति देवी देवताओं, पुजारियों और ज्योतिषियों के चक्कर लगाना शुरू कर देता है। इस मामले में वास्तु शास्त्र आपकी समस्याओं का समाधान कर सकता है।

कहा जाता है कि घर में जब नेगेटिव एनर्जी (नकारात्मकता) का प्रभाव बढ़ जाता है तो घर के सदस्यों के बीच मनमुटाव की स्थिति भी बनी रहती है। अगर आप भी अपने घर में सुबह से लेकर शाम तक कलह-क्लेश से परेशान हैं तो कुछ वास्तु उपाय ट्राई कर सकते हैं।

रोशन और साफ सुथरा हो घर का ईशान कोण

वास्तु के अनुसार, उत्तर पूर्वी दिशा को ईशान कोण कहते हैं। घर के ईशान कोण को हमेशा साफ-सुथरा और रौशन रखना चाहिए। घर का ईशान कोण साफ-सुथरा रहे तो पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बना रहता है।

बुद्ध की मूर्ति – घर में कलह क्लेश का माहौल को कम करने के लिए भगवान बुद्ध की मूर्ति रखें। भगवान बुद्ध की मूर्ति लिविंग एरिया या बालकनी में रखी जा सकती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, भगवान बुद्ध की मूर्ति रखने से घर में शांति बनी रहती है।

सेंधा नमक का इस्तेमाल

सेंधा नमक के इस्तेमाल से घर की पॉजिटिव एनर्जी को कम किया जा सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, नमक के इस्तेमाल से नेगेटिव एनर्जी दूर की जा सकती है इसलिए अपने घर या कमरे के सभी कोनों में सेंधा नमक का एक-एक टुकड़ा रख दें। याद रखें 1 महीने के बाद नमक को बदलकर नया टुकड़ा हर कोने में रखें।

दिशा का रखें ध्यान

कई बार वास्तु दोष के कारण भी घर की नकारात्मक ऊर्जा बढ़ जाती है और लड़ाई झगड़े का कारण बनती है। इसलिए ध्यान रखें घर के ईशान कोण में कभी भी टॉयलेट न बनवाएं। दक्षिण पूर्व दिशा में किचन होना शुभ माना जाता है।

भीष्म अष्टमी पर भद्रावास समेत बन रहे हैं 6 मंगलकारी संयोग, मिलेगा दोगुना फल

वैदिक पंचांग के अनुसार, 05 फरवरी को भीष्म अष्टमी है। यह पर्व हर साल माघ माह के पक्ष की अष्टमी तिथि पर मनाया जाता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि माघ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर महाभारत के महान योद्धा भीष्म पितामह ने अपने देह का त्याग किया था। इस शुभ अवसर पर भीष्म अष्टमी मनाई जाती है।

भीष्म अष्टमी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 05 फरवरी को देर रात 02 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि की समाप्ति 06 फरवरी को देर रात 12 बजकर 35 मिनट पर होगी। सनातन धर्म में सूर्योदय बाद से तिथि की गणना की जाती है। इस प्रकार 05 फरवरी को भीष्म अष्टमी मनाई जाएगी। एकोदिष्ट श्राद्ध का समय सुबह 11 बजकर 30 मिनट से लेकर दोपहर 01 बजकर 41 मिनट तक है।

भीष्म अष्टमी शुभ योग

माघ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी पर शुक्ल योग संयोग बन रहा है। शुक्ल योग का संयोग रात 09 बजकर 19 मिनट तक है। इसके बाद ब्रह्म योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष शुक्ल और ब्रह्म योग को शुभ मानते हैं।

सर्वार्थ सिद्धि योग

माघ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी यानी भीष्म अष्टमी पर सर्वार्थ सिद्धि और रवि योग का संयोग बन रहा है। इन दोनों योग का निर्माण शाम 08 बजकर 33 मिनट से हो रहा है। वहीं, समापन 06 फरवरी को सुबह 07 बजकर 06 मिनट पर हो रहा है।

भद्रावास योग

माघ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर भद्रावास योग भी संयोग है। इस दिन भद्रा दोपहर 01 बजकर 31 मिनट तक स्वर्ग में रहेंगी। इसके साथ ही बव करण के योग बन रहे हैं। इस शुभ अवसर पर एकोदिष्ट श्राद्ध किया जाता है।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 07 बजकर 07 मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 06 बजकर 04 पर

चन्द्रोदय– सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर

चंद्रास्त– देर रात 01 बजकर 30 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 05 बजकर 22 मिनट से 06 बजकर 15 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 25 मिनट से 03 बजकर 09 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 06 01 मिनट से 06 बजकर 27 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात्रि 12 बजकर 09 मिनट से 01 बजकर 01 मिनट तक

अमिताभ बच्चन पर नहीं धर्मेंद्र पर था जया बच्चन को तगड़ा क्रश!

पत्नी के सामने ही कर दिया था प्यार का इजहार, तुम्हारी जगह मैं होती...

जया बच्चन ने मात्र 15 साल की उम्र में सत्यजीत रे की बंगाली फिल्म महानगर से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। आठ साल बाद जया ने ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्म गुड्डी से बॉलीवुड में डेब्यू किया। जया बिना किसी लाग-लपेट के अपनी बात कहने के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री ने एक बार धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी के सामने उनके लिए अपने प्यार का इज़हार किया था। यह तब हुआ जब दोनों अभिनेत्रियां, जया बच्चन और हेमा मालिनी, कॉफ़ी विद करण शो में शामिल हुईं। धर्मेंद्र के लिए अपने प्यार का इज़हार करते हुए जया ने उन्हें ग्रीक गॉड कहा और कहा,मुझे बसंती का किरदार निभाना चाहिए था क्योंकि मैं धर्मेंद्र से प्यार करती थी। जब मैंने उन्हें पहली बार देखा, तो मैं इतनी घबरा गई कि मुझे समझ नहीं आया कि क्या करूं। वहां एक शानदार दिखने वाला व्यक्ति था। उन्होंने सफ़ेद पैंट और जूते पहने हुए थे, जो किसी ग्रीक गॉड की तरह लग रहा था।

1971 में जया बच्चन ने ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में बनी गुड्डी से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 22 वर्षीय जया बच्चन ने 16 वर्षीय भोली-भाली लड़की 'गुड्डी' की भूमिका निभाई थी, जो अपने स्क्रीन आइडल 'धर्मेंद्र' से प्यार करती थी, जो फिल्म में 'धर्मेंद्र' के रूप में दिखाई दिए थे। फिल्म की तरह ही जया असल जिंदगी में भी धर्मेंद्र से प्रभावित हैं और उन पर क्रश था।सालों बाद,धर्मेंद्र और जया बच्चन करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए फिर से साथ आए। धर्मेंद्र ने एक बार अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर जया के साथ एक तस्वीर शेयर की और कई सालों बाद उनके साथ काम करने के पीछे अपनी भावनाओं को लिखा। उनके प्यारे नोट को इस तरह पढ़ा जा सकता है, बरसों बाद।।। अपनी गुड्डी के साथ... गुड्डी.... जो कभी बड़ी फैन थी मेरी..... एक खुशखबरी।

एक थ्रोबैक इंटरव्यू के दौरान, धर्मेंद्र ने खुलासा किया था कि उनका जया के साथ एक बहुत ही खास रिश्ता है, वह हमेशा उनकी 'गुड्डी' रहेंगी। धर्मेंद्र ने कहा, मेरे लिए, वह अभी भी गुड्डी है, उसी प्यारी मुस्कान के साथ। साल बीत गए, लेकिन वह नहीं बदली, ज़रा भी नहीं। बेशक, जब मैं उसे यह बताता हूं, तो जया विरोध करते हुए कहती है, मैं अब गुड्डी नहीं रही, लेकिन जब मैं उससे कहता हूं, 'मेरे लिए तो तुम हमेशा गुड्डी रहोगी।'

मुझे बसंती का रोल निभाना चाहिए था : जया बच्चन

बॉलीवुड के हीमैन धर्मेंद्र अपनी एक्टिंग के साथ लुक्स के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने समय में कई शानदार फिल्मों में काम किया है और उनके साथ काम करने वाली एक्ट्रेस उनकी दीवानी हो जाती थीं। इस लिस्ट में अमिताभ बच्चन की पत्नी जया बच्चन भी शामिल हैं। जया ने धर्मेंद्र के लिए अपने प्यार का इजहार हेमा मालिनी के सामने करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में किया था। जया ने इस बात का भी खुलासा किया था कि वो शोले में राधा की जगह बसंती का रोल निभाना चाहती थीं। आइए आपको बताते हैं जया बच्चन ने क्या कहा था। करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में जया बच्चन हेमा मालिनी के साथ गई थी। जहां पर दोनों साथ में खूब मस्ती करती नजर आईं थीं। साथ ही जया ने धर्मेंद्र को लेकर अपने क्रश के बारे में भी बताया था।

धर्मेंद्र को देखकर सिट्टी बिट्टी हो गई थी गुल

जया बच्चन ने पहली बार धर्मेंद्र के साथ फिल्म गुड्डी में काम किया था। उन्होंने कहा- जब मुझे पहली बार धर्मेंद्र से मिलवाया गया था तो नर्वस होने की वजह से मैं सोफे के पीछे छिप गई थी। मुझे आज भी याद है कि उन्होंने क्या पहना हुआ था।

उन्होंने व्हाइट कलर का आउटफिट पहना हुआ था जिसमें वो ग्रीक गॉड लग रहे थे।

मुझे बसंती बनना चाहिए था

जया ने कहा- मुझे बसंती का रोल निभाना चाहिए था क्योंकि मुझे धर्मेंद्र बहुत पसंद थे।जया की ये बात सुनकर उनके साथ बैठी हेमा मालिनी भी मुस्कुराती हैं। हेमा मालिनी और जया बच्चन का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। बता दें धर्मेंद्र और जया ने एक बार फिर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में काम किया है। फिल्म में जया बच्चन ने धर्मेंद्र की पत्नी का रोल निभाया था।

संक्रांतिकी वस्तुन्नम की सफलता के बाद ऐश्वर्या राजेश के लिए आई ऑफर की बाढ़

तेलुगु फिल्म संक्रांतिकी वस्तुन्नम की हालिया ब्लॉकबस्टर सफलता ने न केवल दुनिया भर में 200 करोड़ से अधिक की कमाई की है, बल्कि अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश को फिल्म उद्योग में नई लोकप्रियता भी दिलाई है। उनके स्वाभाविक अभिनय कौशल और दर्शकों से जुडऩे की क्षमता ने उन्हें तेलुगु सिनेमा में एक पसंदीदा अभिनेत्री बना दिया है। तेलुगु में अपनी धाराप्रवाहता के साथ, ऐश्वर्या अन्य अभिनेत्रियों से अलग हैं और फिल्म निर्माताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प गई हैं। ऐश्वर्या राजेश अब अपनी नई सफलता का आनंद ले रही हैं, उनके पास तेलुगु सिनेमा में कई प्रोजेक्ट हैं। अभिनेत्री के करीबी सूत्रों ने खुलासा किया कि वह पहले ही कई स्क्रिप्ट पढ़ चुकी हैं और अपनी अगली परियोजना को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं। सिनेमा में एक सुस्थापित नाम के रूप में, तेलुगु फिल्मों में यह नया चरण ऐश्वर्या के लिए अपनी पहुँच का विस्तार करने और एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने के नए अवसर खोलता है।संक्रांतिकी वस्तुन्नम की सफलता ने ऐश्वर्या राजेश को मुख्यधारा के तेलुगु सिनेमा की में ला दिया है, जिससे उन्हें प्रशंसकों और उद्योग के अंदरूनी लोगों से समान रूप से सराहना मिली है। अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और भाषाई बढ़त के साथ, वह दक्षिण भारतीय सिनेमा में सबसे अधिक मांग वाली अभिनेत्रियों में से एक बनने के लिए तैयार हैं। ऐश्वर्या अपने करियर इस आशाजनक मोड़ पर हैं, सभी की निगाहें उनके अगले बड़े फैसले पर हैं।ऐश्वर्या राजेश इस ब्लॉकबस्टर सफलता की महिमा का आनंद लेना जारी रखती हैं, इसलिए उनकी भविष्य की परियोजनाओं का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। क्या वह अधिक तेलुगु फिल्मों पर ध्यान केंद्रित करेंगी, या कई उद्योगों में परियोजनाओं को संतुलित करेंगी? केवल समय ही बताएगा। फिलहाल, ऐश्वर्या की प्रतिभा और समर्पण ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में एक अग्रणी अभिनेत्री के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया है।

बचपन में सुनती थी पालकी में होके सवार, नए सीजन का हिस्सा बनना शानदार : तान्या मानिकतला

अभिनेत्री तान्या मानिकतला मशहूर ट्रैक पालकी में होके सवार के नए सीजन में नजर आईं। तान्या ने बताया कि वह इस गाने को सुनते हुए बड़ी हुई हैं और नए सीजन का हिस्सा बनना उनके लिए शानदार रहा।प्रोजेक्ट के बारे में अपनी खुशी जाहिर करते हुए तान्या मानिकतला ने कहा, टिप्स टेक 2 का हिस्सा बनना एक शानदार मौका रहा है। मुझे याद है कि बचपन में मैं पालकी में होके सवार सुनती थी- यह एक ऐसा गाना था, जो हमेशा मेरे कानों में गूंजता था और यह मेरे बड़े होने पर भी हिस्सा बना। अब इसके नए सीजन का हिस्सा बनना अवास्तविक लगता है।अभिनेत्री ने कहा, नए सीजन में एक कमाल की क्वालिटी है और फिल्मांकन के दौरान मुझे इस गाने से जुड़ाव महसूस हुआ। मैं इस गाने और वीडियो की खूबसूरती और पुरानी यादों को सबके सामने लाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।तान्या इस ट्रैक में अभिनेता इश्वाक सिंह के साथ नजर आईं। दोनों इस गाने में नई एनर्जी के साथ नजर आए, जिसे शाहिद माल्या और असीस कौर ने गाया है।मूल ट्रैक 1993 की फिल्म खलनायक से है और इसे संजय दत्त और माधुरी दीक्षित पर फिल्माया गया था। इस गाने को अलका याग्निक ने गाया और बोल आनंद बख्शी ने लिखे हैं।खलनायक 1993 में रिलीज एक्शन-क्राइम फिल्म है, जिसके निर्देशक सुभाष घई हैं और फिल्म का निर्माण भी उन्होंने मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड के तहत किया है। इस फिल्म में संजय दत्त, माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में हैं।फिल्म की कहानी सब-इंस्पेक्टर राम (जैकी श्रॉफ) और उसकी खास दोस्त गंगा (माधुरी दीक्षित) अपराधी बल्लू (संजय दत्त) पर केंद्रित है।तान्या को आखिरी बार हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म किल में नजर आई थीं।

इब्राहिम अली खान की डेब्यू फिल्म नादानियां का ऐलान, पहले पोस्टर में खुशी कपूर दिखीं साथ

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान बॉलीवुड में डेब्यू करने के तैयार हैय वह जल्द ही करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शन तले बनी फिल्म नादानियां से में डेब्यू करते नजर आएंगे। इस फिल्म से शौना गौतम भी डायरेक्टोरियल डेब्यू करेंगी।स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने नादानियां का पहला पोस्टर और टाइटल का खुलासा किया है। नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हर प्रेम कहानी में थोड़ी सी नादानी होती है। इब्राहिम अली और खुशी कपूर को मुख्य भूमिका में लॉन्च करना मुश्किल है। देखिए नादानियां। जल्द ही आ रही है, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर।मेकर्स ने नादानियां की कहानी के बारे में कुछ हिंद दिया है। मेकर्स के मुताबिक, नादानियां एक यंग एडल्ट रोमांटिक ड्रामा है जो पहले प्यार के जादू, पागलपन और को दर्शाता है। यह साउथ दिल्ली की लड़की पिया (खुशी) और नोएडा का मिडिल क्लास लड़का अर्जुन (इब्राहिम) की कहानी है। जब उनकी दो पूरी तरह से अलग दुनिया आपस में टकराती हैं, तो वे अलग ही रास्ते पर निकल पड़ते हैं।रोमांटिक फिल्म में इब्राहिम ने सुनील शेट्टी, दीया महिमा चौधरी और जुगल हंसराज जैसे कलाकारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में खुशी कपूर लीड एक्ट्रेस होंगी। नादानियां शौना गौतम के निर्देशन की पहली फिल्म भी है। इससे पहले शौना ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में डायरेक्टर के तौर पर काम किया था।

यामी गौतम की फिल्म धूम धाम का पहला गाना सिलसिला जारी, अरिजीत सिंह ने लगाए सुर

बॉलीवुड क्वीन यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धूम धाम को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस अभिनेता प्रतीक गांधी के साथ नजर आई हैं और दोनों की जोड़ी को ऑनस्क्रीन पहली बार देखा जा रहा है। हालांकि, फैंस भी दोनों को एक साथ काफी पसंद कर रहे हैं। इसी बीच अब निर्माताओं ने धूम धाम का पहला गाना सिलसिला जारी कर दिया है।दरअसल, सिलसिला को अरिजीत सिंह और जोनिता गांधी ने मिलकर गाया है। साथ ही सिद्धांत कौशल ने गाने को लिखा है। गाने में प्रतीक और यामी की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। धूम धाम रोमांस और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें शादी के इर्द-गिर्द मस्ती भरी कहानी को पेश किया जाएगा। वहीं फिल्म के लेखक यामी के पति आदित्य धर हैं और ऋषभ सेठ इस फिल्म के निर्देशक हैं। धूम धामळ को 14 फरवरी 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा।आपको बता दें, इस गाने में कोयल (यामी गौतम द्वारा अभिनीत) और वीर (प्रतीक गांधी द्वारा अभिनीत) खुद को एक अप्रत्याशित रोमांच पर पाते हैं, एक निर्माणाधीन इमारत पर चढ़ते हुए, बेरहम गुंडों के एक समूह से बचते हुए। अराजकता के बीच, प्यार खिलना शुरू हो जाता है क्योंकि कोयल (यामी गौतम) और वीर (प्रतीक गांधी) धीरे-धीरे एक-दूसरे की अनोखी आदतों को स्वीकार करते हैं और उनकी सराहना करते हैं।ट्रैक के बारे में बात करते हुए, संगीतकार शोर पुलिस ने कहा, सिलसिला उन ट्रैक में से एक है, जहा संगीत को स्वरों के साथ सांस लेना था। अरिजीत और जोनिता की आवाज़ें एकदम सही केमिस्ट्री बनाती हैं, और हमारा लक्ष्य व्यवस्था और ऑर्केस्ट्रेशन को उस तीव्रता को बिना हावी हुए पूरक बनाने देना था। गाने का हर नोट उस पल की भावना को दर्शाता है।पैनोरमा म्यूज़िक के सीईओ राजेश मेनन ने रिलीज़ के बारे में बात करते हुए अपनी उत्तेजना शेयर की है। उन्होंने कहा कि पैनोरमा म्यूज़िक में, हम ऐसे संगीत को पेश करने में गर्व महसूस करते हैं जो विभिन्न शैलियों में श्रोताओं के साथ गूंजता है। सिलसिला प्रतिभाशाली कलाकारों और संगीतकारों के बीच रचनात्मक सहयोग का एक वसीयतनामा है, और हमें विश्वास है कि यह दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ेगा। धूम धाम के लिए इस संगीत यात्रा का हिस्सा बनना एक सौभाग्य की बात है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। जीवनसाथी के साथ आज की शाम वाक़ई कुछ ख़ास होने वाली है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए आपको कुछ कर दिखाने की ज़रूरत है। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रुपये–पैसे के हालात और उससे जुड़ी समस्याएँ तनाव का कारण साबित हो सकती हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में आपसी समझ नहीं रहती। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक होने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

नफ़रत की भावना महंगी पड़ सकती है। यह न केवल आपकी सहन–शक्ति घटाती है, बल्कि आपके विवेक को भी ज़ंग लगा देती है और रिश्तों में हमेशा के लिए दरार डाल देती है। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर थोड़ी–सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन खुशनुमा हो सकता हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज खेल–कूद में हिस्सा लेने की ज़रूरत है। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल–कूद को शामिल किया जाना चाहिए। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। अपने जीवनसाथी के स्नहे से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। शादी के ठीक पहले के ख़ूबसूरत दिनों की याद ताज़ा हो सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने ऊर्जा–स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज–मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 03 फरवरी 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 06:54 तक
नक्षत्र : रेवती रात्रि 11:17 तक
योग : साध्य रात्रि 03:02 तक
करण : बालव प्रातः 06:54 तक
चन्द्रराशि : मेष रात्रि 11:17 तक
सूर्योदय : 06:47 , सूर्यास्त 06:12 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:21 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:13 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:05 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00 राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष :– पंचक समाप्त रात्रि 11:17 से , गण्डमूल चालू है

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

16वीं एयू जयपुर मैराथन : भजनलाल शर्मा ने दिखाई हरी झंडी

3500 से अधिक विदेशी सहित एक लाख से अधिक धावकों ने लिया भाग

जयपुर,02 फरवरी (एजेंसियां)।

'हौसला हो बुलंद अगर, तो कदमों में जहां होता है...' कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला जयपुर के मार्ग पर, जहां सूरज की पहली किरण निकलने से पहले सर्द रात और ठंडी सड़कों पर हजारों की संख्यों में धावक अपने हाथों में ग्लो बैंड बांधे अपने हौसले को परवान चढ़ाते हुए नजर आए। मौका रहा 16वीं एयू जयपुर मैराथन में, जहां रविवार को एक लाख से अधिक एक दूसरे से आगे निकलने के लिए कशमकश करते हुए दिखे। मारवाड़ी ढोल नगाडों की थाप के बीच सुबह 3 बजे सु शुरू हुई मैराथन में डे/नाईट मैराथन का सर्द अहसास देखने को मिला।

इस अवसर पर राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा ने धावकों का हौसला बढ़ाते हुए कि, इस तरह के कार्यक्रम बहुत जरूरी हैं, अगर शरीर स्वस्थ रहेगा तो मन भी स्वस्थ रहेगा। राजस्थान शक्ति और भक्ति का प्रदेश है। हमारी सरकार ने सत्ता में आते ही महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय खोला है। इसके अलावा हम 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरियां देंगे और साल हम यहां खेलो इंडिया का आयोजन करेंगे। हम सब मिलकर राजस्थान को आगे ले जाएंगे।

आयोजक पं.सुरेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद और फिटनेस के क्षेत्र में उनके समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी स्वयं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं और प्रदेश की जनता को समय समय पर खेल और फिटनेस के लिए प्रोत्साहित करते हैं और स्वस्थ रहने का सन्देश देते हैं। आज का दिन हमारे लिए उत्सव का दिन है, पहली बार 25 देशों के धावक हमारे मैराथन में दौड़ने आये हैं।

इस दौरान एयू जयपुर मैराथन के आयोजक पं.सुरेश मिश्रा व मिश्रा के साथ, वर्ल्ड ट्रेड पार्क के चेयरमैन अनूप बरतरिया, निदेशक एयू स्माल फाइनेंस बैंक ज्योति संजय अग्रवाल, एयू स्माल फाइनेंस बैंक के डिप्टी सीईओ उत्तम टिबरेवाल , मेनेजिंग डायरेक्टर एंड सीईओ आवास फाइनेंस सचिंदर भिंडर, चेयरमैन आईएनए सोलर मनीष गुप्ता, मैनेजिग डायरेक्टर एंड सीईओ आईएनए सोलर विकास जैन, रेखा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. नीरज अग्रवाल, विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के सीईओ ओंकार बागरिया, बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज से राजीव बियानी एवं संजय बियानी, जयपुर रनर्स क्लब के अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया, मैराथन के सीईओ मुकेश मिश्रा, आयोजन सचिव योगेश मिश्रा, रेस डायरेक्टर रवि गोयनका, उप महापौर पुनीत सहित अन्य सम्मानीयजन उपस्थित रहे।

वर्ल्ड ट्रेड पार्क और संस्कृति युवा संस्था द्वारा एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के सहयोग, पावर्ड बाय आवास फाइनेंस व को–पावर्ड बाय आईएनए सोलर से आयोजित होने वाली 16वीं एयू जयपुर मैराथन में दुनियाभर के 25 देशों के धावकों ने भाग लिया। फिमेल केटेगिरी में और मेल केटेगिरी में मानव शर्मा ने फुल मैराथन अपने नाम की। इस दौरान दो विश्व रिकॉर्ड भी बने। मैराथन में दिव्यांग एवं बुजुर्ग प्रतिभागियों, 100 से ज्यादा ब्यूरोक्रेट्स सहित कई ग्रुप्स ने भी भाग लिया। सिंगर नेहा भसीन ने अपने चिर अंदाज में 'स्वैग से करेंगे स्वागत..' सॉन्ग गाकर धावकों का मानों स्वागत सा किया हो। इसके बाद नेहा ने 'धुनकी' और 'जग घुमया थारे जैसा न कोई' गाकर रनर्स को मोटिवेट किया। सुबह 3:00 बजे फुल मैराथन (42 किमी) शुरू हुई, जिसमें हजार से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय धावकों ने दौड़ लगाई। धावक अल्बर्ट हॉल साउथ गेट से होते हुए त्रिमूर्ति सर्किल, बिडला मंदिर, मालवीय नगर पुलिया से बाएं मुड़कर अपैक्स सर्किल से यू टर्न लेकर मालवीय नगर पुलिया होते हुए, वर्ल्ड ट्रेड पार्क, जवाहर सर्किल, बजाज नगर से बाएं मुड़कर रोड पुलिया अंडरपास से मुड़कर जवाहर कला केंद्र से होते हुए अल्बर्ट हॉल पर पहुंचे। इसके बाद हाफ मैराथन (21 किमी) सुबह 5:00 बजे और सुबह 7:00 बजे आवास ग्रीन रन (10 किमी) शुरू हुई। आईएनए टाइम रन (5 किमी) और ड्रीम रन (6 किमी) को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएम मंच से हाथ हिलाकर रनर्स का उत्साहवर्धन करते हुए नजर आए। ड्रीम रन में 60 हजार से अधिक धावकों ने दौड़ लगाई।

'दौड़ बदलाव की, दौड़ जीत की' टैग लाइन को सार्थक करते हुए एयू जयपुर विश्व रिकॉर्ड का पर्याय बनती जा रही है। अब तक हुई 16 मैराथन में 20 विश्व रिकॉर्ड बन चुके हैं। पिछली बार की तरह इस बार भी दो विश्व रिकॉर्ड बने। ओम मंत्रोच्चार करके ओम टी शर्ट पहनकर इस बार 14,000 से अधिक धावक भी मैराथन का हिस्सा बने। दौरान पिछले रिकॉर्ड (12,397) को ब्रेक करते हुए हुए नया विश्व रिकॉर्ड बना। इसमें विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों एवं स्टाफ ने भाग लिया। 'एक जैसी ड्रेस में मैराथन' और 'पगड़ी पहनकर रन' जैसे कई विश्व रिकॉर्ड पहले ही बन चुके हैं।

इस बार बसंती थीम को ध्यान में हुए 10 हजार से अधिक महिला धावकों ने एक साथ पीला दुपट्टा पहनकर दौड़ लगाई। और वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

राष्ट्रहित को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : बागडे

जयपुर,02 फरवरी (एजेंसियां)।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्र हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विकसित भारत के सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक देश को श्रेष्ठतर बनाने में अपनी भागीदारी निभाए। राज्यपाल रविवार को बीकानेर में हरखचंद नाहटा की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा उनकी स्मृति में जारी 25 रुपए मूल्य के 40 ग्राम वजनी स्मारक के अनावरण समारोह में संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि नाहटा ने व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र के साथ जन सेवा तथा धर्म सेवा के कार्यों में भी अतुल्यनीय योगदान दिया। देश की कई सुप्रतिष्ठित संस्थाओं से संबंध रखकर वे लोक मंगल कार्यों में निरंतर आर्थिक सहयोग अलावा सक्रिय सहभागिता निभाते थे।

जैनाचार्य जिनपीयूष सागर सूरिश्वर जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित समारोह के दौरान राज्यपाल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा हरखचंद नाहटा की स्मृति में स्मारक रजत सिक्का जारी करना जीवन को आलोक देने वाले महापुरूषों के सम्मान की परम्परा है। उन्होंने कहा कि तथा इतिहास की कसौटी पर ही किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व का मूल्यांकन होता है। हरखचंद नाहटा के जीवट व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, दूरदर्शिता तथा लोक मंगल की बलवती भावना ने उन्हें विशेष स्थान दिलाया।

वाहन चोरी में लिप्त दो आरोपी गिरफ्तार चार मोटरसाइकिल बरामद

जयपुर,02 फरवरी (एजेंसियां)।

जयपुर शहर में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस उपायुक्त (पूर्व) तेजस्वनी गौतम के निर्देशानुसार विशेष अभियान चलाया गया। इसी क्रम मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद की गईं।थाना प्रभारी मुनींद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की सूचना के आधार पर आरोपियों को चिन्हित किया। गिरफ्तार आरोपियों नवल किशोर (31) निवासी करौली और गणेश बैरवा (25) निवासी चाकसू शामिल हैं। पूछताछ में पता चला कि गणेश बैरवा के खिलाफ पहले से ही चोरी और नकबजनी के नौ मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों से अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ जारी है। पुलिस का मानना है कि आगे भी चोरी के मामलों का खुलासा हो सकता है।

हरियाणा पुलिस और एसटीएफ की बड़ी सफलता

कुख्यात गैंगस्टर जोगेंद्र ग्योंग फिलीपींस से डिपोर्ट

चंडीगढ़,02 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा पुलिस और एसटीएफ ने अंतरराष्ट्रीय पर एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात गैंगस्टर जोगेंद्र ग्योंग को भारत वापस लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिलीपींस में गिरफ्तार किए गए जोगेंद्र को डिपोर्ट करवाकर दिल्ली लाने का इंतजाम किया गया, जहां उसे दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही हिरासत में ले लिया गया।

हरियाणा एसटीएफ लंबे समय से जोगेंद्र ग्योंग को ट्रैक कर रही थी। उसकी गतिविधियों पर नजर रखते हुए फिलीपींस में उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करवाई गई। गिरफ्तारी के बाद हरियाणा पुलिस ने फिलीपींस प्रशासन के साथ तालमेल बनाकर डिपोर्टेशन की प्रक्रिया पूरी करवाई। ग्योंग के आगमन को ध्यान में रखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पर हरियाणा पुलिस और दिल्ली पुलिस की विशेष टीमें तैनात रहीं। जैसे ही वह अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट से भारत पहुंचा, तुरंत उसे सुरक्षा घेरे में लेकर हिरासत में ले लिया गया। के अनुसार, आज दोपहर दिल्ली या गुड़गांव में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा सकती है, जहां जोगेंद्र ग्योंग की गिरफ्तारी को आधिकारिक रूप से घोषित किया जाएगा।जोगेंद्र ग्योंग हरियाणा के वांछित अपराधियों में से एक है, जिस पर हत्या, फिरौती और अन्य संगीन के कई मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से विदेश में छिपकर गैंग गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। उसकी वापसी के साथ ही पुलिस को कई बड़े मामलों में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। हरियाणा पुलिस और एसटीएफ की यह कार्रवाई अपराध पर लगाम लगाने की दिशा एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

अनिल विज का रोहतक बिजली सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण, अफसरों में हड़कंप

चंडीगढ़,02 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने आज रोहतक में एक बिजली सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने संबंधित अधीक्षक अभियंता को निर्देश देते हुए कहा कि जो शिकायतें 4 घंटे से ज्यादा तक हल नही हुई उनकी जांच करते सम्बन्धित स्टाफ से स्पष्टीकरण लिया जाए तथा इसकी रिपोर्ट मेरे पास भेजी जाए। औचक निरीक्षण के दौरान अनिल विज सेवा केंद्र में जाते ही शिकायतों की जानकारी लेने लिए सीधे कंप्यूटर पर बैठ गए और सम्बंधित कर्मचारी से शिकायतों की जानकारी हासिल की। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों से शिकायत किस से आती है और उसका क्या–क्या माध्यम होता है उसकी जानकारी भी हासिल की और शिकायत किस प्रकार से अपने कंप्यूटर पर चढ़ाते हो, की भी जानकारी हासिल की।

औचक निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री ने कंप्यूटर से डाटा निकाल कर तीन शिकायतकर्ताओं से टेलीफोन पर बात की। एक की शिकायत 24 घंटे बीतने के बाद हल नहीं होने पर एसई को जांच कर सम्बन्धित स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की निर्देश विज ने दिए। औचक निरीक्षण के उपरांत मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं शिकायतकर्ताओं से टेलीफोन पर बात की जिसमें कुछ शिकायतकर्ताओं कहा कि उनकी कंप्लेंट का निवारण कर दिया गया है तो वही तो कुछ शिकायतकर्ताओं ने कहा कि उनकी शिकायत का निवारण नहीं हुआ है और सारा दिन लाइट नहीं आई है। इस पर उन्होंने संबंधित एसई को जांच कर संबंधित स्टाफ के खिलाफ स्पष्टीकरण निकालने के निर्देश दिए और रिपोर्ट उनको भेजने के लिए कहा गया है।

गौरतलब है कि ऊर्जा मंत्री के रोहतक के बिलजी सेवा केंद्र में औचक निरीक्षण से अधिकारियों में हड़कंप मच गया और इस औचक निरीक्षण के तुरंत बाद ही बिजली विभाग के अधिकारी तुरंत सेवा केंद्र में पहुंच गए।

एसीबी को अम्बे राईस मिल्स में निरीक्षण के दौरान 10756.12 क्विंटल सरकारी धान कम मिला

नारायणगढ़,02 फरवरी (एजेंसियां)।

एसीबी अम्बाला ने एक सूचना पर गांव बख्तुआ नारायणगढ़ जिला अम्बाला में स्थित अम्बे राईस मिल्स का औचक निरीक्षण किया। भौतिक निरीक्षण के दौरान एसीबी टीम को मिल में सरकारी धान के स्टॉक में मौके पर 10,756.12 क्विंटल धान (जीरी) कम पाई गई। इसकी कीमत लगभग 2,50,00, 000/–रूपए बनती है। प्रकरण के मुताबिक एसीबी को विश्वस्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि सरकार की ओर से मिलिंग के लिए दिए गए धान (जीरी) को गैर कानूनी तरीके से बाजार में बेचा जा रहा है। इस संबंध में उपरोक्त राईस मिल्स का मौके पर औचक निरीक्षण किया जाए तो कम धान (जीरी) मिलेगा। इसके आधार पर एसीबी अम्बाला टीम द्वारा जांच दर्ज की गई।

जांच के आधार पर एसीबी की अम्बाला टीम द्वारा डयूटी मजिस्ट्रेट और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की संयुक्त के साथ अम्बे राईस मिल्स गांव बख्तुआ, नारायणगढ, जिला अम्बाला औचक निरीक्षण किया गया। उपरोक्त के सम्बन्ध में मुकदमा न. 5 धारा 316(2), 316(5) व 318 भारतीय न्याय संहिता 2023, थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अम्बाला में अम्बे राईस मिल्स के संचालक व अन्य के विरूद्व दर्ज किया गया है। की तफ्तीश जारी है।

भाजपा सरकार ने किसानों को धरने पर बैठने के लिए किया मजबूर: सैलजा

नरवाना,02 फरवरी (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश के अन्नदाता किसान को भुलाकर रख दिया है, किसानों की राह न तो मुगलकाल में आसान रही और न ही अंग्रेजों के राज में, किसानों को आज भी भाजपा सरकार के राज में हकों के लिए करना पड़ रहा है और सरकार है कि हर कदम पर किसानों के साथ विश्वासघात कर रही है। किसानों के लिए सर चौ. छोटूराम ने लड़ाई लड़ी और किसानों, मजदूरों और वंचितों को उनके हक दिलाए।

वे रविवार को नरवाना में पुराना बस स्टेंड के समीप स्थित सर छोटूराम में सर छोटूराम मैमोरियल ट्रस्ट की ओर से बसंत पंचमी और सर छोटूराम जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रही थी। इससे पूर्व उन्होंने सर छोटूराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री चौ. बीरेंद्र सिंह, पूर्व प्रो. संपत सिंह, पूर्व मंत्री अत्तर सिंह सैनी और पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी आदि मौजूद थे। ट्रस्ट के प्रधान राजेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर वीसी डॉ. हरस्वरूप और डॉ. देवेंद्र तानि को सम्मानित किया। लोगों को बसंत पंचमी और सर छोटूराम जयंती बधाई देते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि आज भी लोग सर छोटूराम के कामकाज को याद करते है, उन्होंने सदैव गरीब, किसान, मजदूर और वंचितों के हक में लड़ाई लड़ी और सफलता भी हासिल की। उन्होंने कहा कि किसानों की राह कभी भी आसान नहीं रही, मुगल काल भी किसानों का शोषण हुआ और अंग्रेजों ने भी उत्पीड़न और शोषण किया। किसान हकों के लिए संघर्ष करता आ रहा है, इस भाजपा सरकार ने तो किसानों को धरने और आमरण अनशन पर बैठने के लिए मजबूर कर दिया है। सरकार झूठे आश्वासन देकर किसानों को गुमराह करती रही है, बजट में भी सरकार ने किसानों के साथ विश्वासघात किया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि इस भाजपा सरकार ने उद्योगपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये के ऋण माफ कर दिए पर किसानों का कर्जा माफ करना भूल गई। गरीबों को भी कोई राहत प्रदान नहीं की।

मखाना बोर्ड पर एक्सपर्ट बोले-

बिचौलिया राज खत्म होगा, किसानों के लिए वरदान साबित होगा जलजमाव

सुपौल (एजेंसियां)।
कभी जंगली फसल के तौर पर पहचानी जाने वाली मखाना की गिनती अब सुपर फूड में होती है। आयुर्वेदिक दवा, स्नैक्स, स्टार्च सहित कई अन्य उत्पादों के लिए मखाना का इस्तेमाल होता है। इस सुपर फूड की खेती से बिहार के करीब डेढ़ लाख किसान जुड़े हुए हैं। देश में मखाना के कुल उत्पादन का 80 से 90 फीसदी हिस्सा केवल बिहार का है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में बिहार में करीब 35324 हैक्टेयर जमीन पर मखाना की खेती हुई। मखाना खेती का क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। अकेले कोसी-सीमांचल के क्षेत्र में ही करीब 55 हजार किसान मखाना की खेती करते हैं।

बिहार सरकार ने बागवानी मिशन के तहत मखाना खेती को पिछले कुछ वर्षों में बढ़ावा दिया है। जीआई टैगिंग के बाद बिहार का मखाना ग्लोबल हो चुका है और विदेशों में निर्यात भी हो रहा है। हालांकि बिचौलियों की वजह से मखाना किसानों को उचित मूल्य की समस्या रहती थी। शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आम बजट पेश किया। इस दौरान उन्होंने मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा की। जिससे मखाना किसानों के साथ ही विशेषज्ञों में भी उत्साह है।

एक्सपर्ट बताते हैं बोर्ड के गठन का सीधा लाभ मखाना उत्पादक किसानों को मिलेगा। केंद्र सरकार ने पहली बार मखाना को इतना फोकस दिया है। बोर्ड के गठन से उत्पादन, उत्पादकता, प्रोसेसिंग और मार्केटिंग में लाभ मिलेगा। मखाना उत्पादकों के लिए भी एफपीओ का गठन होगा। निर्यात बढ़ेगा और उचित मूल्य भी मिलेगा।

भोला पासवान शास्त्री कृषि महाविद्यालय पूर्णिया के मखाना अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ अनिल कुमार बताते हैं कि बिहार में 9.12 लाख हैक्टेयर जलजमाव वाला क्षेत्र है, जहां मखाना खेती की संभावना है। वर्ष 2012 में बिहार में 12 से 15 हजार हैक्टेयर जमीन में मखाना की खेती होती थी। सरकार की पहल पर अब यह दायरा बढ़ रहा है। आपको बता दें कि पूर्णिया के भोला पासवान शास्त्री कृषि महाविद्यालय को बिहार सरकार ने मखाना फसल तथा जलजमाव क्षेत्र के विकास के लिए राज्य स्तरीय नोडल केंद्र का दर्जा दिया है।

भोला पासवान शास्त्री कृषि महाविद्यालय पूर्णिया के मखाना अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ अनिल कुमार बताते हैं कि खाद्य सुरक्षा के मद्देनजर पूरे विश्व के वैज्ञानिक नई वनस्पतियों की खोज में जुटे हैं। उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन और स्टार्च की वजह से मखाना एक उत्तम खाद्य है और कई रोगों में गुणकारी होने की वजह से इसे सुपर फूड की श्रेणी में रखा गया है। 17वीं शताब्दी में बिहार के मधुबनी जिले में पहली बार मखाना की खेती हुई और विश्व को इसके महत्व से अवगत कराया गया।

डॉ अनिल के अनुसार कुछ साल पहले तक बिहार के मधुबनी के अलावा दरभंगा, सीतामढ़ी, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, अररिया, पूर्णिया, कटिहार और किशनगंज जिले में ही व्यापक रूप से मखाना की खेती होती थी। लेकिन हाल के वर्षों में पश्चिमी चंपारण और खगड़िया जिले में भी मखाना खेती हो रही है।फिलहाल पूर्णिया में तैयार की गई उत्तम किस्म की बीज (सबौर-1) से अब उत्तर प्रदेश के कुशीनगर, छत्तीसगढ़ के धमतरी और मणिपुर के इंफाल में भी मखाना खेती हो रही है।

मखाना के खेतों का क्षेत्रफल जैसे-जैसे बढ़ रहा है, उत्पादन में भी उसी अनुपात में वृद्धि हो रही है। हालांकि इसका लाभ किसानों से अधिक बिचौलिए उठा रहे हैं। इसके अलावा कुछ चुनिंदा लोगों का मखाना उद्योग पर एकाधिकार है। एक्सपर्ट बताते हैं कि बोर्ड के गठन से मखाना किसानों को एक प्लेटफार्म मिलेगा। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। वही एफपीओ गठन कर किसान अपने उत्पाद का उचित मूल्य निर्धारण कर सकेंगे और वैल्यू एडिशन कर मखाना उत्पादों की बिक्री भी सुलभ होगी। जब उत्पादन बढ़ेगा और उचित मूल्य मिलेगा तो नए किसान भी जुड़ेंगे। किसान सबल होंगे।

नेपाल से बिहार में प्रवेश कर जल प्रलय के लिए मशहूर कोसी नदी को बिहार का शोक कहा जाता है। नदी तो हर साल बरसात के समय तटबंध के बीच तबाही मचाती ही है। लेकिन नदी की उपधारा और सीपेज का पानी अपने पूरे बहाव क्षेत्र में हजारों एकड़ जमीन में जलजमाव के कारण किसानों को रुलाती है।भोला पासवान शास्त्री कृषि महाविद्यालय पूर्णिया के मखाना अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ अनिल कुमार बताते हैं कि जलजमाव के इस क्षेत्र को शोक नहीं, वरदान बनाने के लिए वैज्ञानिकों की टीम काम में जुटी है। इन इलाकों में मखाना खेती की अपार संभावना है। राज्य सरकार का इस ओर ध्यान केंद्रित कराया गया है। लेकिन अब जबकि पहली बार केंद्र सरकार भी मखाना खेती को प्रोत्साहित करने जा रही है, काम को गति मिलेगी। कोसी नदी शोक नहीं, समृद्धि का प्रतीक बनेगी।

बांका को सीएम नीतीश कुमार ने दी 362 करोड़ की सौगात

बनेंगे स्मार्ट विलेज, रिसोर्ट और मेडिकल कॉलेज

भागलपुर (एजेंसियां)।
प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को बांका पहुंचकर बांका वासियों को 362 करोड़ की योजनाओं का सौगात दी। घोषणाओं से जिलेवासियों में खुशी की लहर है।

सीएम ने बांका के रजौन प्रखंड के बाबरचक गांव में स्मार्ट विलेज, बांका के ओढ़नी डैम में रिसोर्ट और कैफेटेरिया और राजपुर मेडिकल कॉलेज के लिए 234 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया। इसके साथ ही 128 करोड़ 50 लाख की 161 योजनाओं का उद्घाटन किया। इस प्रकार उन्होंने 362 करोड़ की योजनाओं की सौगात बांका जिले को दी।

मुख्यमंत्री सबसे पहले स्मार्ट विलेज बाबरचक पहुंचे। वहां की योजनाओं का उद्घाटन कर वहां से ओढ़नी डैम होते हुए राजपुर पहुंचे। वहां से वो सड़क के रास्ते बांका के लिए निकले, जहां सबसे पहले पुलिस केंद्र बांका पहुंचे। उसके बाद जिला अतिथि गृह के लिए निकले। दोपहर 2:00 बजे समाहरणालय सभागार पहुंचकर पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक की। उसके बाद वापस राजपुर पहुंचकर हेलीपैड से पटना के लिए प्रस्थान करेंगे।

बांका में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का निर्माण कराया जाएगा। आज हम इसके निर्माण के लिए चिह्नित भूमि को देखने गए। बांका-अमरपुर राज्य उच्च पथ-25 का चौड़ीकरण किया जाएगा। इससे भागलपुर और बांका के बीच बेहतर सड़क सम्पर्कता स्थापित होगी और लाखों कांवरिया श्रद्धालुओं को यात्रा में सुविधा होंगी।

अमरपुर में ग्रिड सब-स्टेशन तथा बौंसी एवं बेलहर में पावर सब-स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। इससे बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी।

बांका जिला अन्तर्गत कटोरिया में एक डिग्री कॉलेज की स्थापना की जाएगी।

रजौन प्रखंड में कतरिया नदी पर बरौनी गांव में एक नया चेक डैम बनाया जाएगा।

कटोरिया में पूर्व से उपलब्ध लगभग 193 एकड़ सरकारी भूमि एवं आवश्यकतानुसार लगभग 37 एकड़ भू-अर्जित जगह पर औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया जाएगा।

गंगा नदी का पानी हनुमाना डैम में पहुंचाया जाएगा। इससे किसानों को सिंचाई में सुविधा होगी।

बांका जिले में बौंसी एवं बराहाट प्रखंडों में नए प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन का निर्माण कराया जाएगा।

सुल्तानगंज से दर्दमारा बोर्डर तक कांवरिया कच्चे पथ के बगल से गुजरने वाले राज्य उच्च पथ संख्या-22 का चौड़ीकरण किया जाएगा। यह पथ भागलपुर, मुंगेर एवं बांका जिलों से गुजरता है।

सीएम ने कहा कि इन सब कामों को करा दिया जाएगा और इसके अतिरिक्त बांका जिले में और कोई भी जरूरत होगी, उसको भी कराया जाएगा। बिहार के हर क्षेत्र में काम हो रहा है आगे और तेजी से काम होगा। इसके लिए आप सबको बधाई एवं धन्यवाद देता हूं।

दिनदहाड़े पूर्व मुखिया के भाई की हत्या

गोपालगंज (एजेंसियां)।
गोपालगंज जिले के मीरगंज शहर स्थित पावर हाउस के समीप दिनदहाड़े बाइक सवार अपराधियों ने पूर्व मुखिया के भाई को गोली मार दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। आसपास के लोगों की मदद से घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार में ही मुखिया के भाई को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान जिले के थावे थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव निवासी सत्येंद्र सिंह के रूप में की गई है। वह वृंदावन पंचायत के पूर्व मुखिया डीके सिंह के भाई थे।

बताया जाता है कि गोपालगंज जिले के थावे थाना क्षेत्र के वृंदावन पंचायत के पूर्व मुखिया डीके सिंह के भाई सत्येंद्र सिंह मीरगंज शहर के पावर हाउस के समीप बैठे हुए थे। इसी बीच बाइक सवार अपराधियों ने सतेंद्र सिंह को नजदीक से गोली मार कर आसानी से फरार हो गए। गोली लगने से सत्येंद्र सिंह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। आनन फानन में उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज ले जाया गया। जहां सतेंद्र सिंह की मौत हो गई ।

सतेंद्र सिंह के मौत की खबर मीरगंज शहर सहित वृंदावन गांव में पहुंचते ही सनसनी मच गई। परिजन सहित व्यवसायियों में प्रशासन के प्रति काफी आक्रोश है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। विदित हो कि विगत महीने में गोपालगंज में लगातार गोलीबारी की घटनाएं सामने आ रही है। 20 दिन पूर्व ही ऊंचकागाव थाना क्षेत्र के झिरवा पंचायत के पूर्व मुखिया अरविंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वृंदावन पंचायत के पूर्व मुखिया डीके सिंह के भाई सत्येंद्र सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। आम लोग प्रशासन के प्रति तरह-तरह के सवाल खड़े कर रहे हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि अपराधियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

पैसे को लेकर ड्राइवर से विवाद, मौलाना की चाकू मारकर हत्या

सीवान (एजेंसियां)।
सीवान में एक मौलाना का कत्ल अपराधियों ने कर दिया है। वहीं एक मौलाना अभी भी घायल है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि जिले पचरुखी थाना क्षेत्र में अहले सुबह दो मौलाना ट्रेन से पचरुखी थाना पर उतरे। इनमें एक मौलाना मीरगंज का रहने वाला है तो दूसरा मौलाना पचरुखी थाना क्षेत्र के मन्द्रपाली का। गांव जाने के लिए एक स्कोर्पियो भाडें पर मंगवाई और उसमें सवार होकर जाने लगे। अभी मन्द्रपाली गांव के पास पहुंचे ही थे कि स्कोर्पियो में ही पैसे को लेकर ड्राइवर से विवाद हो गया।

विवाद इतना बढ़ गया कि स्कोर्पियो में ही मारपीट होने लगी। यही नहीं अचानक छह अपराधियों ने मौलाना पर हमला कर दिया। चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हादसे में एक मौलाना की मौत हो गई। वहीं दूसरा साथी मौलाना गम्भीर रूप से घायल हो गया। बदमाश दोनों को मृत समझकर छोड़कर फरार हो गए। किसी तरह घायल मौलाना को सीवान सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वहीं दूसरे मौलाना को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक मौलाना की पहचान दिलशाद के रूप में हुई, जो मीरगंज के रहने वाला था। वहीं घायल मौलाना की पहचान अब्दुल बारी बताया जा रहा है। जो दरौंदा में रहता है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। सूचना परिजनों को दे दी है।

सीवान में मौलाना के कत्ल के पूरे मामले में सीवान एसपी से प्रेस नोट जारी करते हुए बताया कि पचरुखी थाना को थाना क्षेत्र के मंद्रपाली में दो मौलानाओं पर चाकू से हमला करने की सूचना प्राप्त हुई।

त्वरित कार्रवाई करते हुए पचरुखी थाना प्रभारी बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। घटनास्थल को संरक्षित कर ऋडड टीम को सूचित किया गया है। संदिग्धों की गिरफ्तारी हेतु दो व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बिहार के सबसे बड़े अस्पताल के हॉस्टल में चोर

पटना (एजेंसियां)।
पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल एक बार फिर से चर्चा है। पीएमसीएच के चाणक्य हॉस्टल में एक डॉक्टर के कमरे से 85 हजार नगद सहित लाखों के समान पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया है। बताया जा रहा है कि जनरल सर्जरी विभाग के पीजी रेजिडेंट डॉक्टर कुणाल आनंद जो चाणक्य हॉस्टल के रूम नंबर ड्ठ 6 में रहते हैं।

जब वह पीएमसीएच में ड्यूटी कर रहे थे तब बाथरूम की खिड़की को तोड़कर चोर कमरे के अंदर घुसे। इसके बाद गोदरेज में रखें 85000 नगद, लैपटॉप, एप्पल का आईपैड, घड़ी, प्रिंटर सहित कई सामानों को चुरा लिया।

इधर, ड्यूटी के बाद जब डॉक्टर वापस अपने कमरे में लौटे तो हालत देखकर दंग रह गए। चोरी की खबर पूरे हॉस्टल परिसर में हड़कंप मच गया। डॉक्टर कुणाल आनंद ने फौरन पीरबहोर थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है। इधर, पीरबहोर थाने की पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बता दें कि बिहार का सबसे बड़ा अस्पताल पीएमसीएच पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। कुछ दिन पहले ही इसी चाणक्य हॉस्टल में रहने वाले डॉक्टर अजय कुमार सिंह के कमरे में आग लगी थी। दूसरे दिन जब पुलिस पहुंचती है तो कमरे के अंदर से कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए। इसमें लाखों रुपए के अधजले नोट के साथ आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी के कई ओएमआर शीट और कई एडमिट कार्ड बरामद किए गए थे। इतना ही नहीं कमरे से शराब की बोतलें भी मिली थी। इसके बाद नीट यूजी पेपर की जांच करने के लिए सीबीआई की टीम भी यहां पहुंची थी। इसके बाद पुलिस ने दबिश तेज की थी। थाने में मामला दर्ज कर पुलिस अभी जांच ही कर रही है। आर-ोपी डॉक्टर अजय ने कोर्ट से अपनी जमानत भी ले ली। इसी बीच आज शनिवार को चाणक्य हॉस्टल में रहने वाले एक डॉक्टर के कमरे से चोरों ने काफी मात्रा में सामानों की चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो चालक की मौत, तीन यात्री घायल

मोतिहारी (एजेंसियां)।
मोतिहारी में रविवार सुबह सुबह घने कोहरे के कारण सुगौली सिकरहना पुल के समीप ऑटो और अज्ञात वाहन के टक्कर में ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ऑटो पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि सुबह आठ बजे के करीब घने कोहरे में रक्सौल की ओर से ऑटो आ रहा था। ऑटो में चालक सहित तीन लोग सवार थे। सिकरहना पुल के समीप जैसे ही पहुंचा छपवा की ओर से आ रहे अज्ञात वाहन ने ऑटो को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो चालक की मौत हो गई। वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अज्ञात वाहन ठोकर मारकर मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने बताया कि टक्कर की जोरदार आवाज सुनाई दी। घने कोहरे के कारण कोई कुछ समझ नहीं पाया कि कहां दुर्घटना हुई है। किसी तरह आस-पास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे तो देखा कि ऑटो चालक अपने सीट पर मृत अवस्था में था। वहीं घायल हुए लोग दर्द से चिल्ला रहे थे। किसी तरह घायलों को बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर एंबुलेंस को बुलाकर सभी को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिकी स्वास्थ्य केंद्र पर लया जहां मृतक की पहचान नत्थू ठाकुर का पुत्र अमित कुमार के रूप में की गई। वहीं घायल लोगों सोहराब आलम, राशिद आलम, शहबाज आलम और नजमा खातून शामिल हैं। इस बाबत थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि घने कोहरे के कारण अज्ञात वाहन और ऑटो की टक्कर हुई है। मृत चालक परजिनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्मार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है। आगे की करवाई की जा रही है।

सौतेली मां ने आठ साल की मासूम को मार डाला, सबूत मिटाने के लिए शव को जलाया

बक्सर (एजेंसियां)।
बक्सर में सौतेली मां सीमा देवी ने अपनी आठ साल की बेटी आंचल कुमारी को मार डाला। इतना ही नहीं सबूत मिटाने के लिए उसके शव को जला दिया। अधजले भाग को बक्से में छिपा दिया। मामले का खुलासा तब हुआ जब पड़ोसियों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। इधर, पुलिस घटना की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर पहुंच मामले की पड़ताल में जुट गई है। घटना की पुष्टि करते हुए डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने कहा कि जैसे ही सूचना मिली मैं स्वयं घटनास्थल पर पहुंचा।

जिसके बाद नया भोजपुर ओपी पुलिस शव को कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई कर रही है। वहीं परिजनों और पड़ोसियों से पुलिस घटना के संबंध में जानकारी जूटा रही है। आरोपी मां सीमा देवी को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

बताया जा रहा है कि नया भोजपुर पूरब टोला वार्ड 8 स्थित निवासी पप्पू गोंड की आठ वर्षीय बेटी आंचल अचानक घर से गायब हो गई थी। इसके बाद परिजनों ने शोरगुल मचाते घर से बाहर निकल पड़ोसियों को जानकारी दी। हालांकि परिजनों ने इस मामले में पुलिस को कोई आवेदन नहीं दिया था। वहीं ग्रामीणों की मानें तो शनिवार की शाम तीन बजे से स्कुल से आने के बाद से ही मासूम आंचल कुमारी की गायब होने की खबर मिली थी। जिसे आसपास के घरों में ढूंढा गया। परन्तु वो नहीं मिली तो पड़ोसियों को शक सौतेली मां पर हुआ तो वो घर की तलाशी लेनी शुरू की तो घर के अंधेरे कमरे में बंद एक बक्सा को लोगों ने खोला तो देखा कि पीले रंग की सीमेंट की बोरी में कुछ रखा हुआ है।

इसके बाद बोरी का मुंह खोला गया तो उसमें आंचल का जला हुआ चेहरा मिला। इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

आंचल का पिता पप्पू गोड़ दिल्ली में रहता है। वहां से परिवार के भरण-पोषण के लिए नौकरी करता है। आरोपी सीमा देवी से शादी 2024 में हुई थी। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ लग गयी। वहीं ग्रामीणों की मानें तो आंचल की दादी गुंगी है। जिसके कारण स्पष्ट कुछ नही बोल पा रही थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com